संलग्नक क्र.4

कार्यवाही विवरण

मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित (1) ऑयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट (I/O कंसनट्रेट) 1x5.2 एम.टी.पी.ए. (थ्रू पूट कैपेसिटी)–5.2 एम.टी.पी.ए. (2) ऑयरन ओर पैलेटाईजेशन प्लांट (पैलेट्स) 1x3.8 एम.टी.पी.ए.–3.8 एम.टी.पी.ए. (3) प्रोड्यूसर गैस प्लांट (प्रोड्यूसर गैस)–4,27,500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा (4) कोल वॉशरी (वॉश्ड कोल) 2x2.5 एम.टी.पी.ए. (थ्रू पूट कैपेसिटी)–5.0 एम.टी.पी.ए. (5) नॉन रिकव्हरी टाईप कोक ओवन्स (कोक) 2x1.25 एम.टी.पी.ए.–2.5 एम.टी.पी.ए. (6) लाईम कैल्सीनेशन प्लांट (लाईम स्टोन एवं डोलोमाईट) 4x200 टन प्रतिदिन–0.264 एम.टी.पी.ए. (7) सिंटर प्लांट्स (सिंटर) 3x150 स्क्वायर मीटर–52,03,440 टन प्रतिवर्ष (8) ब्लास्ट फर्नेस (लिक्विड पिग ऑयरन) 3x1590 घन मीटर–47,22,300 टन प्रतिवर्ष (9) डी.आर.आई. किल्न (स्पंज ऑयरन) 4x600 टन प्रतिदिन–0.792 एम.टी.पी.ए. (10) एस.एम.एस. 1 (एम.एस. बिलेट्स) 1x100 टन ई.ए.एफ. + 2ग120 टन एल.आर.एफ. + 9/18 बिलेट कास्टर–0.528 एम.टी.पी.ए. (11) एस.एम.एस. 2 (एम.एस. ब्लूम्स) 1x100 टन ई.ए.एम. + 2x120 टन एल.आर.एफ. + 9/18 ब्लूम कास्टर–0.528 एम.टी.पी.ए. (12) एस.एम.एस. 3 (स्लैब्स/मिनि स्लैब्स) 4x85 टन ई.ओ.एफ./बी.ओ.एफ. + स्लैब/मिनि स्लैब कास्टर–2.64 एम.टी.पी.ए. (13) एम.एम.एस. 4 (बिलेट्स) 2x40 टन ए.ओ.डी./व्ही.ओ.डी. + 9/18 ब्लूम कास्टर–5,01,600 टी.पी.ए. (14) रोलिंग मिल 1 (स्ट्रक्चरल स्टील) 1x1,515 टन प्रतिदिन–0.5 एम.टी.पी.ए. (15) रोलिंग मिल 2 (प्लेट मिल) 1x3,030 टन प्रतिदिन–1.0 एम.टी.पी.ए. (16) रोलिंग मिल 3 (कोल्ड रोलिंग मिल) 1x3,030 टन प्रतिदिन–1.0 एम.टी.पी.ए. (17) रोलिंग मिल 4 (पाईप मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (18) रोलिंग मिल 5 (स्टेनलेस स्टील मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (19) रोलिंग मिल 6 (टी.एम.टी. बार मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (रोलिंग मिल 1–4,500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा के लिये कोल गैसीफायर (20) फेरो एलायज प्लांट (फेरो सिलिकॉन/फेरो मैग्नीज/सिलिको मैग्नीज/फेरो क्रोम) 8x24 एम.व्ही.ए.–फेरो सिलिकॉन–1,49,100 टन प्रतिवर्ष/फेरो मैग्नीज–5,36,760 टन प्रतिवर्ष/सिलिको मैग्नीज–3,06,720 टन प्रतिवर्ष/फेरो क्रोम–3,19,500 टन प्रतिवर्ष (21) ऑक्सिजन प्लांट (ऑक्सिजन–6,00,000 घनमीटर प्रतिदिन–198 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष, नाईट्रोजन–18,00,000 घनमीटर प्रतिदिन–594 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष, आर्गन–60,000 घनमीटर प्रतिदिन–19.8 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष (22) पॉवर प्लांट (781 मेगावाट) [डब्ल्यू.एच.आर.बी.–ब्लास्ट फर्नेस 3x25 मेगावाटर–75 मेगावाट, डी.आर.आई. किल्न 4x14 मेगावाट–56 मेगावाटर, कोक ओवन 2x75 मेगावाटर–150 मेगावाटर, एवं [सी.एफ.बी. 2x250 मेगावाट–500 मेगावाट] (23) ईट निर्माण इकाई–10,00,000 ईट प्रतिदिन (24) **ब्रिकेटिंग यूनिट–2,100 किलोग्राम प्रतिघंटा की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 23.10.2024 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में

प्रस्तावित (1) ऑयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट (I/O कंसनट्रेट) 1x5.2 एम.टी.पी.ए. (थ्रू पूट कैपेसिटी)–5.2 एम.टी.पी.ए. (2) ऑयरन ओर पैलेटाईजेशन प्लांट (पैलेट्स) 1x3.8 एम.टी.पी.ए.–3.8 एम.टी.पी.ए. (3) प्रोड्यूसर गैस प्लांट (प्रोड्यूसर गैस)–4,27,500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा (4) कोल वॉशरी (वॉश्ड कोल) 2x2.5 एम.टी.पी.ए. (थ्रू पूट कैपेसिटी)–5.0 एम.टी.पी.ए. (5) नॉन रिकव्हरी टाईप कोक ओवन्स (कोक) 2x1.25 एम.टी.पी.ए.–2.5 एम.टी.पी.ए. (6) लाईम कैल्सीनेशन प्लांट (लाईम स्टोन एवं डोलोमाईट) 4x200 टन प्रतिदिन–0.264 एम.टी.पी.ए. (7) सिंटर प्लांट्स (सिंटर) 3x150 स्क्वायर मीटर–52,03,440 टन प्रतिवर्ष (8) ब्लास्ट फर्नेस (लिक्विड पिग ऑयरन) 3x1590 घन मीटर–47,22,300 टन प्रतिवर्ष (9) डी.आर.आई. किल्न (स्पंज ऑयरन) 4x600 टन प्रतिदिन–0.792 एम.टी.पी.ए. (10) एस.एम.एस. 1 (एम.एस. बिलेट्स) 1x100 टन ई.ए.एफ. + 2X120 टन एल.आर.एफ. + 9/18 बिलेट कास्टर–0.528 एम.टी.पी.ए. (11) एस.एम.एस. 2 (एम.एस. ब्लूम्स) 1x100 टन ई.ए.एम. + 2x120 टन एल.आर.एफ. + 9/18 ब्लूम कास्टर–0.528 एम.टी.पी.ए. (12) एस.एम.एस. 3 (स्लैब्स/मिनि स्लैब्स) 4x85 टन ई.ओ.एफ./बी.ओ.एफ. + स्लैब/मिनि स्लैब कास्टर–2.64 एम.टी.पी.ए. (13) एम.एम.एस. 4 (बिलेट्स) 2x40 टन ए.ओ.डी./व्ही.ओ.डी. + 9/18 ब्लूम कास्टर–5,01,600 टी.पी.ए. (14) रोलिंग मिल 1 (स्ट्रक्चरल स्टील) 1x1,515 टन प्रतिदिन–0.5 एम.टी.पी.ए. (15) रोलिंग मिल 2 (प्लेट मिल) 1x3,030 टन प्रतिदिन–1.0 एम.टी.पी.ए. (16) रोलिंग मिल 3 (कोल्ड रोलिंग मिल) 1x3,030 टन प्रतिदिन–1.0 एम.टी.पी.ए. (17) रोलिंग मिल 4 (पाईप मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (18) रोलिंग मिल 5 (स्टेनलेस स्टील मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (19) रोलिंग मिल 6 (टी.एम.टी. बार मिल) 1x1,515–0.5 एम.टी.पी.ए. (रोलिंग मिल 1–4,500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा के लिये कोल गैसीफायर (20) फेरो एलायज प्लांट (फेरो सिलिकॉन/फेरो मैग्नीज/सिलिको मैग्नीज/फेरो क्रोम) 8x24 एम.व्ही.ए.–फेरो सिलिकॉन–1,49,100 टन प्रतिवर्ष/फेरो मैग्नीज–5,36,760 टन प्रतिवर्ष/सिलिको मैग्नीज–3,06,720 टन प्रतिवर्ष/फेरो क्रोम–3,19,500 टन प्रतिवर्ष (21) ऑक्सिजन प्लांट (ऑक्सिजन–6,00,000 घनमीटर प्रतिदिन–198 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष, नाईट्रोजन–18,00,000 घनमीटर प्रतिदिन–594 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष, आर्गन–60,000 घनमीटर प्रतिदिन–19.8 मिलीघनमीटर प्रतिवर्ष (22) पॉवर प्लांट (781 मेगावाट) [डब्ल्यू.एच.आर.बी.–ब्लास्ट फर्नेरा 3x25 मेगावाटर–75 मेगावाट, डी.आर.आई. किल्न 4x14 मेगावाट–56 मेगावाटर, कोक ओवन 2x75 मेगावाटर–150 मेगावाटर] एवं [सी.एफ.बी. 2x250 मेगावाट–500 मेगावाट] (23) ईट निर्माण इकाई–10,00,000 ईट प्रतिदिन (24) ब्रिकेटिंग यूनिट–2,100 किलोग्राम प्रतिघंटा की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 23.10.2024, दिन–बुधवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–परियोजना स्थल (सिन्धु फार्म के समीप) ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय

पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगों का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम मैं डॉ. लोकेश शर्मा, एन.आर. ऑयरन एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड की ओर से माननीय अपर कलेक्टर महोदया सुश्री संतन देवी जांगड़े जी, एस.डी.एम. रायगढ़ श्री प्रवीण तिवारी जी, क्षेत्रीय अधिकारी रायगढ़ छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल श्री अंकुर साहू जी, सी.एस.पी महोदय श्री अभिनव उपाध्याय जी, उपस्थित अन्य अधिकारीगण तथा पुलिस प्रशासन का और साथ ही उपस्थित जनता का मैं इस लोकसुनवाई में स्वागत करता हूँ। हमारे द्वारा ग्राम शिवपुरी, तहसील एवं जिला रायगढ़ (छ.ग.) में नई इंटिग्रेटेड स्टील उत्पादन इकाई की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित इकाई में ऑयरन ओर बेनिफिकेशन इकाई क्षमता 5.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आयरन ओर पैलेट उत्पादन इकाई क्षमता 3.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष, प्रोड्यूसर गैस प्लांट क्षमता 4,27,500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा, कोल वॉशरी क्षमता 5.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, कोक ओवन इकाई क्षमता–2.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, लाईम कैल्सिनेशन इकाई क्षमता 2,64,000 टन प्रतिवर्ष, सिंटर इकाई क्षमता 52,03,440 टन प्रतिवर्ष, ब्लास्ट फर्नेस इकाई 1590 घनमीटर की 2 इकाई कुल क्षमता 47,22,300 टन प्रतिवर्ष, स्पंज ऑयरन उत्पादन इकाई क्षमता 7,92,000 टन प्रतिवर्ष, स्पंज ऑयरन किल्नों के माध्यम से वेस्ट हीट रिकव्हरी आधारित विद्युत उत्पादन इकाई क्षमता–56 मेगावाट, ब्लास्ट फर्नेस इकाई के माध्यम से विद्युत उत्पादन इकाई क्षमता 75 मेगावाट, कोक ओवन इकाई के माध्यम से विद्युत उत्पादन इकाई क्षमता 150 मेगावाट, सी.एफ.बी.सी. आधारित विद्युत उत्पादन इकाई 500 मेगावाट, स्टील मेल्टिंग शॉप क्रमांक 2 क्षमता 0.528 मिलियन टन प्रतिवर्ष, स्टील मेल्टिंग शॉप क्रमांक 3 क्षमता 2.64 मिलियन टन प्रतिवर्ष, स्टील मेल्टिंग शॉप क्रमांक 4 क्षमता 5,01,600 टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल क्रमांक 1 स्ट्रक्चरल मिल क्षमता 0.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल क्रमांक 2 प्लेट मिल क्षमता 1.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल क्रमांक 3 कोल्ड रोलिंग मिल क्षमता 1.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल क्रमांक 4 पाईप मिल क्षमता 0.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल क्रमांक 5 स्टेनलेस स्टील मिल क्षमता 0.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष रोलिंग मिल क्रमांक 6 टी.एम.टी. बार मिल क्षमता 0.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, कोल गैसिफायर क्षमता 4500 सामान्य घनमीटर प्रतिघंटा, फेरो एलायज उत्पादन हेतु 24 एम.व्ही.ए. की 8 सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस, ऑक्सीजन

प्लांट क्षमता ऑक्सीजन 198 मिलियन घन मीटर प्रतिवर्ष, नाईट्रोजन 594 मिलियन घनमीटर प्रतिवर्ष तथा आर्गन 19.8 मिलियन घनमीटर प्रतिवर्ष, फ्लाई ऐश आधारित ईट उत्पादन इकाई क्षमता 330 मिलियन ईट प्रतिवर्ष तथा ब्रिकेटिंग इकाई क्षमता 2100 किलो प्रतिघंटा की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना की स्थापना हेतु 299.099 हेक्टेयर भूमि की परिकल्पना की गई है तथा इसमें से 177.766 हेक्टेयर भूमि सी.एस.आई.डी.सी. लीज की गई है तथा 121.243 हेक्टेयर भूमि निजी भूमि है तथा कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लागत 8917 करोड़ है। हमारे द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रस्तावित ऑयरन ओर बेनिफिकेशन ईकाई में बैग फिल्टर, ऑयरन ओर पैलेट उत्पादन इकाई में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर, डब्ल्यू. एच.आर.बी. युक्त डी.आर.आई. किल्नों में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रसिपिटेटर, एल.आर.एफ., बी.ओ.एफ., ए.ओ.डी. तथा वी. ओ.डी. युक्त इण्डक्शन फर्नेस में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली, इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली, सबमर्ज इलेक्ट्रिक फर्नेस में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली, रोलिंग मिल में उचित उचाई की चिमनी, कोक ओवन में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर, सिंटर इकाई में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर एवं सिंटर कूलर हीट रिकव्हरी ब्लास्ट फर्नेस इकाई में स्टॉक हाउस में बैग फिल्टर युक्त डी–डस्टिंग प्रणाली, ब्लास्ट फर्नेस इकाई के कास्ट हाउस में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली, लाईम कैल्सिनेशन इकाई में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली, कोल वॉशरी में बैग फिल्टर युक्त डस्ट एक्सट्रेक्शन प्रणाली तथा सी.एफ.बी.सी. आधारित विद्युत उत्पादन इकाई में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर किया जाना प्रस्तावित है। सभी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की दक्षता पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन की मात्रा 30 मिलिग्राम प्रतिघनमीटर से कम के अनुरूप होगी। प्रस्तावित परियोजना हेतु 75334 घनमीटर प्रतिदिन ज़ल की आवश्यकता होगी जिसे केलो नदी से आहरण किया जायेगा। इस आशय में आवेदन जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन में प्रक्रियाधीन है। प्रस्तावित ऑयरन ओर बेनिफिकेशन इकाई से उत्पन्न दूषित जल को हाईरेट थिकनर द्वारा उपचारित कर पूर्णतः पुनःचक्रित किया जाना प्रस्तावित है। ऑयरन ओर पैलेट उत्पादन इकाई, सिंटर इकाई ब्लास्ट फर्नेस इकाई स्टील मेल्टिंग शॉप इकाई, फेरो एलायज उत्पादन इकाई तथा विद्युत उत्पादन इकाई से उत्सर्जित औद्योगिक दूषित जल को ई.टी.पी. के उपरांत आर.ओ. द्वारा उपचारित किया जायेगा। उपचारित औद्योगिक दूषित जल का उपयोग स्लैग ग्रेन्यूलेशन, कोक क्विंचिंग, कोल हैण्डलिंग प्लांट में डस्ट सप्रेशन, ऐश कंडिशनिंग रोल कूलिंग तथा सिंचाई में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। प्रोड्यूसर गैर प्लांट से उत्सर्जित दूषित जल फिनॉलिक वेस्ट वॉटर को डी.आर. आई. किल्न के आफ्टर बर्निंग चैंबर में जलाया जाना प्रस्तावित है। कोल वॉशरी से उत्सर्जित दूषित जल को थिकनर द्वारा उपचारित कर पूर्णतः पुनःचक्रित किया जाना प्रस्तावित है। घरेलू दूषित जल को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा उपचारित किया जाना प्रस्तावित है तथा उपचारित घरेलू दूषित जल को सिंचाई में किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना के बाद शून्य निस्तारण की स्थिति बनाई रखी जावेगी जिससे आस–पास के पर्यावरण पर दूषित जल का नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। परिसर में लगभग 99.07 हैक्टेयर (33 प्रतिशत) भूमि

पर वृक्षारोपण प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना में 249000 नग (प्रति हैक्टेयर 2500 नग) की दर से वृक्षारोपण किया जावेगा। ग्राम शिवपुरी की ओर 40 मीटर से 92 मीटर चौड़ी पट्टिका का विकास किया जावेगा। प्रस्तावित परियोजना में प्रत्यक्ष रूप से 5000 व्यक्तियों को तथा अप्रत्यक्ष रूप से 7500 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा। हमारे द्वारा प्रस्तावित परियोजना में रोजगार हेतु स्थानीय निवासियो को प्राथमिकता दी जाती है तथा भविष्य में भी दी जावेगी। सामाजिक दायित्व के निर्वहन नियमानुसार एवं आवश्यकतानुसार किया जावेगा। प्रस्तावित परियोजना में प्रदूषण की रोकथाम हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा सुझायें गये सभी उपायों को अपनाया जायेगा जिससें परियोजना द्वारा निकटस्थ क्षेत्रों में नकारात्मक प्रभाव नहीं होंगे। अंत में प्रस्तावित परियोजना के लिये उपस्थित जनता से सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। धन्यवाद।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहां सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी को सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया।

इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. हजारूराम, शिवपुरी – कंपनी जैसे बैठ गया तो उसका विकास होगा और साथ में गांव का भी विकास होगा। जो घुम रहे है उनको काम दे। मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
2. ललीत कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
3. उमेश – जब से उद्योग आया है पाल्युशन तो होगा लेकिन अच्छा रोजगार भी मिला है। कंपनी हर आदमी का सहयोग करता है। कोई भी एन.आर. ग्रुप का विरोध नहीं करता है। हमारे गांव में मीटिंग भी किये है समर्थन के लिये। मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
4. कन्हैयालाल, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
5. तिहारूराम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

Asaly

6. समारू, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
7. अगम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
8. टीकाराम, – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
9. देवरथ – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
10. श्याम कुमार, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
11. गजाधर चौहान, तराईमाल – हम लोग 12 घंटा काम करते है पैसा बढ़ाया जाये। मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
12. सुमती, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
13. सुमित्रा, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
14. कमला, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
15. फुलबाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
16. बिमला, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
17. राजकुमारी, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
18. बिमला, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
19. राधाबाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
20. जमुना, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
21. समारिन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
22. मंदोदरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
23. श्याम बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
24. विद्या – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
25. सीमा, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
26. गोल्डी, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
27. सुचिता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
28. दहिया बंजारा, – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
29. ममता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
30. कमला, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
31. कलावती, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
32. सकुंतला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
33. जानकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

34. सीमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
35. सोनिया, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
36. चंद्रिका, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
37. सेतकुमारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
38. जमुना – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
39. कलावती, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
40. पार्वती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
41. बुधियारिन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
42. निराषी बाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
43. बुधियारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
44. राममती राठिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
45. लक्ष्मीन बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
46. जानकी बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
47. सौकी बाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
48. रानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
49. पवित्रा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
50. चंदा, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
51. हेममती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
52. प्यारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
53. कुशुम बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
54. सविता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
55. दशमेत, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
56. जानकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
57. सुमति, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
58. सीमा, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
59. गंगोत्री, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
60. सुखवारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
61. गीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
62. मुनाता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

63. सौहद्रा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
64. सरस्वती, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
65. रौताईन, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
66. मंगलाई बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
67. चैतमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
68. बिमला, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
69. कलावती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
70. जगमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
71. मंगलाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
72. पूर्णिमा, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
73. सुनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
74. कुशुम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
75. परमिला, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
76. तिजमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
77. दीपिका, – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
78. राजा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
79. सुकांति – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
80. झाडुमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
81. श्याम बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
82. विजयमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
83. रामबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
84. पंकज कुमार, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
85. मुकेश, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
86. बिट्टु – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
87. करण कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
88. भजन साय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
89. चंद्रशेखर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
90. राजकुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
91. अर्जुन लाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

92. नितिन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

93. सुखराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

94. माधव लाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

95. सनिराम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

96. वेदप्रकाश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

97. किर्तन राठिया, सराईपाली – हमारे गांव के जितने भी कंपनी है हमे पानी नहीं मिलता। गांव को सुरक्षित रखे मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

98. संतोष, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

99. अमित कुमार राठिया, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

100. बंशीधर, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

101. दीपक, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

102. राकेश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

103. अनिल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

104. राधे राठिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

105. परेश राठिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

106. राधिका – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

107. सोंदरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

108. विनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

109. निरजा यादव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

110. मेनका, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

111. ललिता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

112. मीरा चौहान – मेसर्स एन.आर. आंयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

113. खैरू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

114. रंजीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

115. यादबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

116. निर्मला, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

117. संगीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

118. निलम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

119. जयंती देवी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

120. गुरबारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
121. सुशीला, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
122. मिथिला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
123. गंगा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
124. मुथेली बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
125. मथुरा बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
126. सविता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
127. राधिका, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
128. मंगली बाई, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
129. गंगा बाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
130. प्रेमबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
131. संतोषी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
132. जयंती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
133. शांति बाई, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
134. धनवती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
135. ललिता, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
136. कांति – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
137. अनिता, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
138. धनमती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
139. कलावती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
140. मंजू, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
141. अनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
142. योगेश्वरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
143. सोना – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
144. सुमित्रा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
145. सीता, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
146. करमवती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
147. देवेन्द्र – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
148. लोकनाथ – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

149. शिवा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

150. अमृतलाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

151. खेमराज, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

152. मोहित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

153. गजानंद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

154. किर्तन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

155. फागुलाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

156. गजानंद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

157. कुशाउराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

158. जयराम धनवार, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

159. रामरतन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

160. मंगलू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

161. अनिल चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

162. कृष्ण कुमार , तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

163. भगतराम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

164. संतोष, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

165. बलराम सिंह – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

166. रात्रे – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

167. सुरेश कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

168. अनिल कुमार, पाली – अनिल कुमार प्रधान, पाली – जो कि कम्पनी प्रबंधक द्वारा बताया गया रिपोर्ट के अनुसार अभी यहां बोल रहे थे कि जल केलो नदी से लायेंगे इतना खपत हो रहा है कि अभी आस–पास में जितना भी प्लांट बना हुआ है 75 प्लांट बना लगभग बना हुआ है अपने क्षेत्र में, जिसमें से अभी तक कोई नाला नदी का पानी अभी तक ला नहीं रहा है, जहां तक मैं जान रहा हूं भूमि का पानी केवल इंसान की पीने और खेती के लिए यूज करने के लिए उपयोग किया जाता है। नाला से शो करते हैं लेकिन नाला में अभी भी पानी है नहीं। जितने भी प्लांट नाला से शो किये हुए हैं उनका भूमितल निरीक्षण किया जाय, यहां तक पेड़–पौधे अगल–बगल में आ रहें हैं पानी की ऑलरेडी कमी है, कमी होने की जैसे अपने रायगढ़ जिला में केलो डेम बनाया गया है, जिससे और पानी कम होने की संभावना लग रहा है। देखा जाय तो जल स्तर धीरे–धीरे अपने क्षेत्र में नीचे स्तर में जाने जहां सरकारी रिकार्ड के हिसाब से भी जल स्तर का जब रिपोर्ट बनाया जाता है तो बरसात के दिन में लेबल चेक करने के लिए आते है उन लोग, जबकि ओ

मार्च–अप्रैल में आते तो पानी का लेबल पता चलता और केलो नदी किसानों के लिए बनाया गया है जब प्लांट के लिए पानी दिया जायेगा तो किसान क्या करेंगे। अब किसान मजबूर हो के आत्महत्याओं की तरफ जा रहे हैं नहीं जो प्लांट की तरफ जा रहे हैं 2–4 हजार की नौकरी में जीवन की गुजारा कर रहें हैं। मजबूर हो जा रहे हैं धूल–डस्ट खा रहे हैं और यहां तक देखा जा रहा है कि कोई स्वास्थ्य शिविर भी नहीं लगाया जा रहा है, हां अधिकतर खुजली, दामा, कैंसर रोग हो रहा है, जिसमें आजकल थोड़ा–मोड़ा दाद भी सामान्य ईलाज में छोड़ नहीं रहा है जबकि पहले नारियल की खोलटी के जलाकर उसका तेल दे देने से छोड़ दिया जाता था। धुल डस्ट के चक्कर में ये बीमारी का बढ़ावा हो रहा है, जिसमें स्वास्थ्य के लिए न कोई शिविर न कोई अस्पताल, न कोई शिक्षा के लिए यहां आस–पास कोई अच्छा से व्यवस्था है न कोई कम्पनी द्वारा कोई स्कूल में अतिथि टीचर, चलो यहां कमी हो गया अच्छा से शिक्षा के स्तर को बढ़ाया जाय बोलके नहीं कर रहा है। आस–पास के जनता को कम्पनी द्वारा थोड़े–मोड़े लालच देके अपना समर्थन ले रहे हैं और बिना पढ़े–लिखे आदमी जैसे बोलते है मुखिया लोग वैसे ही करते जा रहे हैं, अभी तक जि[illegible] भी समर्थन किये है एक भी रिजन नहीं बताये है कि समर्थन क्यों कर रहें हैं? सबसे मेन पोस्ट ये है कि क्यो कर रहें है समर्थन उनका फायदा बताना चाहिये कि हमको ये फायदा हो रहा है। रोजगार मिलता है जरूर लेकिन मजबूर हो जाते है पहले तानाशाही शासन था वही हो जा रहा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी आया धीरे से अब ये कम्पनी पूरा रायगढ़ जिला के कम्पनी में धीरे–धीरे तबदील हो गया, जिससे आये दिन अभी–अभी गेरवानी से आये रोड का क्या हाल है। अब भरोसा नहीं है तो सेठ लोग चार चक्के से आयेंगे उनको क्या पता। पता है तो उनको चलो मैं चार चक्के आता हूं, पीछे–पीछे बाईक लेके आते है देखता हूं बिना चश्में का न कोई डम्फर में जा रहा है तो डस्ट गिर रहा है रोड में न कोई रोड का सफाई हो रहा है धुल का अभी–अभी बरसात में गेरवानी स्कूल के बच्चे लोग भी रोड के लिए कितना चक्का जाम किये हुये थे ओ रोड अभी तक बना नहीं हैं। अब खेती के लिए पूरा किसान तो मजबूर हो जा रहे है, पहले [illegible] देलारी आस–पास बहुत समर्थन कर रहे, गोभी पहले अच्छा फसल कर रहे थे लेकिन अभी देलारी में जाकर देखो कितना फसल हो रहा है। वहीं गोभी में इतना डस्ट पड़ता है कि रायगढ़ मार्केट में सेल करना मुश्किल है न यहां क्षेत्र का धान को भी मण्डी में वापस कर देते हैं। यहीं सिन्धु फार्म का धान 2–3 साल पहले गया था तीन दिन तक मण्डी में बैठा हुआ था अधिकारी लोगों को बोल–बोलकर परेशान हो गया था खुद लेकिन कोई रिपोर्ट नहीं है उसका, हमलोग किसान आदमी, मजबूर हो जा रहे हैं इसमें जाने के लिए अपने पढ़ाई–लिखाई के स्तर को क्षेत्र में उठाने के लिए अच्छा से सरकारी स्कूल को भी थोड़े प्राईवेट टाईप का अच्छा से जोर दिया जाना चाहिए और इस क्षेत्र में हाथी का भी आना लगा रहता है और एन.आर का भी बाउण्ड्री को अभी –अभी तोडा गया था, जो रिपोर्ट बना है उसमें कोई दर्शाया नहीं जा रहा है और यहां जो सरकारी जमीन सरकार से लीज में लिया जा रहा है उसमें इस क्षेत्र का क्या फायदा होगा इसमें तो

दर्शाया नहीं गया है, मैं चाहता हूं कि इस क्षेत्र कि सभी ग्राम वासियों को कम्पनी से थोड़ा शेयर वेयर इसका 177 हे. या एकड़ जो बोला गया उसमें से शेयर के रूप में इस क्षेत्र के गांव को वितरण कर दिया जाय तो अच्छा उसका कुछ कुछ विकास कर दे और यहां जमीन जो लिया जा रहा है में छोटे–छोटे किसान लोगों का गाय–भैस रखे हुए हैं उसके लिए चारागाह का कमी हो जा रहा है, हर प्लांट कहीं न कहीं से लिया जा रहा है तो आस–पास के गाय–भैस लोगों को चराने के लिए कम हो जा रहा है उसके लिए कुछ व्यवस्था भी नहीं हुआ है न होगा। और मैं कम्पनी प्रबंधक से पूछना चाहूंगा कि पानी कहां कहां से ला रहें है उसका वितरण तो है डाक्यूमेंट में लेकिन स्तर में नहीं है। बोरवेल कितना हो कम्पनी में है, उसका भी कोई रिकार्ड नहीं है और रोजगार के क्षेत्र में तो मिल ही रहा है लेकिन बहुत कम ये दे रहा है बहुत लोगों को तो 12 घण्टा ड्यूटी दे रहा है जबकि सरकार रिकार्ड में नहीं है कि 12 घण्टा कर सकते है इसलिये हम रोड का सुधार पर्यावरण और पेड़–पौधे का इतना ज्यादा कटिंग हो रहा है कि अब तो इस क्षेत्र में एक आदमी के पीछे बहुत कम पौधा बचा हुआ हैं जिससे जीवन होने में दिक्कत जा रहा है, और इसी जैसे मैं चाहता हूं कि इस क्षेत्र में 70–75 कम्पनी हो गया है इस हिसाब से हमारे स्थानीय रोजगार बहुत कम हैं। जैसे देखा जाय तो हर गांव से 4–5 आदमी काम कर रहे हैं और हो सके तो आस–पास के आदमी को तो रखते ही नहीं हैं जहां तक हो सके कि ये कुछ बदमाशी करेगा ओ करेगा बोलके टाल देते हैं और हमलोगों को किसान है तो अपना फूलगोभी का उपाय बताते हुए बताईये कि हमलोग कैसे में डस्ट का नियंत्रण कर सकें, उसके लिए हमारे लिए क्या किया गया है मजबूर होके हमलोग ड्यूटी करना पड़ता है, जिसमें हम लोगों को बंधुआ मजदूर बन जाते है और इसी जैसे मैं चाहता हूं कि कम्पनी सब क्षेत्र में रोजगार की सुधार करे, शिक्षा की सुधार करें, स्वास्थ्य शिविर हर मंथ लगना चाहिए और पानी भी बहुत दूषित हो गया है, क्षेत्र में पीने लायक भी नहीं है कुछ। न्यूज पेपर में मैं पढ़ा था पानी भी यहां का पीने लायक नहीं है उसके लिए भी फिल्टर के द्वारा घर–घर सप्लाई किया जाये, ये सब चीज सुधार करते हुए कम्पनी प्रबंधक से बोलना चाहता हूं कि ये सब चीज को सुधारा जाय। इसी से कम्पनी नहीं खुलना चाहिए अपने साईड इसी से मैं विराम देता हूँ।

169. शंकर राम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
170. दीपक – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
171. मानूराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
172. कमल, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
173. अजय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
174. राज जांगड़े, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
175. नोनी बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

176. देवकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

177. रज्जू देवी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

178. राजमती, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

179. राजकुमारी, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

180. ज्योति बाई, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

181. लक्षनिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

182. रानू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिगिटेड का समर्थन है।

183. गीता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

184. पदमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

185. छबि– मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

186. संघाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

187. बुधि – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

188. सरिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

189. सकुंतला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

190. जयंती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

191. किरण सिंह – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

192. शांति, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

193. अंबिका – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

194. सुनिता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

195. सावित्री – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

196. सुनिता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

197. दिलकुमारी, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

198. छपरा बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

199. सीताबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

200. हेमलता, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

201. दुखीबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

202. ज्योति, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

203. संपत्ति – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

204. मंजू, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

205. यशवंती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
206. कपीश्री मालाकार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
207. नर्मदा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
208. लीला, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
209. रीता, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
210. ललिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
211. धनीबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
212. संतोषी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
213. मीरा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
214. पूजा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
215. शौकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
216. गुरबारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
217. रामबाई, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
218. नथनी बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
219. नवरंग – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
220. अनंतराम, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
221. अघरिया राम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
222. फलेश्वर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
223. दुजेराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
224. गोलू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
225. दुखेराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
226. अनुज, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
227. बुधु – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
228. सतीश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
229. रामदयाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
230. नत्थूराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
231. हेमकुमार, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
232. गुल्फान खान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
233. बिरजू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

234. बुधसिंह – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

235. अमित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

236. फिरतराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

237. फुलसाय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

238. करणदास – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

239. विकास – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

240. फागुलाल, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

241. लीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

242. अजित चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

243. अरखित गुप्ता, सराईपाली – समर्थन करता हूं पहले जंगली जानवरो खतरा बना रहा जिसमें मुख्य रूप से जंगली हाथियों का अतंक बना रहा जो वर्तमान में इण्डस्ट्री आने की वजह से ये सब बंद हो गया। क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय में बढोतरी यहां के लोग सुख–सुविधा में बढ़ोत्तरी हो रही है। एन.आर. इस्पात ने सराईपाली में दुर्गा मंडल बना कर दिया, यहां से लगभग 5 कि.मी. एरिया में यहां बच्चों के शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए एक स्कूल का निर्माण किया जो फ्यूचर में एजुकेशन हक के रूप में जाना जायेगा। रायगढ़ जिला इण्डस्ट्री हब के रूप में पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है यहां सबसे पहले मोहन जूट मिल 1958 में स्थापित हुई जो अभी वर्तमान में बंद है। रायगढ़ कल्चर केपिटल छत्तीसगढ़ एण्ड स्टील के नाम से जाने जाती है। यहां एशिया की सबसे बड़ी कम्पनी रायगढ़ में है। एन.आर इस्पात मोनेट जैसे छोटी–मोटी लगभग 300 से ज्यादा कम्पनी रायगढ़ में स्थित है। अतः रायगढ़ लौह स्पात का छत्तीसगढ़ बाजार बन चुका है। यहां की धरती खनिजो से परिपूर्ण है जिसमें मुख्य रूप से जैसे कोयला गोड़वाना चट्टान के रूप में, धारवाड़ में लौह अयस्क पाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में देश के खनिज उत्पादन में छत्तीसगढ़ का हिस्सा क्रमशः कोयला में 19.76 प्रतिशत और लौह अयस्क में 15.90 प्रतिशत और टिन अयस्क में 90 प्रतिशत है। कोयला की भंण्डारण में रायगढ़ जिला फर्स्ट एवं प्रोडक्शन में सेकण्ड रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024 एवं 29 जारी किये गये जिसमें लघु मध्यम उद्योग का सहयोग कर रही है यहां के स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार के रोजगार का अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मैं अरखित गुप्ता सराईपाली निवासी एन.आर. इस्पात हो समर्थन करता हूँ।

244. संतकुंवर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

245. पदमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

246. प्रतिमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

247. लक्ष्मी चौहान, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

248. गुड़डी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

249. संध्या – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

250. तीलमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

251. प्रेमशीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

252. राधारानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

253. कुमारी राठिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

254. ललीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

255. ज्योतिबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

256. अहिल्या, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

257. निशा, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

258. स्रुती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

259. दुरपती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

260. सीताबाई, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

261. मोंगरा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

262. सुशीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

263. सुखमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

264. पदमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

265. नानदाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

266. लीलावती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

267. तीजमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

268. सुखमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

269. कांति सिदार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

270. अनिता बाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

271. हीरामती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

272. सुखमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

273. ज्योति सिदार, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

274. रोशनी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

275. इंदू चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

276. विद्या – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

277. सविता, रानीदरहा – विरोध है।

278. सुशीला – विरोध है।

279. सबनम – विरोध है।

280. पार्वती – विरोध है।

281. पुनीमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

282. केरा चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

283. सौहद्रा – विरोध है।

284. गायत्री – विरोध है।

285. सोनमती – विरोध है।

286. लता – विरोध है।

287. अनिता – विरोध है।

288. कौशल्या – विरोध है।

289. दिलेश्वर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

290. प्रेमचौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

291. गुडडा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

292. पिंटू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

293. नेतराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

294. छबिलाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

295. जयंत बहिदार, रायगढ़ – इस परिसर में, इस लोक सुनवाई परिसर में बाउंसरों का कब्जा है, एन.आर. के गुंडों का कब्जा है और आपकी पुलिस उनकों नहीं हटा रही है। ये इनके बाउंसर खड़े हैं लोगों का नाम नोट कर रहें हैं रजिस्टर में, ये गलत है। जबतक इनको नहीं हटायेगें इस परिसर चालू नहीं करेगें हम अपना विरोध, हटाइये इनको पहले, बाउंसरो को हटाइये कम्पनी के गुंडों को हटाइये सबसे पहले। रायगढ़ पुलिस को बाउंसरों की जरूरत कब पड़ गई, कम्पनी के गुडों की जरूरत कब पड़ गई है। एक टीआई थानेदार साहब पर्याप्त है हम सबको शांत करने के लिए, हमको मनाने के लिए हमको कनवेन्श करने के लिए गुंडों की जरूरत नहीं है। साहब का व्यवहार आपका व्यवहार बहुत है। हमको समझाने के लिए ये गुंडों से कोई डरने वाला नहीं है या बाउंसरों से कोई नहीं डरेगा। वहां रजिस्टर लेकर क्यों बैठे हैं कम्पनी, सबका नाम पता नोट कर रहे हैं। एक काम नहीं करने देगें शर्म आनी चाहिये जिला प्रशासन, पर्यावरण विभाग को गुंडों के सहारे जन सुनवाई कराना चाह रहे हैं, देखते हैं आपलोग कब तक नहीं हटायेगें। बड़ा

दुर्भाग्य है कि यहां आई.पी.एस. अधिकारी मौजूद है उसके बावजूद एन.आर. के गुंडे उनके बाउंसर और उनके दलाल इस लोक सुनवाई को संचालित कर रहें हैं। कोई अधिकारी आके घोषित करे ये प्रमाण दे ये गुंडे बाउंसर को हटाया जा चुका है, तब हम अपने उद्बोध चालु करेंगे। पीठासीन अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी इस बात को ध्यान देगें एन.आर. लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ सरकार से 177 हे. सरकारी जमीन जो पहले सीलिंग की जमीन थी, सरकारी जमीन था उसको लीज में प्राप्त किया है ओ भी गैर कानूनी है। नियमों का उल्लंघन हुआ है और ये अधिसूचना 2006 के अनुसार भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार जो टी.ओ.आर जारी हुआ है उसमें ये प्रावधान है कि एक भी पेड़ नहीं काट सकते, इस एन.आर उद्योग ने 121 हे. जमीन नायक परिवार से खरीदा है उसके बाद सिन्धु फार्म वाले परिवार से खरीदा है, सिन्धु फार्म वाले ने इसलिए बेचा क्योंकि करोड़ों पेड़ है जिसको काटने की अनुमति नहीं मिला। 2023 में इसने लीज में प्राप्त किया सरकार छ.ग. सरकार से 177 हे. जमीन उसमें भी करोड़ो पेड़ है आपकी जन सुनवाई कराने के लिए दो साल से इस मैदान को साफ करवा रहा है। 5 लाख पेड़ एन.आर. ने जमीन के अंदर काटकर दबा दिया जो लीज के शर्तों का उल्लंघन है। लीज के शर्त क्रमांक 25 में दर्ज है देख लीजिए, और टीओआर के शर्तों के अनुसार एक भी पेड़ नहीं काट सकते देख लीजिए, मैने जमा किया है कलेक्टर को भी, पर्यावरण विभाग, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी जी और फॉरेंस्ट विभाग में भी जमा किया है। एक पेड़ कटना नहीं चाहिए लाखों पेड़ काट दिया है। इसलिए ये जन सुनवाई अवैध है इसको तत्काल स्थगित करें। इसके सिवा और कुछ नहीं हो सकता। सरकार ने जो सिलिंग में जमीन प्राप्त किया था उसमें ग्राम शिवपुरी, पाली और देलारी गांव के पांच दर्जन आदिवासियों और दलितों को जमीन बांटा है। एक–एक परिवार एक–एक हेक्टेयर, ढाई–ढाई एकड़, आदिवासियों का शोषण करते हैं, कम्पनी के साथ जिला प्रशासन भी मिला हुआ है। आदिवासी, दलित गरीब लोगों का आपलोग शोषण कर रहें हैं। उस जमीन को ये कब्जा कर रहा है जो आदिवासियों को आबंटित किया गया है। कहां जायेगा गांव का आदमी ये क्षेत्र को उजाड़ दिया आपके उद्योगों ने, 10 कि.मी. के रेडियस में कितने उद्योग हैं? पूरी जानकारी नहीं देते आप लोग ये जनसुनवाई को रद्द करना होगा आप लोगों को, कोई भाषण बाजी नहीं होगा जवाब देना पड़ेगा, वन भूमि पर भी एन.आर ने कब्जा किया है, लिखित शिकायत पर भी जांच नहीं कर रहे हैं। एक तरफा पक्षपात कर रहे हैं आप लोग। ऐसा लगता है पर्यावरण अधिकारी और पीठासीन अधिकारी का कैम्पस है ये कैम्पस अरेस्ट हो गया है जैसे लगता है। आप लोग का कैम्पस अरेस्ट हुआ है निश्चित है, आप लोग जुबान नहीं खोल रहें हैं जब हमने लिख कर दिया है कि लाखों पेड़ कटवा दिया है और ई.आई.ए. नोटिफिकेशन के प्रावधानों के अनुसार, टीओआर के शर्तों के अनुसार, लीज के शर्तों के अनुसार एक पेड़ नहीं कटना चाहिए और इसने घोषणा किया कि वन भूमि पर काबिज नहीं हैं और ये वन भूमि को भी कब्जा कर रखा है। क्यों नहीं होना चाहिए जन सुनवाई रद्द? आप पर्यावरण की चिन्ता की बात कर रहे हैं पूरा

क्षेत्र औद्योगिक प्रदूषण से जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मिट्टी का प्रदूषण सब नष्ट हो चुका है ये क्षेत्र यहां के लोगों को एक रोजगार नहीं है और रोजगार के आंकड़े आप बतायेंगे दो, चार, पांच बता भी देंगे तो ओ कौन है? कम्पनी के दलाल, किसी अधिकारी का रिश्तेदार, किसी वकील का रिश्तेदार यही लोग है न, कुल मिलाकर दलाल लोग कर रहे हैं नौकरी बस। जिनकी जमीन गई जो गांव का भूमिहीन है जो बेरोगार है उनको काम नहीं देते थे फैक्ट्री वाले। क्यों अनुमति देगें हम क्यों आपके समर्थन करेंगे? आपको मैं बता देता हूं प्रशासन लाख प्रयास कर ले, नेपोलियन के परांजय का कारण था वाटरलू इस एन.आर. उद्योग का ये शिवपुरी वाटरलू शाबित होगा हम बनायेंगे इसे वाटरलू युद्ध का मैदान बनायेंगे इसको देख लेते है जोर कितने बाजुए कातिल में हैं। इस क्षेत्र में पूरे गांव वालों को पूरे मेरे रायगढ़ के साथियों, हमारे सरकारी अधिकारी, सबको मैं बता रहा हूँ, कितना प्रदूषण हो रहा है इस क्षेत्र में, कितनी बीमारी हो रही है जिसके कारण, खेती उजड़ गया ये पूरा क्षेत्र तराईमाल से ये पाली, देलारी, गेरवानी, सराईपाली, हर्राडीह, ददगांव और गांव मुड़ी है जहां फैक्ट्री है न, सब में साग भाजी होता था, वनोपज होते थे चार, महु सराई बीज से लेकरके तेंदु पत्ता सब नष्ट हो गया है। लोगों का आजीविका छीन गया है। बर्बाद कर दिये हो आप लोग पूरे क्षेत्र को, उद्योग को सहयोग कर करके, कभी कोई विधायक बोल दिया कभी कोई सांसद बोद दिया कभी कोई बाप बोल दिया, कभी कोई चाचा बोल दिया लोग लिहाज करके आपका विरोध नहीं करते, कोई प्रलोभन में भी आ रहा है तो इसका मतलब आम आदमी नहीं बोलेगा यहां का आदिवासी उजड़ जायेगा, शिवपुरी से आदिवासियों को उजाड़ने का साजिश चल रहा है एन.आर का, पूरे जंगल की जमीन पर कब्जा कर लिये, पेड़ कटाई सरकारी जमीन पर भी किया है, जन–जन की जमीन पर भी किया है, लीज की जमीन पर भी किया है, सब सब भ्रष्ट हो गये हैं। यह जन सुनवाई हम होने नहीं देगें। आप से आप वैधानिक तरीके से इसको स्थगित करिये क्योंकि ये ई.आई.ए. का पालन नहीं किया। आपके पर्यावरण सचिव जो बाद में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव बने आदरणीय पी.जाय उमेन साहब ने एक सर्कुलर जारी किया था हमारे आदरणीय परम अधिकारी को मालूम है जिसमें स्पष्ट था अगर ई.आई.ए. शर्तों का पालन नहीं होगा, तो ये जन सुनवाई नहीं हो सकता। हम उसी को लेकर चल रहें हैं कानूनी आधार को लेकर चल रहें जी, हम गुंडागर्दी नहीं कर रहें हम ये बोल रहें है कानून का पालन करो, क्यों नहीं करते कानून का पालन, जन सुनवाई स्थल में, गुंडागर्दी निषेद है। ये एन.आर के गुंडे–बाउंसर जन सुनवाई कराने आये है, सब लोगों का नाम नोट कर रहें हैं गांव वाले दहशत में वापस जा रहें हैं क्यों? क्योंकि उनके गुंडे रजिस्टर में नाम नोट कर रहे हैं। जैसा हप्ता वसूली कर्ता हो वैसा कैम्पस को अरेस्ट कर लिया अधिकारियों को हमने बताया ई.आई.ए. नोटिफिकेशन के प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा है, टी.ओ.आर के शर्तों का उल्लंघन हो रहा है, लीज के शर्तों का उल्ल्लंघन हो रहा है। उसी आधार पे और पेड़ काट दिया है इसी आधार पे जन सुनवाई यही स्थगित करिये, पर्यावरणीय चिन्ताओं को हम बाद में बतायेंगे। जब ये सब खाना

पूर्ति कर लोगे तब अभी नहीं बालेंगे हम, बालेंगे जरूर, पर्यावरण की बात करो बोल रहे हैं जब नोटिफिकेशन का उल्लंघन हो रहा है उसी में रोकिये। आप जनसुनवाई को कम्प्लीट करना चाहते हैं 5 बजे तक, ये नहीं होने देंगे हम। और ये फोटो वोटो ले रहे हो कि नहीं मेरा, मेरा विडियो ले रहो हो की नहीं, अगर मेरा विडियो नहीं मिलेगा, मैं आप लोगों के उपर केस दर्ज कराऊंगा। क्योंकि ये पर्यावरण मंत्रालय तक जाता है और वो कारण बनता है फैसला लेने में, रूको यही जवाब देंगे रद्द करो, भैया आपलोग कल हमारी एक बहन एक बेटी ये हर्राडीह का पूजा साहू नारीशक्ति का प्रतिमान है वो, उसने कल पर्यावरण विभाग के सामने धरना दिया है सुबह से शाम तक क्यों दिया? क्योंकि यहां के जितने भी फैक्ट्री है फ्लाई ऐश उनके गांव में फेक रहे हैं ओ बेचारी महिला अकेली दम पे बैठी थी वहां आपका विरोध करने, आपका घेराव करने के लिए। ये फैक्ट्री वाले फ्लाई ऐश जहां तहां फेक रहे हैं। वैसे हमारे पीठासीन अधिकारी एस. डी.एम साहब आदरणीय हैं, पर्यावरण अधिकारी महोदय आप आदरणीय हो, वो व्यक्तिगत है ओ सरकारी काम का है। हम एक बार कलेक्टर राजू साहब थे, उस समय उनके सामने में एक ज्ञापन लेकर गये तो ऐसा लगा एक जिंदल का अधिकारी बक–बक कर रहा है हमको रोक रहा था, बोला कलेक्टर से कैसे बात करते हैं नहीं मालूम कैसे आते हैं कलेक्टर साहब ने बैठने का इशारा किया और हम बैठ गये, अब आपको परेशानी हो रही है चलो आप जिंदल के हो, फिर कलेक्टर साहब ने बोला जो नये नये आये थे मुकेश बंसंल जिनका सक्ती में झगड़ा हुआ था तो रायगढ़ आये थे हम तो नहीं देखे थे नया नया आये बोला आप एडीएम है तो सम्मानीय हैं आप बोल सकते है, जिंदल का एक भी आदमी यहां नहीं बैठेगा एक दलाल बैठा था जिंदल का भागा उठके, ओ रायगढ़ का डॉन है। सट्टा डॉन ओ भागा वहां से, तो हमारा कहने का मतलब है हमारी सरकार हमारा प्रशासन जनसुनवाई कराने का उसका जिम्मा है, उसका दायित्व है। एक भी कहां कम्पनी वाला यहां आके जवाब देगा, ओ अपना रिपोर्ट देगा मगर कोई गुंडा कोई बाउंसर इस जनसुनवाई कैम्पस में नहीं होना चाहिए। इस एन.आर उद्योग के लिए जो प्रस्तावित प्रयोजना है उसके लिए जो भारत सरकार पर्यावरण मंत्रालय का टी.ओ.आर जारी हुआ है उसका उल्लंघन हो रहा है उसको नोट किया मैंने बोला है, जो छ.ग. सरकार ने लीज में जमीन दिया है उसका कड़ा प्रावधान है लीज के तहत् पेड़ काटा है ये उल्लंघन हुआ है मैंने बोला, रायगढ़ कलेक्टर का 2014 में भू अर्जन को लेकरके एक ऑर्डर पास हुआ है उसको भी पढ़ दू – ये जो पट्टा अनुबंध हुआ वही जमीन है तत्कालीन कलेक्टर महोदय ने अवार्डेड केश भूमि नं 01 /अ 19.03.2011–14 कलेक्टर महोदय का आर्डर है मगर उसका भी पालन नहीं किया हैं। मैं कानून की बात बता रहा हूं सर! इस कानून का इस प्रावधान का कलेक्टर के आदेश का पालन नहीं हुआ है अब उसको आप लोग चुपचाप है। मैने आपलोगों को पहले भी कहा था यहां पर लोग अपना दस्तावेज लेकर आते है छोटा टेबल होना चाहिये ताकि वहां हम लोग रख सकें लेकिन आपलोग नहीं रखे। अपनी सुविधा में तो लेंगे एसी लगाके हमारे लिये कोई सुविधा नहीं देगें। इस एन.आर. उद्योग ने

इसी प्रस्तावित परियोजना के लिए वन विभाग में डी.एफ.ओ साहब के यहां आवेदन लगाया कि ये मेरा जमीन जितने पर ये काबिज है, खरीदा है और जो लीज में प्राप्त किया है, ये सभी जमीन जो इन्होने लीज में लिया है 299 हे. का जमीन बताया है, उसने लिख दिया हमारे ये जमीन पर न फॉरेस्ट की जमीन है। हमारे कहने का मतलब है डी.एफ.ओ. क्या काम कर रहा है। ये आवेदित जमीन बता रहा है डी.एफ.ओ. बोलता है ये आवेदित खसरा नं. वन भूमि में नहीं है। फॉरेस्ट विभाग और कलेक्टर की जिम्मेदारी नहीं है। क्या आपकी जिम्मेदारी नहीं बनती, डी.एफ.ओ की जिम्मेदारी नहीं बनती कि पूरे इस जंगल की जांच कराई जाय, हमने कलेक्टर साहब को कल ही कहा है। हफ्ते में एक दिन मुलाकात करते हैं आपलोग बाकी दिन फैक्ट्री वाले मिलते रहते हैं। रोज आते हैं कम्पनी वाले हमारे लिए हफ्ते में एक दिन ओ भी जनसुनवाई में और उसके पीछे कोई न कोई डिप्टी कलेक्टर, कोई एडीशनल कलेक्टर हमको धक्का देता रहता है चलिये चलिये, हमारे ए.डी0एम साहब से मिल लिजिए कलेक्टर से मिलने नहीं देते हैं क्यों भाई? कलेक्टर से केवल फैक्ट्री वाले मिलेगें, कम्पनी वाले मिलेंगे, पैसे वाले मिलेंगे आम आदमी नहीं मिल सकते । ये फॉरेस्ट ने लिखा कि जंगल की परियोजना में इनका फैक्ट्री आयेगा। साहब आवेदित खसरा नं. का ही जांच क्यों कराते हो? जंगल का नम्बर नहीं देता ये उसको क्यों नहीं जांच कराते हो आस-पास के जंगल का तो ओ बोला हां बात सहीं है इसको दिखवायेंगे, तो कब दिखवायेगें आज तो जनसुनवाई हो गई आप बजे तक पूरा कर लोगे मगर हम नहीं छोडेंगे इसको वाटरलू बनायेगें। एन.आर. वाटरलू होगा ये आप कितनों को खरीद लो, कितनों प्रलोभन दे दो, आम जनता जो परेशान हैं ओ पीछा नहीं छोड़ेगा प्रशासन को बता दे रहा हूं। यही एन.आर. एक और आवेदन लगाया है। वन विभाग रायगढ़ में बोला ये जो हमारी जमीन है खरीदा है और सरकार से लीज में ली है हालाकी अवैध है ओ लीज ये जो अवैध है उसको हम बोल रहे हैं कम्पनी वाला थोड़ी बोलेगा तो ये जो जमीन है इसमें कितने पेड़ है आप ही बता दीजिये करोड़ों पेड़ है। एक करोड़ से अधिक पेड़ होगा जिसमें 5 लाख पेड़ काट दिया है, फिर भी एक करोड़ से ज्यादा पेड़ जिंदा है। ये बोलता है कि मेरा जो खसरा नं. है 8628 पेड़ को मैं ट्रांसलोकेशन करूंगा। फैक्ट्री बैठाऊंगा तो उसको दूसरे जगह ले जाऊंगा अपनी जमीन की दूसरी साईड में, कुल 8 हजार पेड़। 5 लाख पेड़ काट चुका है रायगढ़ वन विभाग उसको कहता है कि ये जो आवेदित भूमि जंगल में नहीं है इसलिए ट्रांसलोकेशन कराने की कोई आपत्ति नहीं है हमें जाइये राजस्व विभाग में और ओ कहता भी है फॉरेस्ट विभाग कि ये जो आप आवेदित नं. दिये हैं ये जंगल की जमीन से सटा हुआ है। वन भूमि के बाउण्ड्री से लगा हुआ है, वन सीमा से लगा हुआ है ये शब्द बोलता है मगर जंगल में नहीं बोलता। भारत सरकार का पर्यावरण मंत्रालय ने इसक टी.एस.एस. कराया तो उसने पा गया कि ये जंगल के अंतर्गत है। मगर वन विभाग वाले को आवेदन लगा के वन विभाग ने अपने दफ्तर, रेंजर, गार्ड, डी.ई.ओ. इन लोगों से जांच कराया और बोल दिया कि ये वन सीमा से सटा हुआ है, वन भूमि में नहीं है। हम बोले भारत सरकार का

जब वन मंत्रालय ये डिजीटल सेटेलाईट सर्वे करता है तो प्रस्तावित प्लांट के लिए जो जमीन बताया है ओ तो वन भूमि के अंतर्गत माना जा रहा है आप कैसे कहते हो तो नहीं–नहीं ओ तो सेटेलाईट थे न, सेटेलाईट से नजदीक दिखता है घना दिखता है। ध्यान देना मेरे भाईयों ये जो रूस यूक्रेन इजराईल और मध्यपूर्व में वहां जो मिसाईल छोड़ी जा रही है वो सटीक निशाने पर जा रहा है। उस कमरे मे उस बैठक में बाथरूम में जाकर सेटेलाईट फट रहा है। क्यों? यही डिजीटल सेटेलाईट के कारण उससे निशाना लगाके आदमी को मार रहे हैं मगर आपका फारेस्ट विभाग बोलता है कि भारत सरकार को जो डिज़ीटल सेटेलाईट है थोड़–बहुत अंतर आता है। कितना आता है सर? तो बोले कई कि.मी. आ सकता है, 100 मीटर आ सकता है, अपने कम्पनी को बचाने के लिए, अपने इसलिए बोल रहा हूं कि ये आपलोंगो को बहिन दामाद है ये, कम्पनी को बचाने के लिए आपलोग 100 मीटर 200 मीटर दूर बता दे रहे हैं, मगर इस जमीन को तो बता रहें है जो सट के है सीमा से लग के है, मेरा ये कहना है आपको मैं बता रहा हूं सर मेरा प्रार्थना है इस लोक सुनवाई को रद्द कर दीजिए अभी आप स्थगित कर दीजिए, इसकी परियोजना को सब दिन के लिए रद्द कीजिए और ये जो जमीन है या लीज की जमीन को निरस्त कीजिए यो जो इसने सिन्धु फार्म वालों से खरीदा है उसमें भी करोड़ों पेड़ है उसको भी रद्द कीजिए और ये वन विभाग को जमीन सौंप दीजिए, रायगढ़ के इतने नजदीक में ये पर्यावरण और ये वन, ये हरियाली जरूरी है। ऑक्सीजन लेना है, आप जांच करा लिजिए, रायगढ़ जो ये फैक्ट्रियों का प्रदूषण क्षेत्र है रायगढ़ शहर भी इसमें शामिल है। ये ऑक्सीजन का लेबल कम है। हम लोग 15–17 पॉन्ट ऑक्सीजन ले रहे हैं। पूरे इस वायुमण्डल में 21 प्रतिशत कम से कम होना चाहिए लेबल मगर हम लोगों को 15–17 मिल रहा है इसलिए यहां के लोग जल्दी मर रहे हैं, मैं भी मर जाऊंगा शायद। आपको मैं बता दूं इसने ई.आई.ए. रिपोर्ट में बताया है कि रायगढ़ नगर निगम को नहीं बताया है कि 17 कि.मी. दूर बता रहा है। अब किरोड़ीमल नगर पंचायत इसके अंतर्गत आता है। 10 कि.मी. के पर्यावरणीय क्षेत्र के प्रभाव में रायगढ़ भी आता है। रायगढ़ में उर्दना जो है रायगढ़ नगर निगम में वार्ड है, शहरी क्षेत्र है 10 कि.मी. इसके रेडियस में आता है, 10 कि.मी. प्रभाव क्षेत्र में, सघन इलाका है, अगर जो सघन इलाका है, सघन आवासीय ईलाका है उसका अध्ययन अवश्य होना चाहिए गांव के साथ–साथ, ये आठ जगह कर लेते हैं उसमे से एकाध नगर निगम क्षेत्र का क्यों नहीं करते? एक नगर पंचायत किरोड़ीमल नगर पूरा किरोड़ीमल नगर 10 कि.मी. के रेडियस के डायरे में है, इस प्रस्तावित परियोजना के, क्यों वहां पर अध्ययन नहीं करते? सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक कितने लोक नौकरी करते हैं, कितनी महिलाये हैं कितने पुरूष है क्यों जांच नहीं करते? क्यों ओ पकड़ में आ जायेगा, प्रदूषण से कितने लोग बीमार हैं। क्यों जांच नहीं करते आप लोग आपको बता दें ई.आई.ए. में दर्ज करना रहता है कि हवाई अड्डा कितना दूर है, ये हवाई पट्टी बताता है। जिंदल को जो लोग हवाई पट्टी बोलेंगे उपर वाला खुदा कभी मांफ नहीं करेगा, ओ हवाई अड्डा है हमारा मुख्यमंत्री आता है, सभी

लोग तो आते हैं वहां, हवाई अड्डा है हवाई चलते हुए वहां जाकर रूकता है। ओ हवाई अड्डा जो हेलीकॉप्टर उतर गया उसको पट्टी बोलते हैं। क्यों जांच नहीं करते 10 कि.मी. के दायरे में बताइये। हमारा पतरापाली गांव कितना सघन है जिंदल वाले रहते हैं वहां ओ भी नगर निगम क्षे.त्र में आते हैं भगवानपुर है, गोरखा है, खैरपुर है, तमाम गांव तो नगर निगम क्षेत्र में हैं। किरोड़ीमल नगर निगम म्यूनिसपल ईलाका है 10 कि.मी. की रेडियस में आय तो उसकी जांच करानी चाहिए। आपलोगों को बोलना चाहिए जांच करो। सघन इलाका है न आबादी का, सघन आवासीय क्षेत्र का अध्ययन अलग से करना चाहिए। ये नहीं करेंगे ये छोटे–छोटे गांव में करेंगे और वहां पंच सरपंच से दस्तखत करा लेतें हैं। हम आपको बताते हैं कोई भी परियोजना चाहे ओ अनुसूचित क्षेत्र में न हो पंचायत की अनुमति लेते हैं। आपको दिखाया पंचायत की अनुमति कैसे मिलता है पंचायत की अनुमति। क्या पंचायत ने बुला के बताया अपने गांव में, पंच सरपंच और सचिव आपके सरकारी कर्मचारी है ओ चुपचाप बना के दे देता है, भाईयों ये बात को नोट करों चुपचाप लिख कर दे देता है। बिना ग्राम पंचायत के, अनुमति के, कोई भी फैक्ट्री नहीं आ सकती, ये त[illegible] दे देते हैं एनओसी , ओ तो यहां पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट नहीं बना सकता और अनुसूचित क्षेत्र में तो ग्राम सभा, हम कहते हैं बात को ध्यान देगें, आदिवासी अनुसूचित कानून, 5वीं अनुसूचित जो हमारे संविधान में दर्ज है, ऐसा कानून ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, फैक्ट्रियों के अंदर और कलेक्टर के बंगले में कैद है, ये प्रावधान ये शक्तियां, और मैं फिर बोल रहा हूं स्थगित करिये बहुत से कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन कर रही है कम्पनी और नही तो हम आपको कोर्ट गें खिचाई करेंगे, थाने में रिपोर्ट दर्ज करेंगे। राधेश्याम शर्मा ने तो थाने में दर्ज कराया है आपलोंगो के खिलाफ अपराधिक कृत्य के खिलाफ जय हिन्द।

296. मोहर सिदार, शिवपुरी – हम लोगों को दबा के रख दिया जा रहा है। कंपनी बस जायेगा उसके बाद हमको पूंछने वाला कोई नहीं होगा। हम लोगों को पूछेगा कोई। हम लोगों को अपना अधिकारी दिजिये ना। हम लोगों का खर्चा कौन उठायेगा। चार, तेन्दू, महुआ सब ले रहे हैं कौन देगा। जरा सा पानी पी रहे [illegible] हम लोग उसको ले जा रहे हैं जमीन ले रहो हो जमीन देदो हमको। अगर कंपनी दे सकता है तो दे वरना ना ले यहां से। हमारा नाला है हमारा जंगल है हमको दे। हमारा जमीन हमहो वापस दे। यहां से हम लोग तेंदूपता ले रहे हैं कौन देगा। ये सबकुछ छिन ले रहे हो कंपनी बसा के यह सबकुछ देना होगा तभी आप कंपनी लगा सकते हैं।

297. रामेश्वरी, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

298. दिव्या गुप्ता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

299. रूपमति – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

300. सविता यादव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

301. लीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

302. भुवनेश्वरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
303. सरिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
304. योगेश्वरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
305. ईशिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
306. फुलमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
307. सुंदरमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
308. सुनीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
309. रूपधारी सिदार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
310. पूजा राठिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
311. अनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
312. मीरा बाई, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
313. फूलमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
314. सुशीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
315. पिंकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
316. नम्रता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
317. ललीता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
318. रत्नादेवी, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
319. फूलमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
320. आरती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
321. भारती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
322. शांति, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
323. सरिता, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
324. रेवती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
325. हीरा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
326. नंदकुंवर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
327. आर्यन चौहान, रायगढ़ – इस पर्यावरण के विषय में आप लोग जो जनुसनवाई है बहुत से ऐसे प्रावधान है जो नियम के विपरित हैं इस क्षेत्र में 50 से ज्यादा फैक्ट्री हो गये हैं और सौ फैक्ट्री में प्रदूषण हो रहा है। और एन आर के आने से और प्रदूषण होगा ऐसा प्रतीत होता है। इस एनआर उद्योग ने हमारे वक्ता ने ये बात बताया उस को पुनः बताना चाहूंगा वनभूमि पर कब्जा करके बैठा हुआ है। मैं ज्यादा बाते नहीं रखूंगा

मुख्य बातों को रखूंगा ईआईए के रिपोर्ट के मुताबिक अधिसूचना 2006 तथा सरकार एनआर के मध्य जमीन लीज की प्रावधान एवं शर्तों के अनुसार एक भी पेड़ काटना नहीं है पर इन्होने लाखों पेड़ काट चुके है जो नियम के विपरीत है। इस कंपनी को पानी की आवश्यता है पानी कहां से आयेगा भूमि छेदन करेगा क्या करेगा इस बात की पुष्टि अभी तक इन्होने नहीं बताया। इस क्षेत्र में 60–62 गांव इस उद्योग से प्रभावित है। गांव में कहीं भी ईआईए का रिपार्ट को नहीं दिया गया है। पर्यावरण अधिकारी यह बात जनता को बताये की पर्यावरण में क्या आवश्यक है यह बतानी चाहीये। कल 22 तारीख को पर्यावरण ऑफिस के सामने पूजा साहू ने धरना देकर के आप कहां थे कहां गायब हो गये आप ने उसे नहीं बताया लेकिन वह पूजा ने यह बात बताई की उसने करीबन 3 माह पहले एक लिखित शिकायत दर्ज कराया था पर्यावरण अधिकारी को उसके संबंध में आज तक कोई कार्यवाही नही किया गया है। मैं पर्यावरण अधिकारी का विरोध करता हूं जो ये जनसुनवाई करा रहे हैं इसको तत्काल निरस्त करें इन्हीं बातो के साथ मैं अपने बात को समाप्त करता हूं। जय हिन्द जय भारत।

328. रामेश्वर सिदार, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
329. रमादास, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
330. पुनीमती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
331. शांतिमति, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
332. सुमित्रा, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
333. नाला पटेल, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
334. पुनमदेवी, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
335. सुखमेंत, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
336. लक्ष्मी, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
337. सावित्री, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
338. यादमती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
339. विमला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
340. रेखा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
341. सुषमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
342. विद्यामती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
343. पुनाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
344. साधमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
345. सागरबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

346. भारती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

347. बालमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

348. रत्ना – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

349. विमला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

350. आसमती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

351. देवती, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

352. मालती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

353. तुलेश्वरी, बरपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

354. संगीता, बरपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

355. सुनिती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

356. सोनमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

357. कुमारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

358. कमला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

359. पद्मा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

360. फूलमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

361. लक्ष्मीन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

362. सुरेखा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

363. दशमती– मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

364. जयंती सिदार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

365. धनमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

366. रामलीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

367. कमला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

368. अनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

369. सुशीला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

370. नवरोत्तम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

371. घुरमेत – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

372. गंगा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

373. सोहन लाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

374. सुखराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

375. सेत अघरिया – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

376. सदानंद, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

377. प्रताप, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

378. गुड्डू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

379. बालकराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

380. मुकेश, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

381. रोहित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

382. सहितराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

383. पुनिराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

384. प्रेमकुमार, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

385. डी.पी. पटेल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

386. सुखीराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

387. शंभु – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

388. वेणुधर – प्लांट के आने से लाभ बताना चाहता हूँ। गांव में स्ट्रीट लाईट लगाया गया है, कंपनी द्वारा मदद किया जाता है। मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

389. मुकेश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

390. अरूण कुमार, बरपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

391. संजय, रेगड़ा – अपने आस–पास में बहुत सारे प्लांट है सब सही है अपने जगह में बाकी हम जहां रहते है वहा के तालाब में नहा नहीं पाते है। जिस रस्ते में जाते हैं उस रास्ता पर पूरा किचड़–किचड़ कहां पर हम लोग जायें ठीक है प्लांट लगेगा तो हमारे भाइयों को रोजगार मिलेगा नहीं मिलेगा लेकिन कहां पर मिलेगा हम ग्रेजुएशन किये है बीएससी, एमएससी करके बैठे है नेशनल लेबल प्लेयर है खेल कर बैठे हैं शिवशक्ति, शाकम्बरी जाते हैं बोलते है कल आना, परसो आना। मैं जनजाती से बिलॉन्ग करता हूं हमारे झारखण्ड में इतने अभी पेड़ पौधे कट गये कोई ध्यान दिया। यहां आदिवासी बहुत है गेरवानी, लाखा ओ 10वीं. 12वीं पढ़ कर छोड़ देते है महुआ बिनना रहता है, डोरी बिनना रहता है, तेल, महुआ, साग, सब्जी ये सब उगाना रहता है आज के डेट में कम से कम साल से ज्यादा नहीं जी रहे हैं हम इसका रिजन क्या है ये सब प्लांट हैं यहा पेड़–पौधा काट दे रहे है। मैम मैं आपसे बस यहीं पूछना चाहता हूं आप भी फैमिली से बिलॉग करते हैं आप भी कहीं निकलेगें घुमने के लिए तो आपको भी लगेगा न की मैं भी बहुत अच्छे वातावरण में घुमुं वहीं वातावरण हम भी चाहते। प्लांट लग जाये उससे कोई दिक्कत नहीं है वहां पर लेकिन वहां के आस–पास का वातारण को कंट्रोल करके रखना चाहीये ना। जनसुनवाई का मतलब क्या है

इन सबका निराकरण करना रहता है ना इसका निराकरण कौन करेगा आप लोग करेंगे न किससे क्वेस्चन करेगें हम आप लोग तो चले जायेंगे ना समर्थन और विरोध का परिणाम कौन देगा। आज आप दिनांक 23.10.2024 को 5 बजे तक आप बैठेंगे फिर हम आवेदन लेकर जायेगें की हमारा पेड़ कटिंग हो रहा है। रजिस्ट्री कराते हैं तो नहीं हो पाता है। मिलते हैं कल आना बोलते है 5000 पैले लेकर आना बाबू के पास मिलते है तो बाबू बोलता है अलग से लगेगा हम भूमि स्वामी है पेड़ कट जाता हैं। आप तो जनता का सुनने के लिए है न। ये सबका निराकरण आप कर देते हैं तो हम समर्थन देते हैं इसका निराकरण कौन करेगा इसका जवाब लिखित में दे दो या मौखिक दे दो मौखिक में दोगे तो कल के डेट में भूल जाओंगे आप। इसके संबंध में विरोध है हम लोगों का। आप लोग आराम से ए.सी. में रहते है, ए.सी. में आते–जाते है लाल बत्ती गाड़ी तो मिलेगा ही। हम लोग जाते हैं रास्ते में कितना ट्रक मिलता है अभी तो बरसात के समय में जाते हैं तो बीमार पड़ जाते है तो डॉक्टर के पास जाते हैं तो डॉक्टर बोलता है अभी लंच हो गया इसके बाद आना यह रियल बात है। हम मेडिकल कॉलेज जाते है और बोलते है लंच में है डॉक्टर साहब बाद में आना इसके संबंध में विरोध है। फिर तहसील ऑफिस जाते है तो 10.30 बजे आते हैं हम लोगों का दिल तो यही है न गुजर गुजर के खत्म हो जाता है। इसके संबंध में हम विरोध करते हैं।

392. नवाप्रसाद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

393. बोधराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

394. पुनीराम, बरपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

395. रमेश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

396. मनोज – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

397. संतोष प्रधान – हमारा जो एन.आर. इस्पात है ये बहुत अच्छा है। जो जायेगा उनके बातो को सुनने के लिये तैयार रहते है। ये उद्योग को समर्थन करके पास किया जाये। हम यहा के है हम विरोध नहीं किये है और बाहर वाले आकर विरोध कर रहे है। वो मोदी और राहुल को जाकर बोले। जनसुनवाई है हम जो बोलेंगे आपको सुनना है। इसको समर्थन करके स्वीकृत किया जाये।

398. राजकुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

399. रामदयाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

400. रूपेन्द्र – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

401. विजय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

402. रामलाल, बरपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

403. व्यक्ति के द्वारा नाम नहीं बताया गया – मैडम मैं रायगढ़ से एक छात्र हूं सबसे पहले प्रथम जो छात्र की जो समस्या होती है। वो होता है अच्छा कॉलेज उसके बाद रोजगार क्या ऐ जो फैक्ट्री लग रही है। इसके

पूर्व में ये काम कर चुके इनके पास बहुत सारी फैक्ट्रीज हैं क्या इन्हाने ने किसी के लिए भी रोजगार मेला लगाया। क्या सरकारी कॉलेजों को फंड दिया क्या सरकारी स्कूलों को समर्थन किया उनके लिए कुछ किया कुछ नहीं किया ये सब तो कॉमन सी बात है। रास्ते में दो तीन लोगों का एक्सीडेंट हो गया बड़ी–बड़ी ट्रकें चलती है लगातार एक्सीडेंट होती है। जल प्रदूषित हो चुका है आज अधिक से अधिक जितने भी कैंसर पेसेन्ट्स हैं उनकी एवरेज एज कम हो गई है जो दमा पेसेन्ट्स है उनकी एवरेज एज कम हो गई है क्यों क्या कारण है। और आप कई लोग बोल के गये हैं कि फैक्ट्री नहीं लगेगा तब तक रोजगार नहीं मिलेगा। यूरोप में भी फैक्ट्री लगती हैं बाहरी देशों में फैक्ट्री लग रहीं हैं उधर क्यों ये सब नहीं बड़ रहा क्या कारण है ये स्थिति केवल हमारे भारत देश में क्यों हो रहा है क्यों लगातार बीमारीयां बड़ रही है क्यों लगतार रोड में आम इंसान भेंड़ बकरियों की तरह मारा जाता है। क्या कारण है। मैं पीजी करके आज बैठा हूआ हूं लेकिन आज मेरे हाथ में नौकरी नहीं है क्यों नहीं है बाहर से लेबर इम्पोर्ट करते हैं सस्ते दामों में बाहरी लोगों को रखते हैं यहां के लोकल लडके कहां जायेंगें ओ तो काबिल नहीं रहते हैं [illegible] मजदूरी करते हैं गार्ड की नौकरी करते हैं। एम.एस.सी., एम.ए. करके सोसियोलॉजी करके, एम.एस.सी. करके बच्चे यहां भटकते रहते हैं। रोजगार की स्थति हमसे आपसे बेहतर और कौन जानता होगा की इसकी स्थिति क्या है। बहुत सारी बातें हैं अगर चाचा की बातों को जोड़ दिया जाये। कितने सारे क्लॉज को तोड़ दिया है मरोड़ दिया है इन्होने जयंत बहिदार जी के बातों को अगर देखा जाये कितने सारे क्लॉज को तोड़ा मरोड़ा है इन्होने क्यों किसलिये अगर हो क्लॉज को फॉलो करते तो हो सकता है शायद कुछ फायदा हो जाता आम जनता का कुछ फायदा हो जाता हमारे छात्रों का रोजगार पाते ओ कुछ फायदा हो जाता पर्यावरण को अगर क्लॉज को फॉलो करते। क्लॉज अगर कानून बना है तो उसका कारण क्या है कारण यही है न की फायदा हो उसमें आम जनता को लेकिन ये हो नहीं रहा है। जब ये तोड़ेगें मरोडेंगे जब ये पैसा देंगें लोगों को खरीदेंगें अधिकारियों को खरीदेंगे तो देश का क्या हाल होगा। मैं इसके पहले जनसुनवाइयों में ये बेसिक मुद्दा रहा है जो युवा पीढ़ी है बहुत नाइंसाफी हो रहा है उसके साथ चाहे ओ रोजगार हो चाह ओ बीमारी हो चाहे कुछ भी हो। यहां पर जो बच्चे बोलकर गये हैं ओ छात्र हैं की हम समर्थन करते हैं ठीक है उनका खुद का अपना विचार है जो भी है लेकिन ओ अपने भविष्य को नहीं देख रहे हैं औ यह नहीं देख रहे हैं कि यदि आने वाले समय कैंसर हो जायेगा तो कौन बचायेगा हॉस्पिटल भी खोल के नहीं दे पाये ये लोग क्या प्रोफेसर की नियुक्ति करवा पायेंगें ये लोग ये सब चीजें सिर्फ दिखावा बनके रह गई हैं ये जनसुनवाई और ये बाकी सब चीजें सब बेफीजूल हैं इसका कोई मतलब नहीं रह गया। अगर आज इस जनसुनवाई को निरस्त नहीं किया जायेगा तो सब नष्ट हो जायेगा यही अर्थ निकलेगा कुल मिलाकर की जबतक एक एक्जाम्पल सेट नहीं होगा ओ आपके ऊपर है आप पर डिपेंड करता है की हां भाई ये गलत हो रहा है की कानून क्लॉज इतने सारे पेड़ कटे हैं। जयंत बहिदार जी बता रहे थे की अभी

लाखों पेड़ कटे हुए हैं उसके बावजूद भी कई वक्ता ये बाते बोलके गये हैं कि लाखों पेड़ कटे हैं। कानूनी प्रावधान है कि एक पेड़ काटेंगे तो दूनिया भर के प्रावधान लग जाते हैं लेकिन वह आम लोगों के लिए प्रावधान है फैक्ट्रीयों के लिये नहीं है क्यों प्रावधान नहीं है आप से हांथ जोड़कर निवेदन करता हूं विरोध भी करूंगा तो गांधीवादी तरीके से और हाथ जोड़कर निवेदन करूंगा आप लोगों से की इस जनसुनवाई को तुरंत निरस्त किया जाये क्यों कि इसमें किसी का भला नहीं होने वाला है जनता को तो बिल्कुल नहीं होने वाला है। इसलिये आप सब लोगों से निवेदन है कि इस जनसुनवाई को निरस्त किया जाये।

404. कौशल मैत्री – यहां पर जितने भी युवक बोल कर गये है समर्थन है उनको पैसा मिल गया है। जो पैसा मिल रहा है जमीन के एवज में उसको कितना दिन चलायेंगे।

405. आरिफ हुसैन – आज जनसुनवाई को निरस्त नहीं किये तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। आप लोग केवल दलाली करने के लिये बैठे है। निरस्त नहीं होता है तो आपके ऑफिस में ताला लगायेंगे पर्यावरण अधिकारी।

406. मनीष भोय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करते हैं।

407. हुसैन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करते हैं।

408. बलराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करते हैं।

409. आरिफ अहमद – विरोध करता हूँ क्योंकि प्लांट लगाये लेकिन गेरवानी में सबसे ज्यादा अस्पताल की आवश्यकता है। यहा स्कूल की आवश्यकता है ये सब चिज में प्लांट ध्यान दे। यहां के लोग जंगल से कमाते है उसको ना छिने। विरोध करता हूँ।

410. मनीष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करते हैं।

411. देव चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करते हैं।

412. राधे, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

413. अहिल्या, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

414. सुलोचना – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का संमर्थन है।

415. लताकुमारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

416. माधुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

417. प्रमिला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

418. रसमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

419. तिरथमती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

420. संतरा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

421. मनीषा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

422. पद्मा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

423. कुमुदनी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

424. अनिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

425. पिंकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

426. शांति – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

427. ममता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

428. लक्ष्मी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

429. लता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

430. रसमिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

431. प्रेमशिला – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

432. लता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

433. केरा चौहान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

434. रामवती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

435. खीरसागर मालाकार, तराईमाल – आदरणीय मंच, मंच पर आसीन पीठासीन अधिकारी महोदया उपस्थित युवाजन और क्षेत्रीय जन आसपास के गांव 10 किलोमीटर रेडियस से आये हुए मेरे युवा साथियों पंडित जी और पुलिस प्रशासन आदरणीय एसडीएम महोदय सभी को मैं खीरसागर मालाकार तराईमाल निवासी सादर अभिनंदन करता हूं इस मंच पे सभी का स्वागत करता हूं। आज की जनसुनवाई एनआर एण्ड पॉवर लिमिटेड, शिवुपरी जिसके निर्देशक माननीय विजय अग्रवाल जी हैं। उनके नेतृत्व विविध इस्पात संयंत्रों की स्थापना हेतु पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय छत्तीसगढ़ के निर्देश में टी.ओ.आर. संदर्भ की शर्तें के परिपालन के लिए एक हिस्सा है और इस जनसुनवाई के मंच को तैयार किया गया है ताकि प्रशासन परियोजयना एवं क्षेत्रीय लोगों के बीच में परियोजना के संबंध में तारतम्य हो सके ये आज का सब्जेक्ट है। सब्जेक्ट से भटके के थोड़ा यहां युवा साथी हैं कुछ लोग बोल रहे थे मैं विद्यार्थी हूं करके विद्यार्थी का जीवनशैली में सर्वोच्च स्थान अनुशासन का होता है जिनके मुंह से सुना मैं विद्यार्थी हूं करके एक प्रतिशत मात्रा अनुशासन का नहीं था जो विद्यार्थी बोल रहे थे आज हमारे कलेक्टर महोदय के विषय में टिका टिप्पणी कर रहे थे कार से आते थे लाल बत्ती टीऊं–टीऊं वाले लेकिन वह यह नहीं सोंच रहे हैं अनुशासन में रहकर जो बच्चा बैठा है जो लाल बत्ती में टेऊं–टेऊं करते जिला मुख्यालय रायगढ़ से यहां तक आया हैं वो रात दिन करके कितनी पढ़ाई की होगी अगर यहां पे यहां पर यदि कुछ ऐसी प्रतिबद्धता न हो तो मैडम यहां पर मैं यह पूछंगा की मैडम आप कितने घंटा पढ़ती थी बताईये मैं चाहूंगा आप बतायें 12 घंटा पढ़ती थी अनुशासन में रहके मैडम के लिए जोरदार तालियां मेरा एक लड़का है 13 साल का मेरे भाई का

लड़का है 14 साल का अभी 10 वी में मेरे भाई का लड़का भाई बैठा है दसवी में 99.8 अंक प्राप्त किया हुआ है ये अनुशासन के चक्कर में हम लोग लड़के को बोलते थे तू 8 घंटा पढ़ लेकिन अनुशासन में तू अगर 25 घंटा है तो 25 घंटा सपना में भी तेरे न विकृति नहीं आनी चाहिये पिता है पालक है अनुशासन में रहे वह विद्यार्थी है न कि बटन खोल के मंच पर रहे और जितने लोग मेरे को आके बोल रहे हैं कि नौकरी चाहीये नौकरी का अर्थ बता रहा हूं माने मेरे दादाजी सिखाये थे नौकरी याने नौकर जो उंगली सीधा नहीं कर सकते जो झूकी होनी चाहीये उसको नौकरी बोलते हैं जो आदमी नौकरी के इच्छुक हैं अगर अपने आत्म स्वाभिमान से जीना चाहते हैं तो नौकरी की तरफ रूख न करके एन आर इस्पात मिस्टर विजय अग्रवाल की तरफ रूख करें और उद्योगों की तरफ रूख करें छोटे उद्योग लगायें और चना जो बेचता है रोड पर जो एक ट्रैफिक के सामने चना ले लो चना ले लो करके उसका स्वाभिमान जिंदा हैं। मै यहां युवापीढ़ी को बोलना चाहूंगा की युवा देश के विकास में नौकरीं, नींव की आधार नहीं है व्यापार नींव की आधार है। आदरणीय अपर कलेक्टर मैडम पर्यावरण विभाग के हमारे अधिकारी बैठे हैं आपको ठेस नहीं पहूंचना चाहिये मैडम आपको बताना चाहूंगा यह उद्योग व्यापारों की आय के स्त्रोत हैं जिनको हम लोग टैक्सेस बोलते हैं टैक्सेस से आपका मेरी पत्नी का महतारी वंदन योजना तक प्रभावित होता है इस बात पर मैं मंच से तालियों से प्रोत्साहन चाहूंगा। मैं कोई निजी समर्थक नहीं हूं फैक्ट्री न ये फैक्ट्री के ऑनर हैं विजय अग्रवाल जी मेरे पिताजी के बड़े भाई नहीं है। मैं इनके क्रेडिट एकाउंट में नहीं आया हूं मैं एक क्षेत्रीय आदमी हूं जो आदमी यहां पर उंगली करके बोल रहा है कि हॉस्पिटल नहीं खुला है नहीं खुला है ओ पहले त्याग क्या होता है मैं बताना चाहूंगा आपको इसका वर्णन आज से लगभग 05 वर्ष पूर्व जब कांग्रेस की सरकार थी यहां के चक्रधर सिंह जी आदरणीय चक्रधर सिंह जी एनएसयूआई के कुछ सदस्य बैठे थे मेरे साथ में गये और बहुत जद्दोजहद किये की तराईमाल में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुल जाये तो हम लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के एक उच्चाधिकारी के पास गये ओ बोले की आपका सराईपाली 09 कि.मी. के अंदर में है आपके यहां नहीं खुल पायेगा जिसके लिए खेद है तराईमाल की आबादी यहां 10 हजार से ज्यादा है मैं संजय अग्रवाल जी के पास गया जो विजय अग्रवाल जी के बड़े भाई हैं मैं उनको ये सारी बातें रखी संजय भैया और विजय भैया ये बात किये की आप जमीन मुहैया करवाइये हम हॉस्पिटल बनायेंगें उस परिवार का सबसे छोटा लड़का जो शुभम् अग्रवाल उसने कहा कि भैया 04 बेड नहीं बल्कि 15 बेड का हॉस्पिटल खोलेंगें छोटे बेटे की हृदय की बड़प्पन देखो की लेकिन जमीन कहां से मिलेगा मै। और मेरे भाई मेरे परिवार के लोग यहां पर है तराईमाल के मालाकार परिवार है आते है हम लोगों के पिताजी लोग बहुत ज्यादा जमीन छोड़कर गये थे हमने कहा कि इस जमीन को अगर बेचने जायेगें तो कम से कम 5–7 करोड़ रहेगा हमारे परदादाओं ने बहुत दान किया आज हम इसको दान में देते है और इसे हॉस्पिटल खुलवाते हैं ये हमारे परिवार की त्याग हुई और इनकी बड़प्पन हुई की इन्होने

15 बेड का हॉस्पिटल मुफ्त में कोई भी आदमी जाता है उसके लिए वहां 24 घंटा इलाज मुहैया कराती है। यहां आज क्षेत्रीय व्यक्ति खीरसागर मालाकार ये जानकारी दे रहा है जो उस प्रभावित क्षेत्र में इनके हॉस्पिटल से लाभ उठा रहा है। गरीब से गरीब आदमी वहां पर इलाज के लिए जाता है और मुफ्त में इलाज करवा के आता है ये होता है सच्ची प्रशंसा नारेबाजी करने से प्रशंसा का महत्ता नहीं है त्याग की बात करेंगे आप सब लोग मैं मुद्दे नहीं हूं उसके लिए क्षमा चाहूंगा। आज मंच सजाया हुआ है पर्यावरण स्वीकृति के लिए लेकिन कुछ हृदय में ठेंस पहंची है आज की युवा पीढ़ी नव जवान यहां भटक रहे हैं उनके परिजन बधु बांधव के मार्गदर्शक नहीं रहते हैं तो ये त्रुटियां आ जाती हैं। आज मैं बड़े भाई होने के नाते एक सही मार्ग दिखाना चाहूंगा कि मैडम की तरह 12 घंटे नही तो कम से कम 11 घंटे पढ़ाई करें आप सब लोगों से विनती है किसी को ठेस पहुंची होगी तो मैं माफी चाहूंगा। अब आता हूं मैं सब्जेक्ट में पर्यावरण स्वीकृति एन आर उद्योग, उद्योग अपने विभिन्न उपकरण लगा रही है बहुत लंबे चौड़े इनके उद्यम हैं उद्यम में हजार 15 सौं आदमियों को रोजगार मिलेगा जिसमें क्षेत्रीय ज्यादा रहेंगें। एनआर में हमारे जी काम करते हैं इससे पहले और कोई प्लांट में काम करते थे तो बोलते थे की एनआर फैक्ट्री में पैसा भी ज्यादा है काम का टेंसन नहीं है और एनआर उद्योग की घर जैसा व्यवहार है इसलिये मैं एनआर पे जाना चाहा और सभी मुहैया है दीदी इलाज के लिए जाती है। और भी लोग काम करते हैं मेरे पास कपड़े का दुकान है तो आते रहते हैं मैं पूछता रहता हूं कौन से उद्योग में काम करते हो करके तो बोलते हैं की एनआर क्योंकि एनआर वाला पैसा देने में आनाकानी नहीं करता है। मेरे विचार से एनआर वाला कोई चोर नहीं है कोई गलत आदमी ही मंच के माध्यम से उन्हे गाली देगा। मैंने गूगल किया, यूट्यूब किया शौचालय में भी सोंचा की उद्योग की जरूरत क्यों है एनआर वालों के पास इतना धन है, इतनी प्रोपर्टी है तो इनको उद्योग की क्या जरूरत है। इनके पास दो दो उद्योग है इन लोग उद्योग हवसी हैं क्या करके या उनका परिवार बढ़ रहा है इसलिये उद्योग खोल रहे तो मैने गूगल मारा तो कुछ लिटरेचर आया चौंथी क्लास का सुन कुछ देर 15 मिनट उद्योग की आवश्यकता अपनी आलमारी भरने में नहीं है उद्योग की आवश्यकता क्षेत्रीय लोगों को रोजगार दिलाने और आज चाहे किसी का भी शासन रहे चाहे कांग्रेस का रहे चाहे बीजेपी का विभिन्न दलों में आस्था रखने वाले व्यक्ति यहां पर मौजूद हैं कोई एक पार्टी को मैं टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। हमारे देश की जनसंख्या आज 80 करोड़ से 150 करोड़ है अप्रॉक्सीमेटली पहुंच गई है ये सब लोगों को रोजगार दिलाने में क्रेडिट एकाउंट है इन सब उद्योगों के लिए जोरदार तालियां। उसमें मैं और पढ़ा की उद्योगों की आवश्यकता मनुष्य की जी आवश्यकताएं है वो असीमित है और कोई सब्जेक्ट में पढ़ा था की आवश्यकता आविष्कार की जननी है आज हम जैसे कोई घर बनाते हैं मेरा निजि मत है की जब मेरे बड़े भैया का घर बना तो मेरे मन में भावना आई की मेरा भी घर पक्के का होना चाहीये। उसके लिए सरिया की आवश्यकता पड़ी तो सरिया यदि विदेशों से आयात होती है निश्चित ही 200 रूपये किलो होती

सरिया की तो इन्हीं लोग हैं जिनके द्वारा पिछड़ी क्षेत्रों में उद्योग लगाके तो रेट का जो अंतर है इन्ही के द्वारा है तो उद्योग जो है पिछड़े वर्गों में खुल रही है। इसका मतलब पिछ़ड़े वर्ग के लोगों के लिए सहायक है। एक और पढ़ा की उद्योग की एक नीति है की उनके आय में ऐसा नहीं है कि उद्योग अपनी आय को आलमारी में नहीं रख रहें हैं उसमें एक अवरोध है गतिरोध है जिसको सीएसआर बोलते हैं। सीएसआर मतलब पब्लिक रिस्पांसबिलिटी होता है जिसके तहत् स्थानीय लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार उपलब्ध कराना जो उसमे अपनी आमदनी का कुछ हिस्सा है जिला प्रशासन के माध्यम से ये मुहैया कराते हैं हम क्षेत्रीय वासियों को ताकि मूलभूत सुविधाऐं प्रदान हो सके जो कि मैं पंचायत का प्रतिनिधि हूं पिछले 10–15 सालों से पंचायत के क्रियान्वयन को देखते आ रहा हूं। पंचायत में उतना पैसा नहीं रहता की हम गली नालियों का निर्माण कर सके और मन चाहे काम कर सके तो निर्माण कार्य में उपयोग हो सके जितने भी यहां पंचायत प्रतिनिधि बैठे हुए सब तालियां बजायेंगें सीएसआर मद से खर्चे करते हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी अभी यहां बंजारी मंदिर आये थे अभी यहां उन्होने तराईमाल के विविध रोड़ों के लिए शिलान्यास हुआ शिलान्यास में हमारे पंचायत प्रतिनिधियों का नाम लिखवाया हम लोग नाम नहीं चाहते काम हो जाये उद्योगों के माध्यम से इतनी हामरी इच्छा रहती है। ई.आई.ए. में इन्होने क्षेत्र के मूल्यांकन के बारे में दिये है जैसे उद्योग अपना दायित्व निभाती है उसी तरह हम लोगो का छबि दिखना चाहिये। प्लांट वाले हमारे उपर बहुत अहसान किये है हास्पिटल का निर्माण कराया गया है, रूपेन्द्र पटेल हास्पिटल का उन्नयन कराया गया है, गांव में कैंप लगाया जाता है, पेय जल की व्यवस्था कराई गई थी, प्राथमिक शाला के बच्चों के लिये बेंच और टेबल की व्यवस्था करेंगे कहा गया है, धार्मिक क्षेत्र में भी व्यक्तिगत मदद करते है, बंजारी मंदिर में 30 लाख का शेड लगवाया है। एडीएम मैंडम के द्वारा कहा गया कि आप पर्यावरण के मद्दे पर बोलिये सीएसआर के विषय मैं यह बोल रहा हूं मैं एक सामाजिक प्रतिनिधि हूं इसलिये मैं इसको बोल रहा हूं क्योंकि ये सारे मैने करवाया है। एनआर ग्रुप द्वारा निर्धन कन्या विवाह जैसे जिसके पिता नहीं है जो हादसा में खत्म हो गये तो इनमें ये सब विशेष रूचि दिखाकर निर्धन कन्या विवाह में अपनी बेटी समझ के सारे चीज करवाते हैं अभी–अभी इन्होने 200 पौधे भी स्कूल के चारों तरफ लगवाये थे और विविध काम करवाते रहते हैं इस टाइप से उद्योग आते रहें और विकास होते रहे क्षेत्र का मैं सभी को कहना चाहूंगा अपना निजी विकास चाहते हैं तो अनुशासन में रहें अनुशासन ही व्यक्ति के निजी विकास का एक मार्ग है। और इसी के साथ मैं उद्योग का जोरदार तालियों से अभिनंदन करना चाहूंगा फैक्ट्री के क्षमता का विकास होते रहे धन्यवाद।

436. प्रियांशु – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

437. कान्हा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

438. उमेश यादव, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

439. लक्की यादव, – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

440. उज्जवल कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

441. शिवम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

442. ईश्वर, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

443. उमेश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

444. सूरज नायक, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

445. राकेश साहू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

446. देवकुमार, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

447. कमल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

448. शुभम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

449. राकेश कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

450. कृष्णा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

451. कुणाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

452. आयुष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

453. नवीन, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

454. ललित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

455. टेकराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

456. विकास – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

457. सुमित, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

458. चौराराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

459. तेजचरण – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

460. करमू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

461. गोविंद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

462. राहुल कुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

463. फिरतराम – समस्या को हल करने के लिये निवेदन करता हूँ। मालाकार का धन्यवाद। बोधराम सिदार भी जनसुनवाई में बहुत कुछ लेकर आते है।

464. प्रतिष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

465. राहूल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

466. सुमित कर्ष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

467. आशिष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

468. मनोहर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

469. साहिल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

470. पुष्पक – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

471. बोधराम भोय – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि पर्यावरण पर ध्यान देते है।

472. बोधकुंवर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

473. राजू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

474. साजल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

475. विक्रम, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

476. प्रकाश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

477. धीरज – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

478. अविनाश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

479. गणेश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

480. महेन्द्र – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

481. श्रवण सिदार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

482. अरविंद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

483. सुभाष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

484. राजा पटेल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

485. उमेश, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

486. रवि साहू – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

487. देवदास – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

488. रोशन पटेल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

489. मनीष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

490. रोहित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

491. संतोष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

492. सुशील – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

493. सोनू, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

494. सत्यनारायण – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

495. शिव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

496. कृष्णा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

497. निरज यादव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

498. शैलेन्द्र – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

499. सूरज – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

500. अंनुज – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

501. कृष्णा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

502. मोहन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

503. सहित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

504. यशपाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

505. शुभम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

506. अभिषेक – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

507. सुनील – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

508. रूपेश, तराईमाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

509. धनुराम, सराईपाली – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

510. शुभम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

511. संतोष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

512. वैभव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

513. देव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

514. कन्हैया, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

515. जशपाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

516. अमित – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

517. राजेश त्रिपाठी, जनचेतना रायगढ़ – सम्माननीय पीठासीन महोदया, सम्माननीय पर्यावरण अधिकारी, सम्माननीय सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, हम सब की व्यवस्था के लिए लगे पुलिस एवं अधिकारी कर्मचारी गण उद्योग जगत के समस्त कर्मचारी सबसे महत्वपूर्ण है ई.आई.ए. को बनाने वाली कंपनी जो कंसल्टेंसी है उन सभी का हार्दिक अभिनंदन सर जब से जनसुनवाई हो रही थी तो जिस तरीके से लोग तो यह पर्यावरणीय आकलन रिपोर्ट के संबंध में पर्यावरणीय जनसुनवाई हो रही है परंतु यहां ऐसा लग रहा था जैसे यह लोकसभा और विधानसभा का चुनाव चल रहा है कि बीजेपी कांग्रेस और समर्थन विरोध जो कि वास्तव में जब पर्यावरणीय आकलन की बात करते हैं तो यह क्रिटिक ईआईए है चलित

ईआईए है जो कंपनी के कंसल्टेंट ने अपने अनुभव और अपने अध्ययन के दौरान जो चीज पाया उनको अपनी ईआईए में उन्होंने लिखा, और अध्ययन किया और जनसुनवाई के माध्यम से जो चीज छूट गई या तो कहीं गलत लिखित हुआ उनको आम जनता के बीच में करेक्ट सही करने के लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई होती है। और उसके लिए सरकार के एक निर्धारित मापदंड है जो केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर 2006 में स्पष्ट है की जो पर्यावरणीय अध्ययन रिपोर्ट है हमारा वह 10 किलोमीटर के क्षेत्र में उसका उसे क्या प्रभाव पड़ेगा जल, जंगल, जमीन, जीव और जानवरों पर। और यह जो जल, जंगल जमीन है यहां किस–किस तरीके के जंगली जानवर है, पशुधन किस तरीके से हैं वहां कौन–कौन सी नदियां हैं, नाले हैं उस पर किस तरीके से प्रभाव पड़ेगा यह इसका एक तरीके से आकलन है और इस आकलन पर अपनी बात रखने का यह मंच है। मैडम से किसी ने पूछा इस पद पर अपने आने के लिए कितनी घंटे पढ़ाई की तो मैडम ने बोला 12 घंटे। मैं भी इस ईआईए को शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को लगभग 14–16 घंटे पढ़ा। क्योंकि अभी पिछले महीने यहां और जनसुनवाई हुई थी और कल भी एक जनसुनवाई है दोनों के कंसल्टेंट एक ही है और दोनों का ईआईए एक ही कंसलटेंट ने बनाया है तो मैंने कहा तीसरी ईआईए को देखता हूं जो दूसरे कंसलटेंट ने बनाया है और इसी जगह में इसी एरिया में जनसुनवाई हुई थी रायगढ़ इस्पात एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड की और मैंने सोचा कि दोनों के तुलनात्मक अध्ययन में अंतर क्या है? आज की जनसुनवाई के गांव की लिस्ट दी है कंसलटेंट ने जो 10 किलोमीटर की रेडियस के अंदर में उसमें 61 गांव है और रायगढ़ इस्पात की ईआईए में देखा जाए तो 23 गांव है। और अच्छी बात है कि उन्होंने इतना वृहद अध्ययन किया परंतु यहां से अगर और क्षेत्र देखा जाए वायु मार्ग के माध्यम से तो दोनों ईआईए में उर्दना पुलिस लाइन गायब है जो कि वह नगर निगम क्षेत्र है और नगर निगम क्षेत्र का जो अध्ययन किया जाना चाहिए जैसे जिंदल का एयरपोर्ट तो है, केराझार गांव तो है परंतु राम झरना गायब है और उनके नक्शे में देखा जाए तो राम झरना दिखता है। और दूसरी बात यह कही गई कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के जंगली जानवर नहीं पाए जाते और मैं भी इस क्षेत्र में 32 सालों से 365 में से 300 दिन घूमता हूं, किसी न किसी गांव में किसी न किसी क्षेत्र में। अभी छत्तीसगढ़ के अंदर 104 हाथी मारे गए हैं अलग–अलग जिलों में जिसमें हाथियों की सबसे ज्यादा मौत रायगढ़ जिले में हुई है और हाथियों के द्वारा जो सबसे ज्यादा लोग मारे गए वह भी रायगढ़ जिले के अंदर मारे गए हैं और हाथी है नहीं। यहां से 6 से 8 किलोमीटर दूर समरुमा गांव के आगे घरघोड़ा जाते समय एक 25 लाख का एलीफेंट टावर वॉच बना है और एक एलीफेंट टावर वॉच जो है वह तमनार जाते वक्त पड़ेगा वह भी 25 लाख का है और मैंने सूचना के अधिकार में 2022 में रायगढ़ में वन मंडल अधिकारी से सूचना के अधिकार में मैंने पूछा विगत 5 वर्षों में हाथियों द्वारा पहुंचाई गई क्षति का मुआवजा राशि कितना दिया गया? तो रायगढ़ जिले में 4 करोड रुपए हाथियों पर क्षतिपूर्ति राशि 2022 तक दे दिया गया था और मजे की बात है

जो गरीब थे, राजनीतिज्ञ नहीं थे, जिनके घर के लोग पढ़े–लिखे नहीं थे उनकी जमीन का मुआवजा 4 रूपये से लेकर 20 रूपये था। वहां की राजनीतिक, पढ़े–लिखे, बड़े लोग थे उन्हीं के जमीन के बगल में 4000 रूपये प्रति एकड़ भी था। मैं अध्ययन करने के बाद डीएफओ साहब से पूछा पांडे साहब थे, मैं बोला सर यह जो 4 रूपये मुआवजा बना है यह हाथी के नाम सुनने का है क्या? यह देखने का है? या चित्र देखने का है? या किसी बात का है? और मजे की बात यह है कि मैडम सभी भुगतान चेक से हो रहे थे ना ही वह अधिकारी द्वारा 2 लीटर पेट्रोल डाल कर चेक किया कि हाथियों द्वारा क्षति किया गया है या नहीं? इसके बाद उसका मुआवजा बना चेक काटा चेक लेकर एक आदमी पहुंचने गया फिर वह जिसको चेक मिला वह बैंक में जमा करने गया। तो मैं बोला साहब आप इससे अच्छा एक काम करते 5 रूपये वाला चॉकलेट खरीद लेते और उन किसानों के बच्चों को दे देते कम से कम वह उसे खाकर संतुष्ट तो हो जाते की चलो कम से कम हम लोगों को क्षतिपूर्ति के रूप में चॉकलेट मिला और उससे भी ज्यादा भयावह स्थिति यह है कि उसे समय के जानकारी के मुताबिक तमनार क्षेत्र का बेल्ट जो है गोढ़ी, कसडो, भैंसगड़ी समारुमा, पड़कीपहरी, झींगोल इस क्षेत्र में हाथियों ने जो क्षती पहुंचा उसका 24 लाख क्षतिपूर्ति दिया गया और ईआईए के अंदर कहीं जिक्र नहीं है कि यहां हाथी पाए जाते हैं। हां एक में जरूर हुआ था मैडम देखिए परियोजना परियोजना की बात है मेडिकल वेस्ट को खत्म करने के लिए एक जनसुनवाई पूंजीपथरा क्षेत्र में हुई थी उसमें किसी ने कह दिया यह हाथी प्रभावित क्षेत्र है और यहां हाथी पाए जाते हैं तो केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय जो है उसके स्वीकृति को रोक दिया था यह ऑन द रिकॉर्ड है और आज तक मेडिकल वेस्ट को खत्म करने के लिए या रीसायकल करने के लिए आज तक वह उद्योग नहीं लग पाया और उसके बाद जितनी जनसुनवाई हुई लगभग 30 से 40 उद्योगों का स्थापना भी हो गया और विस्तार भी हो गया क्योंकि वह सरकारी परियोजना है और यह गैर सरकारी परियोजना है वहां से कोई ना तो टेबल के ऊपर से देगा ना ही टेबल की नीचे से देगा यहां तो पूरा काम टेबल के नीचे का है। वहां से उसकी स्वीकृति मिल गई यहां तक कि मैं तारन प्रकाश सिंह साहब को भी बोला कि साहब इसको भी परियोजना वहां सेंट्रल से नहीं मिला अब मिला हो तो मिला हो बाकी वर्तमान जो कलेक्टर है कार्तिकेय गोयल साहब उनको भी इस संबंध में एक पत्र बना कर मैं दिया था कि केलो नदी के ऊपर रामपुर में जो मेडिकल वेस्ट डाला जा रहा है वह बरसात के महीने में बहकर केलो नदी में जाता है और गर्मी के मौसम में मेडिकल वेस्ट वही रामपुर के प्राथमिक स्कूल में कचरा भरा जाता है तो यह पूंजीपथरा में बन रहा है तो आपको तत्काल संवाद करना चाहिए सरकार से की मेडिकल वेस्ट को रीसाइकलिंग करने के लिए उसके लिए कम से कम परमिशन मिलनी चाहिए परंतु अभी तक कोई पहल नहीं हुई। दूसरी बात यह सर की मेरी जानकारी में कल भी एनजीटी की टीम आई थी किसी ने शिकायत किया था की रायगढ़ के 20 किलोमीटर के क्षेत्र के अंदर फ्लाई ऐश की बहुत समस्या है, शिकायत किसी और ने की और शिकायतकर्ता मुझे फोन

कहकर कहता है कि कहां–कहां फ्लाई ऐश पड़ा है आप दिखा दीजिए और उसने यह शिकायत क्योंकि उसकी वृहद जानकारी भी मेरे पास है कुछ पत्रकार मेरे पास आए उन्होंने बोला एनजीटी की टीम आई है शिकायत हुई है, मैंने बोला हां एनजीटी की टीम आई है, एक आदेश हुआ था और अंकुर साहू सर का मैं धन्यवाद देता हूं उसे आदेश के बाद उन्होंने 1500 रूपये प्रति टन के हिसाब से जुर्माना लगाया लगभग 3.5 करोड रुपए जुर्माना के तौर पर पर्यावरण विभाग में जमा हुआ और आज भी रायगढ़ जिले की सबसे बड़ी समस्याएं हैं तो दो समस्याएं हैं पहली समस्या है रायगढ़ जिले में उद्योगों से निकलने वाले रखड़ के निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं है, और 1.85 करोड़ मेट्रिक टन फ्लाई ऐश रायगढ़ जिले में निकल रहा है, और जितनी जनसुनवाई अभी तक हुई है उनको विस्तार की अनुमति मिल गई तो लगभग 3 लाख करोड़ रख का उत्पादन होगा उसका निस्तारण कैसे होगा सबसे बड़ी समस्या तो यह है। अभी कुछ दिन पहले पी एच ई एक रिपोर्ट आई कि इस साल बहुत तेजी से रायगढ़ में जल स्तर गिर रहा है और मुझे लगता है मार्च आने के पहले रायगढ़ के 150 से 200 गांव ड्राई हो जाएंगे जिन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिलेगा अभी तो अप्रैल और मैं महीने में लगभग 15 गांव ड्राई होते हैं जहां पीने के लिए टैंकर से पानी भेजना पड़ता है कंपनी के लोग पहुंचते हैं वहां एक परिवार को 200 लीटर पानी मिलता है उसमें नहाना है, खाना है और बर्तन भी धोना है, कपड़े भी धोना है और जो बचेगा उसको जानवरों को भी पिलाना है। फिर एनजीटी का आदेश भी है जब तक इस क्षेत्र का आकलन नहीं हो जाता तब तक नए उद्योग और पुरानी उद्योग का विस्तार नहीं होगा। तारन प्रकाश सिंह साहब ने लगभग 11 12 महीने कलेक्टर थे उन्होंने रायगढ़ जिले के सभी जनसुनवाई को यह कहते हुए रोक दिया कि जब तक यहां अध्ययन नहीं होगा तब तक हम जनसुनवाई होने नहीं देंगे। जब नए कलेक्टर साहब आए जितनी भी 11 महीने से 2 साल तक जनसुनवाईयां रुकी हुई थी वह ऐसे धड़ाधड़ जनसुनवाई की बाढ़ हुई थी और आवेदन आ जाती तो परसों नर्सों इस प्रकार से आवेदन चला तो साल में हम एक जनसुनवाई माह मना लेते हैं कि जितने माइनिंग की जनसुनवाई होनी है, जितने स्थापना की जनसुनवाई होनी है, जितने पावर प्लांट की जनसुनवाई होनी है वह हम कर लेते हैं। अभी आप जो सुनवाई में लोगों को क्रिकेट टीम की तरह देखा हमने भी देखा और अगर इन बच्चों का आगे ग्रुप देखा जाए मैं तो 53 हो गया अब मेरे को कुछ करने की जरूरत नहीं है 5 से 7 साल बचे हैं गुजर जाएंगे पर अगर आप इनकी औसत उम्र दिखे तो 22 साल से कम है इनसे कभी किसी ने यह नहीं पूछा कि आप करते क्या हो? आधे पीछे जाकर यह बोल रहे हैं कि मुझे अगर काम नहीं मिला नौकरी नहीं मिला तो मुझे लड़की नहीं मिलेगी इसी टीम की लोग बोल रहे हैं परंतु रायगढ़ में रोजगार कार्यालय में 264000 लोगों का बेरोजगारी सूची में पंजीयन है और रायगढ़ जिले में देखा जाए तो तीन से तीन से चार लाख करोड रुपए का पूंजी निवेश आ चुका। उसके पहले जो उद्योग लगे कितने लोगों को रोजगार मिला यह पूछने वाला कोई नहीं है? आज यहां संजय साहब नहीं है लेकिन उन्होंने एक

पहल चालू की थी हर महीने रोजगार मेला लगेगा तहसील स्तर पर और वहां के स्थानीय लोगों को जितने उद्योगों में पद खाली होते थे योग्यता के आधार पर नौकरी दिया जाता था उनके जाने के बाद वह भी बंद हो गया। आप तो एक ही अभियान चल रहा है एक पेड़ मां के नाम पूरा जंगल बाप के नाम और इस अभियान में यह बोलने वाला कोई नहीं है की परिस्थितियां क्या है? पूरे देश में तराईमाल ग्राम पंचायत या क्षेत्र ऐसा है जहां सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित है और यहां अप्रैल, मई, जून में पीएम10 और पीएम2.5 की मात्र देश की सर्वोच्च कोरबा से भी ज्यादा होता है और उसका पर्यावरणीय प्रभाव क्या पड़ा? पर्यावरणीय प्रभाव मैडम यह पद की जो हमारे इस क्षेत्र में स्तनधारी पालतू पशु है एवं हमारे महिलाओं एवं बेटियों पर गर्भाशय गांठ की बीमारी, बांझपन की बीमारी और गर्भपात की बीमारियां हैं। आज तक इस क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण महिलाओं का, स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का नहीं हुआ। यहां टीवी, दमा, स्नोफिलिया, कैंसर है। अभी सरायपाली के लोग बोल रहे थे उनके गांव में सिलिकोसिस के 14 मरीज पाए गए एवं 11 लोग मर भी गए अभी भी एक–दो जिंदा बचे हुए हैं आज तक उनका कोई ट्रीटमेंट नहीं हुआ। अगर स्वास्थ्य के में देखा जाए तो काफी कमियां है। तीसरी बात यह की मैडम जब 1995 में मैं इस पूरे क्षेत्र में वाटर शेट का काम करता था जू इंफ्रास्ट्रक्चर सड़क का उस समय था वही आज भी है। ईआईए में तो बता दिया गया की इतनी मिलियन टन का उद्योग लगेगा कच्चा, माल जहाज से आएगा, फिर ट्रक में चढ़ेगा, फिर पैकिंग होगी, फिर आएगी परंतु कितनी वहां चलेगी इसकी जानकारी ईआईए में नहीं दी गई है और वह इसलिए नहीं दी गई है पहले आप इंफ्रास्ट्रक्चर बना लीजिए चाहे सरकार बना दे चाहे उद्योगपति बना दे पूरे जिले का और इस देश के अंदर केवल दो उद्योगपति रहे हैं मैडम जिनके विषय में मैं जानता हूं एक है रतन जमशेद टाटा, अजीम प्रेमजी और बिरला जी के जो पुराने ग्रुप थे जिन्होंने कहा कि हम इस देश के व्यापारी नहीं है उद्योगपति हैं और हम इस देश को सर्वोपरि मानते हुए इस देश के अंदर काम करेंगे और आज स्थिति क्या है? रायगढ़ जिले के अंदर कोई भी बता दे की सड़क कहां है? जिसमें 10000 वहां अ कल की भी जो जनसुनवाई होगी दोनों का जब मैं जितना मिलियन टन यह बताते हैं माल आएगा कोयला आएगा बॉक्साइट आएगा जब उसको भागत 35 टन 15 टन की गाड़ी और 35 टन की माल तो दोनों उद्योगों को मिलाकर लगभग 10000 छोटे बड़े वाहन चलेंगे। वह वाहन कैसे चलेंगे उनमें पंख लगे होंगे ऊपर से उड़ कर चलेंगे? कुछ साथियों ने कहा इस क्षेत्र में सी.एस.आर. से बहुत काम हुआ अच्छी बात है होना भी चाहिए जिम्मेदारी भी है परंतु गेरवानी के बच्चे अगस्त में सड़क मार्ग को लेकर तीन दिन बैठे रहे , सड़क निर्माण के मांग को लेकर गेरवानी सरायपाली के बीच बैठे रहे कलेक्टर के पास भी गए इसकी शिकायत किए सड़क आज भी नहीं बनी। मिलुपारा से पूंजीपथरा तक देख लीजिए वहां के बच्चे घुटने भर के कीचड़ में गिर गए और वहां से लगभग 315 करोड़ का कोयला रायगढ़ से रोज उठता है। 315 करोड़ गुणा 365 करिए। लोगों को सड़क नहीं, लोगों को स्कूल नहीं। कल की जनसुनवाई में लोग शिकायत कर

रहे थे कि हमारे यहां गणित, भूगोल, विज्ञान और हिंदी के टीचर नहीं है तो इससे अच्छा तो हम 34 साल पहले थे हमारे सभी स्कूलों में गुरु जी थे, अच्छी पढ़ाई होती थी मेरे खुद के दो–तीन दोस्त डिप्टी कलेक्टर हैं एयरफोर्स में है हमारे क्लासमेट्स तो, आज की स्कूल ज्यादा अच्छी है कि वह स्कूल ज्यादा अच्छे थे? फिर रायगढ़ में जो लोग सी एस आर की बात करते हैं अभी मैं तीन–चार दिन पहले मैं 30 साल से यह नहीं देखा था कि सेठ किरोड़ीमल की समाधि कहां है मैं नहीं जानता था। अभी 10 15 दिन पहले मैं जा रहा था पता नहीं कैसे हुआ उन्हीं के समाधि के सामने जूट मिल के पास मेरी गाड़ी बंद हो गई। गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई तो उसे छाया में ले जाया गया तो वहां सेठ किरोड़ीमल का समाधि स्थल लिखा था तो गाड़ी छोड़कर मैं समाधि देखने गया तो गेट के बाहर ताला लगा था बाहर से मैं देखा तो मैडम उसमें समाधि के चारों तरफ घास थी। जिस रायगढ़ में आप बैठी हैं वो किरोड़ीमल का, जिस कॉलेज में मैं पढ़ा उसकी रोड़ीमल का, जहां बीमार पड़ता हूं जहां दवाई करवाने जाता हूं वह किरोड़ीमल का आज स्थिति यह है कि सेठ कीरोड़ीमल के समाधि में सरकार, न उद्योगपति, न रायगढ़ की जनता बेशर्म कभी फूल चढ़ाने नहीं जाते। जो कि अगर रायगढ़ से किरोड़ीमल की संपत्तियों को हटा दिया जाए तो रायगढ़ में प्राइमरी और मिडिल स्कूल के अलावा कुछ भी नहीं है। 34 साल हो गए यहां बड़ी–बड़ी कोल माइंस है बड़ी–बड़ी बात होती हैं हम सी एस आर में यह कर देंगे, वह कर देंगे। इसमें भी लिखा है आप शायद 7 साल के अंदर 9.50 लाख पेड़ लगाएंगे। इन 7.5 साल में कितने पेड़ कटेंगे इसका आंकड़ा हमारे पास नहीं होता। एनजीटी की टीम केलो नदी में आई थी कलेक्टर साहब को और साहब को भी गलती से नोटिस मिली है की केलो नदी का 14 किलोमीटर का जो एरिया है वह सबसे ज्यादा प्रदूषित एरिया है और पानी में ऑक्सीजन की जो मात्रा होनी चाहिए वह सामान्य से कम है और बैक्टीरिया की मात्रा 50% से ऊपर है। देश की 60 नदियों में से चार नदियां सबसे प्रदूषित जो छत्तीसगढ़ की है उसमें रायगढ़ की केलो नदी भी है तो मै यह कहना चाहता हूं कि मैं उद्योग का कतई विरोध नहीं करता देश के अंदर खूब उद्योग खुलना चाहिए और बड़े–बड़े उद्योग खुले सबको रोजगार मिले पर मैडम किन शर्तों के आधार पर उद्योग लगे और उद्योग अपनी जिम्मेदारी का बेहतर निर्वहन करें। आज तक रायगढ़ के उद्योगों का आपको मालूम नहीं होगा कभी जल संसाधन विभाग से पूछिएगा रायगढ़ के उद्योगपति 360 करोड रुपए जलकर आज तक नहीं पटाए हैं। और जलकर 9.5 रुपए घन मीटर पानी भूजल दोहन और 3.5 रुपए घन लीटर इनको नाले का, नदी का पानी मिलता है। रायगढ़ के 90: उद्योग भूजल दोहन से चलते हैं और जब हमने आर टी आई जानकारी मांगा तो जल संसाधन विभाग ने नोटिस काटना चालू किया और नोटिस काटने के बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने कहा कि आपको नहीं पटाना है तो हाई कोर्ट में पी आई एल लगा दीजिए कि उद्योग बहुत मंदी में है तो हम जल कर नहीं पता सकते और अगर हम मंदी में है तो हमे नगर निगम तीसरे दिन धमकी देता है कि अगर चलकर नहीं पटाओगे तो आपका नल का कनेक्शन काट दिया

जाएगा। तीसरा बात यह है कि हमारा जो भंडारण है राख का कल एनजीटी भी यही देखने आई थी कहां–कहां राख गिरा है तो एक पत्रकार ने मेरे से पूछा और मजे की बात यह है कि मैं ई आई ए रिपोर्ट लेने पर्यावरण विभाग ही गया था तो बोले कि पर्यावरण अधिकारी कार्यवाही ही नहीं करते मैंने बोला कि आप पर्यावरण अधिकारी को अपने नेताओं से फ्री हैंड करवा दो पर्यावरण अधिकारी कार्रवाई नहीं करेंगे तो बता देना। मैंने बोला आपके ओ पी चौधरी पर्यावरण मंत्री है अगर रायगढ़ में पर्यावरण की यह दुर्गति है तो पूरा छत्तीसगढ़ में क्या होगी आप सोच लो। यहां के लोगों से उन्होंने वोट भी मांगा था ले लूंगा से रायगढ़ तक सड़क मार्ग बनवाने के लिए उन्होंने पदयात्रा भी किया था इसके बाद भी करीब 9–10 हो गई एक तगाड़ी मिट्टी भी किसी रोड में नहीं पड़ी। पर विकास होगा आप देखते हैं रोज फीते कटते हैं पर काम कहीं कुछ दिखता नहीं है तो लोगों के स्वास्थ्य के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है यहां के बच्चों के साथ, यहां के महिलाओं पर, यहां की स्थानीय लोगों पर इन प्रभाव आकलन को हम कैसे कम करेंगे? मैंने कई जनसुनवाई में बोला की चलिए रायगढ़ के जो उद्योगपति हैं, जो सामाजिक कार्यकर्ता है, जो राजनीति लोग हैं, जो प्रशासनिक अधिकारी हैं क्यों ना तीन दिन की एक कार्यशाला की जाए और यहां की जो बुनियादी समस्या है उन समस्याओं को पहले चिन्हांकित करें चिन्हांकित करने के बाद कौन–कौन सी समस्याएं का समाधान सरकार कर सकती है, किन–किन समस्याओं का समाधान जो है वह उद्योगपति कर सकते हैं, और कहां–कहां प्रॉब्लम आती है उसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिकाओं क्या हो सकती है। सहभागिता तो होनी चाहिए समुदाय की समाज की बेटी बचाओ बेटी बेटी पढ़ाओं तो यह नारे आते रहते हैं, समाज के मुख्य धारा में लोगों को जोड़ना चाहिए बस आदमी पैसे भरने का हिसाब मत मांगे। पैसे का हिसाब मांगा यानी वह सरकार का सबसे बड़ा दुश्मन है। मैं लगभग आज तक 13000 सूचना का अधिकार लगा चुका और 54 बड़े अधिकारियों को जुर्माना भी हो गया निकले पता नहीं कितने लोगों को जुर्माना और क्षतिपूर्ति हुआ अधिकारी लोग हमको जो आम जनता की तरह ट्रीट करते हैं बोले सूचना के अधिकार में यह कानून नहीं है मैं बोला पढ़े हो मैं बोला पेज क्रमांक इतने का पैराग्राफ नंबर इतना पढ़ो उसमें क्या लिखा है फिर बात करते हैं तब उनको लगता है कि पढ़ा हूं। बैंक से निकाल कर देता हूं हाइलाइटर से मैं किया हूं इसको पढ़ो आज तक कोई अधिकारी पलट के विधिवत सूचना के अधिकार को, फॉरेस्ट राइट एक्ट को और पेशा एक्ट कानून को पढ़ा ही नहीं। वह अपने पद की रॉब में सामने वाले को डांट कर भगा देता है और मेरे जैसा आदमी जब पूछ लेता है तो अच्छा मैं तो देखा नहीं था क्यों बाबू तू देखा नहीं था? अभी मेरे पास श्रम विभाग का अधिकारी ऐसे बोला। एक जानकारी मैंने मांगा उसने बोला ऐसा कोई नियम कानून नहीं है मैं कोरबा में था, यहां था, अरे तू रहा होगा जहां तू था अभी तेरी जोड़ी नहीं मिली है और जब मैं बोला कि पर इस किताब में क्या लिखा है? अच्छा–अच्छा आप यह चाह रहे हैं मैं दिलवा देता हूं। मैं बोला तुमने मुझे नोटिस कैसे दी तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई तो हालत यह है सच्चाई कोई बताने की जरूरत नहीं

है। सर आपकी अधिसूचना में जो केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना है आदेश है उसमें लिखा है कोई भी पर्यावरणीय ई आई ए होगी उसमें तीन साल से ज्यादा पुराने डाटा नहीं चलेंगे इस पूरी ई आई ए के हर पेज में लिखा है की जो डाटा निर्धारित किए गए हैं वह सन 2011 के तहत है तो 2024 चल रहा है 13 साल पुरानी डाटा तो हो ही गए तू यहां ई.आई.ए. गलत हो जाती है। दूसरा ई.आई.ए. मैडम जितनी भी ई.आई.ए. है यह भी मैं स्थापना की लाया हूं जितने ई.आई.ए. हैं सब कट पेस्ट है। एक भी ई.आई.ए. बनाने वाली कंपनी मेरे को इस क्षेत्र के 10 किलोमीटर के एरिया में ग्राम पंचायत के 10–12 सरपंचों का नाम बता दें? सरपंच तो एक ही होता है। इन लोगों ने जहां–जहां लिखा है मैं इस गांव का सैंपल लिया अभी मैं 4 दिन से घूम रहा हूं उस जल के सैंपल के लिए, एक भी आदमी उस गांव का नहीं बता पाया कि मेरे गांव में कोई जल का सैंपल लेने आया था। इन्होंने कहा कि हमने एयर पॉल्यूशन मात्रा तीर बना दिया ऐसे पश्चिम भागेगा यह ईस्ट वेस्ट आप अंग्रेजी में लिखते हैं गांव वाले से पूछिए ईस्ट वेस्ट जानता है क्या? वह तो उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम जानता है वो भी छत्तीसगढ़ी में जानता है और वह जो ईस्ट वेस्ट है नलवा की जो जनसुनवाई मैडम हुई थी 2009–10 में वह ईस्ट वेस्ट का नक्शा आज तक की जितनी ई आई ए है सब में वही ईस्ट वेस्ट मिलता है जो कि उसके बाद इस क्षेत्र में 100 से ज्यादा उद्योग स्थापित हो गए हैं इस क्षेत्र में नलवा पहले उद्योग था। पॉल्यूशन का पैमाना वही एयर पॉल्यूशन का है वही वॉटर पॉल्यूशन का है। इन्होंने ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फास्फोरस का इतना अच्छा आंकड़ा बताया है कि जैसे आप पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में खड़े हैं और मैं 10–15 दिन घूम के यहां पूछा कि आपके यहां कोई एयर पॉल्यूशन का मशीन लगा था क्या? तो उन्होंने कहा मुझे नहीं मालूम, मेरी जानकारी में मेरे गांव में कहीं नहीं लगा और हर मोहल्ले में चाहिए किया हमने कहा कि यहां के पानी का कोई माप दंड लिया गया क्या लेने कोई आया? 10 किलोमीटर के रेडियस के एक भी गांव का आदमी नहीं बोला हां मेरे गांव में कोई आदमी लेने आया था और यह वीडियो मैं आपको भेज सकता हूं मैडम। पाली गांव के तालाब का एक सैंपल लिया गया है अगर हो सके तो आप उस तालाब में मेरे साथ देखने चलिए पाली गांव के जो तालाब के पानी का सैंपल लिया गया उसे तालाब को आप देखकर लिए उसे गांव में लगभग 1200 से 1500 जनसंख्या है। उसे तालाब में बूढ़े, बच्चे, महिलाएं सभी नहाते हैं और उसे पानी की वजह से महिलाओं में सफेद पानी का बीमारी हो गया। कंपनी ने आज तक उसे तालाब को सफाई तक नहीं करवा पाया और गांव के लोगों ने अंकुर साहब से पहले जो पर्यावरण अधिकारी थे उनके पास 10 से 15 बार लिखित शिकायत किया होगा की एक कंपनी जिसकी जनसुनवाई कल है उसका गंदा पानी उसे तालाब में जाता है उसी में लोग निस्तार करते हैं और वही इस नाले का पानी आगे जाकर केलो नदी में चला जाता है। तो पानी का सैंपलिंग आप कहां लिए मैं जो भाई साहब जो कंसलटेंट है इनको मैं बहुत दिन से जानता हूं 15 साल तो लगभग हो गया और मैं हमेशा उनको बोलता हूं कि जब आप कोई अध्ययन किया करें तो आपको कंपनी पैसा देगी

तब आप काम करेंगे परंतु मैं आपके साथ 10 से 15 दिन फ्री ऑफ कॉस्ट काम करूंगा कोई पेट्रोल तक का पैसा नहीं लूंगा परंतु आज तक रायगढ़ में मुझे कोई कंसलटेंट नहीं बुलाया जब यह ई आई ए बनाया और जब ई आई ए को क्रॉस चेक किया जाता है तो लगता है कि जो पूरी चीज कहीं गई है जो लिखी गई है वह सच्चाई से काफी दूर है। आपका जो तराईमाल गांव है यहां देलारी है, पाली है, यह रायगढ़ का सब्जी हब माना जाता था मैडम यहां से 12 महीना सब्जी जो है रायगढ़ के सब्जी मार्केट यहां पर निर्भर रहती थी। आज स्थिति यह है कि जो लोग बोलते हैं विकास हुआ है उनके घर खुद सब्जी नहीं होती बाजार से खरीद कर खाते हैं। अब रायगढ़ के सब्जी मार्केट से सब्जी ग्रामीण मार्केट में आती है और वहां से लोग खरीद कर खाते हैं। 1995 से 2005 तक जब मैं इस रास्ते से गुजरा था तो कोई गोभी, कोई शिमला मिर्च, इस प्रकार सब्जी एक झोला हो जाता था मैं रोज पांच लोगों की सब्जी देलारी, पाली एवं अन्य गांव से लेकर जाता था तो मैं कुल मिलाकर यह कहना चाहता हूं कि उद्योग लगा है लगे मैं समर्थन और विरोध करने का पक्षधर नहीं हूं। पर्यावरणीय यहां पर यह परिस्थितया निर्मित है इन निर्मित परिस्थितियों को दे हुए पर्यावरण मंत्रालय को एक अध्ययन करने के बाद विचार करना चाहिए कि इस क्षेत्र में और उद्योग स्थापित हो सकते हैं? और उद्योगों का विस्तार किया जा सकता है? तब आगे इस पर विचार करना चाहिए। मैडम एक बात आपको और बता दो कुछ गांव के लोग सड़क को लेकर आर्थिक नाकेबंदी कर रहे थे एसडीएम साहब उन्होंने कहा अब यह पैसा पीडब्ल्यूडी में जमा हो गया है अब यह रोड नहीं बनेगी तो उन्होंने तो कहा कि हमने जमीन तो दान में दिया था और दान की जमीन पर लोगों के बीच में यह रोड बना तो बोले कि आपका गांव ही विस्थापित होना है तो वे बोले कहां जाएं? वह बोले आपको जहां जाना जाना है वहां चले जाएं? हमसे मत पूछिए। एक गांव का सीधा–साधा आदमी खड़ा होकर बोला फिर एसडीएम साहब वहां से भाग लिए आपका मई महीने में ट्रांसफर हुआ है घरघोड़ा से आपको मालूम है कि यहां से ट्रांसफर होकर जाओगे तो वहां बांग्ला मिलेगा, नौकर मिलेगा, गाड़ी मिलेगा और पद भी बना रहे आप 8 महीना से रायगढ़ घरघोड़ा छोड़कर वहां क्यों नहीं जा रहे हो और हम अपनी जमीन छोड़ दें तुमको नहीं मालूम कि मैं कहां जाऊं? तो अधिकारी इस तरीके से बात करते हैं। अभी आपको बता दूं रायगढ़ के एक बड़े उद्योगपति के कर्मचारियों के ऊपर एफ आई आर का आदेश हुआ है जो आदमी 2013 में मर गया उसका 2019 में मरा हुआ आदमी अपनी जमीन बेचा और वह उद्योग खरीदा रजिस्ट्री में उसका दस्खत है और उसका फोटो लगा हुआ है। अभी घरघोड़ा कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश किया कि संबंधित अधिकारी और संबंधित उद्योग जिसके द्वारा खरीदी गई है 9 दिसंबर तक इनके ऊपर एफ आई आर करके चालान पेश करें तो हमारे यहां तो तमनार में मरे हुए लोग आकर गवाही दे देते हैं, रजिस्ट्री हो जाती हैं, उसमें उद्योग स्थापित हो जाता है। अभी किसी ने कहा एक पेड़ काटने के लिए एसडीम, कलेक्टर और न जाने कहां–कहां अनुमति लेनी पड़ती है। एक सराई और सागौन का पेड़ काटने के लिए मेरा पड़ोसी घर के

सामने 5 सागौन का पेड़ है उसको काटने के लिए रायगढ़ एसडीम के पास 8 महीने पहले आवेदन लगाया था आज तक परमिशन नहीं मिली है और यहां सराई और सागौन की लकड़ी के लिए 1 घंटे में परमिशन, फ्लाई ऐश डालने के लिए रायगढ़ में 1 घंटे में परमिशन मिल गई कि आप डाल दो कलेक्टर साहब देखे बोले यहां तो वन है तहसीलदार ने अनुमति कैसे दे दी? तो हमारे जिले में तो इस तरीके के अनुमति मिलती हैं तो कभी–कभी तो लगता है कि गरीब आदमी के लिए कानून, संविधान, जज, मजिस्ट्रेट होते हैं गरीब आदमी का केवल भगवान होता है जो उसकी रक्षा करता है बाकी उसकी इस धरती में कोई रक्षा नहीं करता है। जिस अधिकारी के पास जो कोई अधिकारी सुनने के लिए तैयार नहीं है एक दिन एक आदमी मंगलवार को बोला इतनी भीड़ मैं बोला हां इतनी भीड़ हर मंगलवार को तो बोला यह तो समस्या समाधान मंगलवार है, मैं बोला अगर समस्या का समाधान होता तो भीड़ कम होती की बढ़ती? तो बोले हां यह भी सही है लोग आते हैं, कागज देते हैं, संबंधित विभाग को कागज दिया जाता है और फिर वह डस्टबिन में डाल दिया जाता है। हमारे रायगढ़ जिले में जहां मैं हूं वहां तीन एकड़ सरकारी जमीन एक व्यक्ति के नाम कर दी गई उसने दूसरे आदमी को 55 करोड़ की जमीन 3 करोड़ में बेच दिया और लोगों ने कलेक्टर साहब से शिकायत की तो कलेक्टर साहब ने बोला जांच करवाते हैं करीब 20 दिन हो गया अभी जांच हो रही है कौन दोषी है? हमारा नजूल में एक घर बन जाए तो तहसीलदार का पहले नोटिस पहुंचता है तीन दिन के अंदर घर खाली करो नहीं तो तुम्हारे घर की क्षतिपूर्ति तोड़फोड़ की राशि भी तुमसे ही लिया जाएगा और जो इस तरीके की गतिविधियां करते हैं उनके ऊपर? तमनार क्षेत्र में एक पूर्व एसडीएम साहब हैं 115 करोड़ का मुआवजा 415 करोड़ बांट दिए, रोज पेपर में छपता है। हाई कोर्ट में अभी पिछले मंगलवार बुधवार को सीबीआई जांच के लिए अपील भी दायर हो गई है 10 से 15 दिन नोटिस राजस्व सचिव राजस्व मंडल के आदेश हो गए, कलेक्टर को तीन–तीन आदेश आ गए कि इन पर कार्यवाही करो, कार्रवाई में किसका नाम आ रहा है सर? पटवारी का बाकी ऊपर वाले जो बड़े–बड़े मगरमच्छ है और उनका कहां–कहां, किसका–किसका, पैसा लगा हुआ है मेरे को मालूम है पूरी सूची है कौन कार्यवाही करेगा? किसको हम बचा रहे हैं? बहुत लोग मूल्य और चरित्र की बात कर रहे थे जैसा मूल्य हो जैसा चरित्र हो वैसा दिखाना भी चाहिए। बिल्कुल सब लोग बोलेंगे मैं आखिरी समय तक बैठा रहूंगा आप चिंता मत करिए। तो इन सब चीजों का मैडम एक पर्यावरणीय अध्ययन हो और यहां के लोगों का यहां के जल, जंगल, जमीन और जीव का की सुरक्षा को देखते हुए पर्यावरणीय अनुमति देने पर सरकार को विचार किया जाना चाहिए। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

518. नवल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

519. सतीश – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

520\. रवि यादव, रायगढ़ – आप सभी को नमस्कार, अपना विरोध दर्ज करने के लिए आया हूं। आज इस सुनवाई के लिए जांगड़े मैडम और साहू सर आप दोनों यहां उपस्थित हैं आप दोनों की जानकारी में है कि जिस जगह प्लांट प्रस्तावित होता है उसे प्रस्तावित जगह में आने वाले 10 किलोमीटर तक पूरे हर एक ग्रामों का सहमति अनिवार्य होता है? आप लोगों ने क्या इस प्रक्रिया को संपूर्ण किया? उसके बाद यह प्रस्ताव हो पाया है? माननीय मैडम मैं आपसे जानना चाहूंगा या फिर दो–तीन पंचायत को ही देकर के इतनी बड़ी उद्योग की विस्तार हो रही है? यह प्रथम बात है मैडम दूसरी बात इस उद्योग के विस्तार से लगभग लगभग प्रतिदिन 4000 जो कच्चे माल है उसकी आवाजाही होगी और 4000 कच्चे माल आएंगे, 4000 गाड़ियों में पक्के माल जाएंगे जिला प्रशासन की तरफ से जो इनके आवाजाही के लिए जो सड़क है क्या इसका निर्माण हो चुका है? तीसरी बात यहां से जो फ्लाई ऐश निकलेंगे इसके निपटारा के लिए जिला प्रशासन क्या कर रही है? मैं थोड़ा जल्दी बोल पा रहा हूं या धीरे बोलू मैडम? तो इन दोनों मुद्दे हैं उसके बाद प्रतिवर्ष उद्योगों के कारण ही 1600 लोग लगभग अपंग हो रहे हैं मैडम आज इसी उद्योग का बात न है हर उद्योग का जो विस्तार हो रहा है, रोजगार कार्यालय से हमारे जिले में 248000 लोग बेरोजगार हैं रोजगार पंजीयन अपना कराए हैं। इन उद्योगों को अगर विस्तार हो रहा है और विस्तारित से लोगों का भला हो रहा है तो यह ढाई लाख बेरोजगार कहां से आए हैं? पूरे जिले में ढाई लाख बेरोजगार है हमारे एनआर प्राइवेट लिमिटेड इसका जो जनसुनवाई है इसके पहले भी कई इन ग्रुप में ही कई फैक्ट्रियों का विस्तार हो चुका है विस्तार होने के बाद यहां बाहरी लोगों को रोजगार के लिए चाहे वहां में पावर का जो सप्लाई होता है उसके लिए बाहरी लोगों को रखा जाता है। मैं संजय अग्रवाल जी से कहा था कि कोई ओड़िया है रायगढ़ इस्पात में भैया उसको हटा करके कोई लोकल लोग चाहे देलारी, शिवपुरी का कोई अच्छा जो लड़का है वह उसमें सेट हो सकता है तो उनका कहना है कि नहीं बाहर के लोग ही अच्छे काम करते हैं विधिवत अच्छा काम कर रहे हैं तो हम लोग उसको हटा नहीं सकते उसके बाद भी कई लोगों का नाम मैंने व्हाट्सएप के माध्यम से उनको भेजो फोन करने से बात होता नहीं है अगर जनसुनवाई आती है तो उनकी टीम का बहुत मोहब्बत से फोन आता है कि आप लोग समर्थन करें और जैसे जनसुनवाई खत्म होता है फोन उठाना बंद हो जाता है इन लोग का कहना है कि हम लोग गांव से जुड़े हुए लोग हैं गांव के लोगों से जुड़े हैं तुम छट्ठी का कार्ड दोगे तो तुम्हारे घर जाएंगे भात खाएंगे यह सब इनका काम निकालने का बात होता है जनसुनवाई या फिर और कुछ कारण के बाद मैडम आज इस जनसुनवाई में फ्लाई ऐश निपटारा के लिए जिला प्रशासन के द्वारा कुछ भी काम नहीं किया गया है दूसरी बात दोहरा रहा हूं ना ही सड़क का कुछ समाधान किए बिना यह जनसुनवाई हो रहा है आपके माध्यम से मैडम एक निवेदन करता हूं यह जो बार–बार लोगों के साथ लोगों के जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है सड़क दुर्घटनाएं हो रही है यहां के जो बुजुर्ग हैं वह 100 साल 120 साल नियमित रूप से जीते थे वह

50–60 साल में या फिर जो अपने नौजवान अवस्था है दुर्घटना के कारण 20–22 साल में ही वह खत्म हो जा रहे हैं मैडम जिला प्रशासन और यहां राजस्व से जो अधिकारी आए हुए हैं, एसडीएम साहब है, तहसीलदार साहब है, आप दोनों मुख्य पीठासीन अधिकारियों से मैं निवेदन करता हूं कि यह जो उद्योग है इनके लिए एक अलग क्षेत्र या रायगढ़ की इस तरफ को केवल उद्योगों को केवल उद्योगों का कर दीजिए या तो कहीं ऐसा जगह व्यवस्था आप लोग करिए की जिसमें केवल गांव के जैसे यह गांव है शिवपुरी, पाली, देलारी, समारूमा, तराईमाल है और आसपास के सभी गांव हैं लाख है चिराईपानी है तो यह सारे गांव को उठाकर के एक साथ, यहां जो है आम जनों का आवाज राजेश भैया ने बताया कि 331 करोड़ रुपए का प्रतिदिन यहां कोयल का बिक्री होता है तो इस चीज को देखते हुए जिला प्रशासन से मेरा अनुरोध है कि सारे लोगों को जो है एक साथ उठाकर के इन लोगों को जैसा जो जनसुनवाई करना है यह अपने आप में करते रहे आम जनों का आगमन वगैरा बंद हो जाए इससे हमारे लोग नहीं मारेंगे और कहीं अच्छे वातावरण में जिएंगे दूसरी बात यह जो आवासीय व्यवस्था। आप लोग से मेरी निवेदन है उसमें उसमें समस्याओं को अच्छे से रखा जाए और वहां हॉस्पिटल हो, वहां साफ सफाई हो, वहां उनके रहने के लिए खेती के लिए कुछ व्यवस्था हो इन कल्पनाओं को अगर साकार करेंगे तो यह उद्योगपति जितना काम करना चाहते हैं, कमाना चाहते हैं, कमाते रहे लेकिन यहां उपस्थित रहते उद्योग और मनुष्य दोनों एक जगह में नहीं रह सकते तो यहां से इनकी गाड़ियां आना–जाना करेगी तो हमारे लोगों का मरना शायद कम हो सकता है मैं बहुत करीब से देखा हूं मैडम किसी परिवार को निहाल होते हुए एक परिवार में एक पुरुष होता है वही कर्ताधर्ता होता है और उसके जाने के बाद जो स्थिति होती है वह देखने से आंसू आ जाता है। मैडम लेकिन ना जिला प्रशासन को ना उद्योग के मालिकों को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा 5 लाख 7 लाख अभी हाल ही में एन.आर. कंपनी में किसी का मृत्यु हुआ उनको 4 लाख, 5 लाख, 6 लाख, जो भी यह लोग आपसे राजा मंदिर से एक आदमी का कीमत 5 लाख है आज आप लोग या फिर मैं सामान्य वर्ग का लड़का हूं मैं खेती किसानी करने वाला हूं और मेरा बहुत ज्यादा कुछ काम नहीं है मेरे को उद्योगों के ऊपर डिपेंड रहने का कुछ विशेष आवश्यकता नहीं है यहां जितने भी समर्थन हुए हैं या तो उनके पास कोयला ढोने वाली गाड़ी है, या तो क्षणिक लाभ के लिए उन लोग समर्थन किए हैं। आज निवेदन के माध्यम से मैं कहना चाहूंगा की बिना फ्लाई ऐश के निपटारा के इसका विस्तार न हो तो बढ़िया रहेगा और यहां जिला प्रशासन द्वारा जितने पेड़ लगे हैं अभी वर्तमान में जो विद्यमान है उनकी सर्वे कराया जाए जितने कटे हैं, उनके सर्वे कराया जाए और जो लोकल पेड़ जो दर्ज हैं और कई खसरो में चाहे फॉरेस्ट का खसरा हो, चाहे राजस्व का खसरा हो किसी भी जमीन में यहां पेड़ दर्ज नहीं है तो नियमित रूप से प्रत्येक खसरों में आपके माध्यम से, जिला कलेक्टर के माध्यम से यह पहल को किया जाए ताकि आपके जिले में हमारे जो राजस्व हैं उसकी बढ़ोतरी हो सके और पेड़ काटने का जो परमिशन है जब तक

इन लोग वयस्क पेड़ नहीं देते हैं, वैसा अनुकूल वातावरण जब तक नहीं मिलता है तब तक किसी भी जनसुनवाई का विस्तार न हो मैं केंद्रीय टीम से वीडियो को जो देखेगी आपके माध्यम से जिला प्रशासन को यह बात बोलना चाहता हूं और केंद्रीय टीम को भी मैं बोलना चाहता हूं और कहना यह चाहता हूं कि मैडम यह 10 किलोमीटर की रेंज है क्या आप लोगों ने या फिर आप की जो टीम है जो जनसुनवाई को संचालित करती है या फिर उसकी व्यवस्थापन करती है? जैसे भेलवाटिकरा के उप सरपंच जी आए हुए हैं और शिवपुरी से युवा साथी लोग आए हुए हैं उनका कहना है कि ग्राम पंचायत में किसी प्रकार का प्रस्ताव नहीं हुआ है जब वही का उद्योग का प्रस्ताव सही से गांव में ग्राम सभा हुआ नहीं है केवल चार पांच और फर्जी हस्ताक्षर इसका वीडियोग्राफी गांव लोग हैं उनकी व्यवस्थापन हो साथ में मैडम मैं मेरे जो निवास क्षेत्र हैं मेरा घर लामीदरहा पड़ता है यहां से 10 से 11 किलोमीटर है तो हम भी प्रभावित क्षेत्र में आते हैं और और उस क्षेत्र में जो स्कूल है प्राइमरी मीडिल स्कूल है हमारे यहां जो सी एस आर मद हैं अभी आप लोग कुछ ऐसा नियम बनाएं लोग जो धुंआ खा रहे हैं उन्हीं लोग को जो है सी एस आर मद सीधा-सीधा दि[illegible] जाए और साथ ही जो राशि हैं जैसे रतन टाटा जी का प्रॉफिट होता था उसमें एक नियमित प्रतिशत था उनका कि वह उसको सरकार को दे देते थे, ऐसा आप लोग की तरफ से कुछ नियम बने और इन सब बातों को देखते हुए आप लोग निर्णय ले और केंद्रीय टीम है जो वीडियोग्राफी के सदस्य हैं, उन लोग से भी मेरा निवेदन है कि मेरे सभी बातों का रिकॉर्ड करके वहां भेजने का कष्ट करेंगे और उद्योग प्रबंधन लगातार अपने काम निकलने तक सहारा मांगते हैं सहयोग मांगते हैं। उद्योग के विस्तार होने के बाद भी जो है युवाओं का बात को सुने उनके लोगों को रोजगार मुहैया कराए। मैं एक और निवेदन करना चाहता हूं आने वाले समय में हम लोग का जो टीम है लगभग 85 गांव में है, रायगढ़ जिला 84 पंचायत से बना हुआ है, लगभग 138 गांव है, यहां प्रत्येक गांव में हम लोग के 10 से 20 लोगों का टीम है। आने वाले समय में उद्योग का विस्तार हो जाता है, चिमनी तो बन जाएगी लेकिन मैं और मेरी पूरी टीम चिमनी [illegible] ऊपर हम लोग धुंआ निकालने नहीं देंगे। मैडम धुंआ या तो नीचे जमीन में डालें, चाहे वह अपने विस्तार के अनुसार जैसा भी करें। ये लोग आम आदमी, गरीब आदमी, को कीड़ा मकौड़ा समझते हैं, ऐसा है नहीं, ये लोग चिमनी लगाएंगे तो वहां धुआं ऊपर छोड़ने नहीं देंगे। इस जनसुनवाई के माध्यम से मैं इस बात को कहना चाहूंगा कि जितने भी प्लांट चल रहे हैं चाहे और भी ग्रुप हैं, चरणबद्ध तरीके से वहां प्रदूषण की जो स्थितियां हैं, उसको देखते हुए अगर मापदंडों के हिसाब से, केवल लीपापोती ना किया जाए तो शासन द्वारा, तो प्रत्येक उद्योगों के सामने हमारा धरना प्रदर्शन होगा और एनआर ग्रुप आज पता नहीं क्यों मैं उनके साथ विनम्र हूं समझ नहीं आ रहा है। मेरा हमेशा उग्र रहने का और स्पीच देने का स्थिति रहता है लेकिन आज विनम्र हूं क्योंकि मैं यह चाह रहा हूं कि उनके साथ लोगों का भी भला हो और यह काम इन लोग अपना काम निकालने के बाद बिल्कुल भी नहीं करते। संजय भैया से हम लोग 2017-18 से जुड़े हुये थे,

इनका समर्थन कई प्लांट में हमने किया, लेकिन हमारे ब्लॉक के जो युवा हैं पढ़े लिखे हैं, इनको हम लोग उनके गेट में ले जाकर के वहां से वापस आए हैं। रोजगार बाहरी लोगों को ज्यादा दे रहे हैं, लोकल लोगों को दरकिनार करते हैं, शिवपुरी, गेरवानी के जो लोकल लोग हैं। आज पैसा दारू के माध्यम से जनसुनवाई पुलिस प्रशासन के माध्यम से और जिला प्रशासन के माध्यम से फोटोग्राफी वीडियोग्राफी करके जो कराया जा रहा है, जो कि पहले से निर्धारित हो चुका है आप लोग के इन्हीं सब बातों से मन आहत है। आने वाले समय में हम प्रत्येक जनसुनवाई का विरोध करेंगे। यह सब बातों को बोलते हुए मैं अपने वाणी को विराम देता हूं और आज के इस जनसुनवाई का पुरजोर विरोध है और आगे भी विरोध जारी रहेगा। धन्यवाद। जय हिंद, जय छत्तीसगढ़।

521. अनुराग, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
522. लोचन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
523. देवकुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
524. आशिष – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
525. पुनिराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
526. आदित्य – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
527. मृत्युंजय – जंगल से ही हमारा जीवन चल रहा है कंपनी से हमारा सारा चीज नस्ट हो रहा है। कंपनी का मैं विरोध करता हूँ।
528. गणेश लाल, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
529. गंगाराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
530. गणेश यादव – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
531. भरतलाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
532. ललित, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
533. कमल, गेरवानी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
534. नवधा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
535. अजय कुमार, देलारी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
536. मंगलाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
537. घुराई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
538. मनीषा गोड़, घरघोड़ा – नमस्कार जय जोहार श्रीमान् पीठासीन अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायगढ़ मैं अपनी बात रखने से पहले अपनी कुछ बातों को केन्द्रित करना चाहुंगी सबसे पहले तो यहां के भाई लोग जो कहां गये ओ भाई जो चना बेचने का आडिया दे थे ओ ये भी बता दे कि पूंजी कहां से मिलेगा? उद्योग

खोलने के लिए पूंजी दिलवा दो जिसका घर चला गया, जिसकी संताने चली गई उनको आप उद्योग करने के लिए आडिया दे रहे हो तो पूंजी भी दिलवा दो जो कम्पनी की आज यहां जन सुनवाई हो रहा है उनसे शेयर दिलवा दीजिए। दूसरी अभी जैसे भैया लोगों ने कहो है कि पेड़, आपलोग नारे लगवाते है कि पेड़ लगवाईये पेड़ लगवाईये, आज के बाद वह नारे बदल कर पेड़ कटवाईये–पेड़ कटवाईये ये नारे लगवाईये, जिस दिन ये पेड़ कट जायेगें ये मुद्दे ही खतम हो जायेंगे क्योंकि जंगल के जितने भी जानवर है, सब अपने–अपने घर में पाल लेंगे, तो पाल लेंगे तो हमलोग रहेंगे ही नहीं क्योंकि उन्हीं का भक्षण बन जायेंगे। मैं पहले भी बोल चुकी हूं और आज भी बोलती हूँ हंसदेव जैसे जंगल को नही छोड़े तो ये छोटे मोटे जंगल को क्या छोड़ेंगे। आज हम बोलते हैं कि जंगली जानवर रोड में आ गये हैं, जंगली जानवर मानव क्षति पहुंचा रहे हैं, जंगली जानवर शहर पे आ रहें हैं क्यों आ रहे हैं इसका मतलब सब जानते हैं कि जहां पेंड़ नहीं रहेगा वहां जानवर कैसे रहेंगे। अब बात करते हैं इस कम्पनियों की, इस उद्योगों की एक व्यक्ति हैं जो आज ही मुझे कह रहे थे कि मैडम ये एक ही कम्पनी नहीं है जिसे पर्यावरण की क्षति पहु है और भी बहुत सारी कम्पनियां है जिन्होनें कहा है इसी पंडाल के अंदर ही हैं यदि वे सुन रहें है तो वे अच्छे से और सुन लें क्योंकि ये हमारा जो छ.ग. है पहले बहुत सुन्दर था आज इन उद्योंगों के कारण सबसे ज्यादा अपराध इस छत्तीसगढ़ में हो रहा है। गांव में देखें तो बाहर से जो कार्य करने वाले आये है ओ किराये में रह रहें है शहर में रह रहे हैं और उसी के साथ–साथ अपराधीकरण भी बहुत ज्यादा हो रही है। इस बात से क्या मेरा समर्थन करते हैं कि उद्योग के साथ–साथ अपराधीकरण भी बढ़ रहा है। क्या भाईयों आज जो बच्चे घर में पढ़–लिखकर बैठे हैं, जिनको कोई नौकरी नहीं मिली है आज ओ अपना अपराध की तरफ कदम बढ़ा रहें हैं। क्यों? न उनकी शिक्षा की व्यवस्था है न ही स्कूलों की व्यवस्था है, न ही उन बच्चों को सपोर्ट किया जा रहा है। अच्छे–अच्छे जो अधिकारी है जो बिजनेसमैन हैं उनके बच्चों को अधिकार हैं अच्छे स्कूल में पढ़ने का लेकिन क्या सरकारी स्कूलों में शिक्षा नहीं मिलती थी? आज बड़े–ब अधिकारी कर्मचारी हैं वह भी सरकारी स्कूल में पढ़ के ही बैठे हैं तो आज ये भेदभाव क्यों? हमारी जमीन, हमारा जल और हम ही को पलायन करने को फोर्स कर रहे हैं यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे, आज ऐसे कई पीड़ित है जिनके जमीनों पर उनकी मुआवजा नहीं दी जा रही है, आज ऐसे पीड़ित है जिनके खेतों में गंदे पानी की वजह से उपज नहीं हो रही है, जब उपज नहीं होगी जमीन नहीं होगा यहां से उनका व्यवसाय नहीं चलेगा तो बेशक यहां के निवासी लोगों को पलायन करना पड़ेगा और पलायन करने के लिए आप जैसे अधिकारी उद्योगपति मजबूर कर रहे हैं कि यहां से लोग पलायन कर जाए, अगर इतना ही बिजनेस खड़े करने का इनको शौक है तो अपने उसे शहर में करें जहां उनके निवास स्थान है हमारे जंगल हमारी जमीन को छोड़ दें, अब मैं ये बोलना चाहूंगी की जैसे वह भाई साहब बोले अस्पताल के बारे में, अस्पताल बना हुआ है 15–20 तरह की हॉस्पिटल, भैया मैं उनसे पूछना चाहती हूं कितना एमबीबीएस

डॉक्टर बैठा के रखे हो? कितने वहां ऑक्सीजन, आईसीयू और गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए, प्रसव के लिए क्या इसका रिकॉर्ड आपके पास है क्या खून चेक ब्लड चेक होता है जब यह सारी व्यवस्था नहीं है तो अस्पताल खोलने का क्या फायदा, लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए, ऐसे शासन प्रशासन का कोई मतलब नहीं है जो गरीब और किसानों का हनन होते हुए देखते रहते हैं, निरस्त कर दीजिए आज की यह जनसुनवाई बंद कर दीजिए, जनसुनवाई जो सिर्फ ढोंग के लिए रखा जाता हैस आप लोगों को बैठना है 5:00 बजे तक, 5:00 बजे, 6:00 बजे तक बैठिए आपलोग सिर्फ यही सुनते हैं कि यहां जो लोग आ रहे हैं सिर्फ बोल रहे हैं बोल रहे हैं लेकिन आप लोगों को भी पता है कि कितने लोग यहां पीड़ित हैं उद्योग खुल रहा है और खुल रहा है और पीड़ित होते जा रहे है गरीब और गरीब होते जा रहे हैं और बेचारों को करने और बिकने के अलावा कोई रास्ता नजर नहीं आता है। कल ही एक में जिनके बारे में बात कर रही थी जो इस पंडाल के अंदर हैं वह मुझे कह रहे थे की मैडम आप मेरे को बताइए कि क्या पहले एक्सीडेंटल नहीं होते थे, तो कल और आज मैं क्या फर्क नजर आएगा, कल भी एक्सीडेंटल होते थे और आज भी मैं पूछना चाहूंगी कि बहुत पहले जो रोड बनते थे क्या उसमें ये उद्योगपतियों के ट्रक चलाते थे, उनके इस ट्रक के कारण उनके रोड की खराबी के कारण आज जगह–जगह फ्लाई ऐश जो डम्ब किया जा रहा है उसके कारण आज इतने मौते हो रही हैं की मौत का कोई आंकड़ा ही नहीं है, मरने वालों की तदाद छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा है, क्या कोई उद्योगपति मरता है? नहीं यहां मरने वालों के आंकड़ों में सिर्फ गरीब और किसान हैं जिनके घर में कोई नहीं होता है पालन पोषण करने के लिए जिनके घर में काम करने के लिए नहीं होते हैं अगर वह मृत्यु को प्राप्त हो जाए तो आप समझ सकते हैं कि उनके घर की स्थिति क्या होती है आज हम यहां बोल रहे हैं हो सकता है यह उद्योगपति उनको कांटेक्ट करें जिनके जमीन पर मुवावजा नहीं मिला है, हो सकता है उनको फोन करेंगे हो सकता है उनको एक लेटर प्रदान करेंगे यह कहेंगे जिनको मुआवजा नहीं मिला है 1 लाख ले लीजिए, 2 लाख ले लीजिए मैं कहती हूं– एक डेढ़ लाख रुपया सामने वालों को जिंदगी भर पूर्ति हो जाएगी, पूर्ति हो जाएगी तो ये उद्योगपति हमसे ले लें एक डेढ़ लाख रुपये और अपनी जिंदगी को चला कर देखें, सिर्फ एसी में बैठकर बात करने का कोई मतलब नहीं है, रही बात उद्योग मे जो लोकल लोगों को कम नहीं देने का तो आज मैं उन महिलाओं की बात करती हूं, चुंकि मैं भी एक महिला हूं तो उस बात पर केंद्रित करना चाहूंगी जो महिलाएं पहले ये वन उपज जंगलों से व्यवसाय करती थी तेंदूपत्ता, चार पत्ता, दोना पत्तल बनती थी वह अपना व्यवसाय चलाया करती थी अपना परिवार चलाया करती थी आज उनसे यह व्यवसाय छीन लिया गया है क्योंकि जंगल ही नहीं है और रही बात कंपनियों की तो आज हम जितने भाई हैं ना, सब समर्थन करते है–समर्थन करते हैं, बिलकुल समर्थन कीजिये आज आप काम कर रहे हैं कल कदर कुछ हो जाता है तो यह उद्योगपति आपके घर में झांकने तक नहीं जाएंगे कि आपके घर चूल्हा जलता है कि नहीं जलता है, हमारी इतनी बहन,

इतनी बेटियां आज के डेट में पढ़ी लिखी है कौन बीए करके, कौन बीएड करके, डीएड करके बैठी हैं लेकिन जितनी भी उनकी पढ़ाई है सब धरी की धरी रह जाती हैं या तो वह गांव से निकल नहीं पाती हैं क्योंकि वहां दुर्घटनाओं का इतना ज्यादा आवक है आए दिन आए दिन ट्रकें आने और जाने में ओ रास्ता इस तरह जाम हो जाता है कि बच्चियां आने जाने के लिए डरती हैं कई लागों का तो ऐसे है कि स्कूल छूट गया और जो महिलाएं हैं जो पढ़ी–लिखी महिलाएं हैं उनको तो रोजगार नहीं मिल रहा है, तो मैं पूछना चाहूंगी कि आपके उद्योंगो में पुरूषों को ही नौकरी देने का वादा किया जाता है कि महिलाओं के लिए भी कोई जगह है। मैं पीठासीन अधिकारी मैडम से पूछना चाहूंगी कि मैडम सिर्फ पुरूषों के लिए है कि महिलाओं के लिए भी है। महिलाओं के व्यवसाय के लिये ये उद्योगपति क्या व्यवस्था कर रहें कि ये महिलायें सक्षम हो जायें? हमलोग आपके जवाब का इंतजार करें कि ये उद्योगपति महिलाओं के लिये क्या सुविधा दे रहे हैं। जब आप लोगों के पास कोई जवाब नहीं है तो फिर आपलोग कैसे स्वीकृति देते हैं कि जनसुनवाई सफल हो जाए? किस तरह से आप लोक जनसुनवाई को सफल कर देते हैं। गरीबों तकलीफ नहीं दिखती गरीबों का दर्द नहीं दिखता, उनके घर जाकर उनकी स्थिति नहीं देखते और धिक्कार है हमारे भाई–बहनों पर, यहां 3 केटेगरी मतलब 3 तरह के लोगों को खाने के लिए बांट कर दिया जा रहा है शायद यह आपको दिखाई नहीं दे रहा है, यहां पे जो समर्थन दे रहे हैं उनका खाना अलग, जो व्ही.आई.पी. पर्सन हैं उनका खाना अलग, जो वर्दीधारी हैं उनका खाना अलग, कैसा भेंदभाव है, उनको भी वही खाना खिलाइये जो गरीब खा रहे हैं चावल तो वहीं हैं न तो गरीबों के लिये सोसायटी का चावल और आपके लिये एच.एम.टी. का चावल। तो भाई क्यों ऐसा भेद भाव, आप किनको बुला रहें हैं आज अपना जनसुनवाई को सफल करने के लिये, वही गांव के गरीब जनता को, उन्ही किसान को और उन्ही से खाने–पीने के लिये भेद–भाव, जिनका पानी, जिनका जंगल, जिनका धान उन्हीं से भेदभाव, जब इतना ही भेदभाव करना है तो यहां उद्योग क्यों चलाना, बंद करो ये उद्योग। मैं इस जन सुनवाई के माध्यम से कह चाहूंगी कि किसी भी तरह से इस जनसुनवाई को खतम करो, हम इस जनसुनवाई को सफल नहीं होने देगे। जन–सुनवाई बंद करो बंद करो, उद्योगपतियों की लापरवाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी, हमारी जमीन हमको दो हमको दो, धन्यवाद मैम।

539. फुलचंद्र श्रीवास – इसका क्षेत्र 855.84 एकड़ है इसमें 228 मेंबर है। मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

540. अश्वनी चौहान – विरोध है।

541. अमर – विरोध है।

542. गुलाब सिंह चौहान, भेलवाटिकरा – मैं इस फर्जी जनसुनवाई को पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ। बढ़ती प्रदूषण बढ़ता बेरोजगारी मुख्य समस्या है, कम्पनी से निकलने वाली धुंआ बहुत सारे बीमारियों को कारण

बन रही है। आस–पास के लोग और पेड़–पौधे सभी धुआं रहित बन चुके हैं। धुआं के ऑक्सीजन बहुत प्रदूषित होते जा रहा है। ऑक्सीजन के माध्यम से धुआं शारीर कें अंदर जा रही है और बहुत सारी बीमारियों को जन्म दे रही है। आस–पास इतना प्रदूषण हो गया है कि खेती लायक जमीन भी नहीं बचा है, ना यहां फल उगता है न पहले जैसे खेती होंती है वातावरण बहुत ही प्रदूषित होते जा रहा है। आस–पास़ के नाले तालाब सब पूर्ण रूप से बंदे होते जा रहें हैं पूरा प्रदूषित होते जा रहा है। वातावण तो पूर्ण रूप से प्रदूषित हो ही गया है। रही बत बेरोजगारी की प्लांट में लोकल लोगो को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगो को प्रथम प्राथमिकता दी जाती है जबकि प्लांट से होने वाले दुष्प्रभाव यहां के लोकल लोंगो को भोगना पड़ता है। इससे होने वाले जनहानि प्लांट से होने वाली जनहानि आप–पास के लोगों को भुगतना पड़ता है। अगर एन.आर को विस्तारीकरण हो रही है तो इससे और बढ़ते जायेंगी समस्याऐं जिसका पूर्ण रूप से लोगों को ही नुकशान है। बहुत सारे पेड़ काटे जायेंगे और आस–पास का क्षेत्र बहुत प्रदूषित होते जायेगा। इसलियें मैं एनआर कम्पनी को विरोध करता हूं, विरोध करता हूं।

543. राजेन्द्र गुप्ता, तमनार – मूलरूप से हमारी एक संस्था है कपिल मछवारा समिति जिसमें आज की स्थिति में लगभग इस केलो जलाशय जुड़कर 228 सदस्य कार्यरत है, सेवा दे रहे है और यहां से लाभ भी मिल रहा है, पिछले एक दशक से संस्था कार्य कर रही है। जैसा कि मैं आज जो सिस्टम है, सिस्टम के विषय में माननीय पीठासीन महोदया जी को अगाह करना चाह रहा हूं कि जिस तरीके का मास्टर प्लांन माननीय मोदी जी ने 2048 तक के लिये तय किये हैं उसी तरीके से इस अंचल का भी फ्यूचर है जहां संसाधन होता है उसका निश्चित रूप से उद्योग स्थापित होता है। ये क्षेत्र 1985 में कोयले का जब यहां कोयले का पहला सर्वे हुआ, सर्वे की टीम आई कलकत्ता से तो यहां जो सर्वे करके रत्न निकाला गया है हमारे अरबो खरबों की सम्पदा है, उस सम्पदा को हमे किस तरह से उपभोग करना है ये अभी समय है और रहा सवाल उद्योगपतियों का उद्योपति जैसे कि बीच बस्ती में लगा हुआ है 2400 मेगावाट का प्लांट, झलझला के दिख रहा है, आज ओ इतने साल से चल रहा है लोग जी रहे हैं कि जीने का तरीका बदलना पड़ता है सब के घर में एसी लगा हुआ है सबको अपने सिस्टम में जीना होगा तो ये सिस्टम जो बना हुआ है ऊपर से नीचे तक पीड़ित पक्ष का कोई सुनने वाला नहीं हैं। अभी त्रिपाठी जी ने भी बताया कि मुर्दे की जमीन पर भी प्लांट लगा है तो क्या कार्यवाही नहीं हो रहा है। निश्चित रूप से उनके संबंध में भी 9 दिसम्बर को कार्यवाही करेंगे न्यायालय में अर्जी लगा है तो इस तरह से हर समस्या का रखे जाने पर हर उद्योगपति को उसका समाधान भी निकालना चाहिये। मेरा एक निवेदन है कि इस क्षेत्र में किस तरह का बदलाव आ रहा है और आने वाले समय में निश्चित रूप से बदलाव होगा पेड़ तो कटेंगे निश्चित रूप से कटेंगे उसको कोई रोक नहीं सकता है। यहां रहा सवाल नये सिस्टम से नये तरीके से मास्टर प्लान तैयार होना चाहिए। किस तरह का मांस्टर प्लांन हो किसा तरह का विकास होना चाहिये उस पर ध्यान दिया जाय न कि विरोध

विरोध। विरोध–विरोध करते हुए 9 वर्ष तक हमारी यहां आंदोलन हुआ आखिर में क्या प्लांट नहीं लगा, 9 वर्षो तक मेरे दरवाजे के सामने में 2000 पब्लिक रात के 12 बजे रात तक आंदोलन करते रहे, लेकिन आखिर में जा करके प्लांट नहीं लगा क्या? क्योंकि यहां पर अपार सम्पदा है उसके लिये जो हमारे देश के प्रधानमंत्री, हमारे राज्य के मुख्यमंत्री हैं सब समर्पित है, सब चाह रहें हैं विकास, विकास का पक्षधर कौन नहीं हैं हर कोई विकास का पक्षधर होता है, विकास का पक्षधर होना ही चाहिए और जहां विकास होता है वहां विनाश भी निश्चित है। धंन्यवाद इतने से शब्दों के साथ इस छोटी सी कम्पनी का विस्तार करता हूँ। जय हिन्द।

544. उदासिन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
545. टिकेश्वरी, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
546. ललिता, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
547. सुखमती, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
548. भगवती, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
549. दुरपती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
550. सहोद्रा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
551. टिकेश्वरी प्रधान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
552. सहोद्रा प्रधान – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
553. सहेत्तरीन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
554. लक्ष्मीन – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
555. किरण – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
556. मालती, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
557. द्रोपती, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
558. ललिता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
559. गुलापी, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
560. तिजाबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
561. लक्ष्मीबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
562. वृंदा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
563. सहोद्रा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
564. तिलोतमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
565. पिंकी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

566. किरण, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

567. पुष्पा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

568. जमुना – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

569. सीमा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

570. सकुंतला, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

571. भगवती – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

572. सविता – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

573. कमलावती, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

574. कमलाबाई – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

575. भुनेश्वरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

576. ज्ञान सिंह, रायगढ़ – मैं विरोध प्रदर्शन के लिये आया था। मैंडम आपको पूरा मालुम है पूरा जानकारी है कि जो समस्या है सब गिना के चले गये हैं, बहुत सीनीयर समझदार लोग आये थे, ग्रामीण लोग आये है युवा लोग आये हैं, सभी कोई आये हैं और आप सभी लोग ये जानते हैं और आप तो विशेष तौर पर ये जानते हैं कि इस समस्या से कैसे निराकरण मिल सकता है। इससे निराकरण दिलाने के लिये आप जो भी कदम उठायेंगे हम आपके साथ रहेंगे पर आज मैं विरोध प्रदर्शन करता हूँ।

577. परशु – विरोध।

578. शिव कुमार – विरोध।

579. सुनील कुमार सिदार – यहां सभी उपस्थित शासकीय प्रशासकीय अधिकारी सभी को मेरा सेवा जोहार। ग्राम शिवपुरी आदिवासी की बस्ती है। यहां की सभी आश्रित व्यक्ति सिर्फ यहा के जल, जंगल, जमीन से ही आश्रित है, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, यहां अगर उद्योग विस्तार करती है तो डस्ट और ये प्राकृतिक के द्वारा जो जीवन यापन होता है ओ एक दिन नष्ट हो जायेगा। शिवपुरी रायगढ़ ब्लाक में वन भूमि के नाम से जाना जाता है। वन भूमि मतलब यहां अगर उद्योग लगे तो बहुत बड़ी वन भूमि की बली चढ़ जायेगी, उद्योंगो के नाम से यहां मुख्यमंत्री द्वारा बोला गया है कि एक पेड़ अपने मां के नाम तो यहां हजारों प्रकार के प्रजाति पेड़ की बलि चढ़ जायेगी किसके नाम से, किसी के बाप के नाम से, जब पेड़ लगेगा मां के नाम से तो कटेगा किसके नाम से, पिता जी के नाम से, किसके पिताजी के नाम से और यहां पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये जन सुनवाई उपयोगिता, पर्यावरण प्रभाव आंकलन ईआईए अधिसूचना 1994 में इस गतिविधि को सार्वजनिक कहा गया है। हमारे अंचल ग्राम में उक्त उद्योग की स्थापना होने पर वायु प्रदूषण पर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन और हमारे क्षेत्र के लोगों एवं आवागमन हमारे गांव के पालतु पशुओं जानवरो के लिये पर्याप्त जगह चारागाह, गांव के अनेकों परिवार वनोपज पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आश्रित हैं।

हमारे ग्राम के लोगों का जीवन प्रत्याशा पर चिन्तन करता हू तो पता चलता है कि उद्योगपतियों को शासन और प्रशासन अनैतिक रूप से हमारे उपर थोप देती है और हमारी जीवन प्रत्याशा में कमी आता है। उद्योग के द्वारा सामान्य रूप से विशेष कर स्थानीय लोगों को शोषण करती है जबकि उद्योगों का विकास के नाम पर केवल और केवल झूठे वादे ही दिये जाते हैं। यहां उपस्थित पीठासीन अधिकारी में आप सब के माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि उद्योग प्रबंधन स्थानीय लोगों की सुरक्षा सामाजिक न्याय, सामाजिक स्वास्थ्य से सामुदायिक विकास, आगमन के साधनों, स्थानीय लोंगो के जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वनों पर आश्रित हैं के लिये रोजगार भावी पीढ़ी के लिये शिक्षा का महत्व, योजना स्वच्छ जल की उपलब्धता किस प्रकार से करेगी, हमें लिखित आश्वासन के रूप के माध्यम से चाहिये साथ ग्राम शिवपुरी के लोगों को उद्योग प्रबंधन से किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी का लिखित आश्वासन दें। पीठासीन अधिकारी से निवेदन है कि ये मिल सकता है क्या लिखित आवेदन। साधारण बोल–चाल की भाषा में कुछ नहीं होता है इसलिये लिखित में चाहिए अन्य इस जनसुनवाई की ढकोसला को बंद करिये। यह पर्यावरणीय जन सुनवाई जि[illegible] उद्योग को स्थापित करने के लिये किया जा रहा है इस उद्योग के द्वारा पर्यावरण कानून में स्थापना के पूर्ण ही खुला उल्लंघन कर रही है। पर्यावरण की जरूरतों को कानून शासन से आवश्यक तथ्यों के साथ स्वीकृत करता है और यह पर्यावरण की स्थिरता को अधिकारों और दायित्वों से जोड़कर प्रदर्शित करता है। यह जल और मृदा प्रदूषण सहित सभी उद्योगों के मौलिक समस्या है। स्थानीय प्रजातियों के विलुप्त होने के कारण भी है। वनो की कटाई, मृदा अपरदन औद्योगिक करण के कारण मृदा उर्वरता का हश्र भी शामिल हैं। सदन रहे कि हमारे द्वारा उगाये गये तबरिबन 50 सगौन के वृक्षों को काटकर रातों रात जमीन में दफन कार्य भी इस उद्योग प्रबंधन ने किया है। हमारे गांव के किसी भी व्यक्ति को आप पूछ सकते हैं सन् 2001 में 150 पौधे लगाये थे उसमें से 9 पौधे आज मेरे घर में लगे हुए हैं घर के बाड़ी में लगे हुए हैं। आज उसकी स्थिति आप देख सकते हैं। अभी वर्तमान में उस इमारती लकड़ी की राशि तय किया जाये [illegible] कितना होगा ये आंकलन नहीं किया जा सकता। सागौन का पौधा बहुत महंगा इमारती लकड़ी है और उसको रातों रात उद्योग प्रबंधन के द्वारा दफन कर दिया गया था उसका आज तक मुआवजा नहीं मिला, हमने मुआवजा के लिये कई बार बोला। लेकिन उनके कान में चूं तक नहीं हुई, यहीं है एन.आर इस्पात की। और हमने देखा यहां कई लोग है अपना अपना समर्थन दे रहें हैं अपना–अपना विरोध किये। समर्थन वालों को तो एन.आर इस्पात के दलालों द्वारा खरीदा गया है। ओ आये उनको उनकी राशि दिया जायेगा इसिलिये वो लोग समर्थन करके चले गये। उनको पता थोड़ी है ग्राम शिवपुरी को क्या क्या परेशानी झेलनी पड़ेगी? क्या बुरा हाल होगा शिवपुरी का इन लोगों को पता नहीं है। बस समर्थन करते जा रहें है। सबसे पहले उद्योगपतियों को ग्राम सभा करनी चाहिये ग्राम शिवपुरी में। अगर यह उद्योग शिवपुरी में लग रही है तो दूसरे गांव के लोग इसे समर्थन देने आ रहें हैं। इसका सभी श्रेय उन समर्थनकर्ताओं को जा रहा कि

उद्योग प्रदूषण फैलायेगी तो परेशानी शिवपुरी के जनता को होगी। इस उद्योग प्रबंधन ने किया है साथ ही साथ सैकड़ों साल के पेड़ जो सैकड़ों वर्षो में तैयार होते हैं उन हजारों पेड़ों को जमीन के अंदर उद्योग प्रबंधन के द्वारा दफन कर दिया गया है। पीठासीन अधिकारी से अनुरोध है कि यदि इन उद्योग को स्थापित करने की अनुमति दी जाती है तो कई प्रकार की पर्यावरणीय समस्याऐं उत्पन्न होती होगी जैसे की जनसमस्या वृद्धि और पर्यावरणीय गुणवत्ता में वृद्धि, भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण आदि। अतः पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रावधानों के तहत इन संरक्षण अधिनियम 1980 के पालानार्थ उक्त प्रबंधन उद्वोग के द्वारा किस प्रकार का किसी प्रकार की ठोस व्यवस्था नहीं की गई की जानकारी अभी तक उपलब्ध नहीं है। चूंकि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ स्वस्थ और टिकाऊ वातावरण में रहने का अधिकार है। अतः जन सामान्य की समस्या और पर्यावरण द्वारा खतरे को देखते हुए उक्त जनसुनवाई निरस्त करने का कष्ट करें। धन्यवाद।

580. श्यामलाल सिदार – ये लिखे है 4645 पेड़ लगाये हैं मोर टिकरा टार में। पत्र लिखे हं श्रीमान् मण्डलाधिकारी रायगढ़ जिला रायगढ़ छ.ग.। विषय मोर जमीन मा अतिक्रमण तथा पौधा ला नुकसान के संबंध में। महोदय, निवदन है मैं श्यामलाल सिदार निवासी देलारी का हूं कि मोर हक भूस्वामी जमीन ग्राम देलारी मे है स्थित मोर पौधा में लगाय हों अऊ ओ पौधा मोला मिले रिहिस मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना के तहत 4645 वृक्ष। ओला मैं न विभाग अंग ले लगाय रहें। ओकर नुकशान होय है, कृषि भूमि है ओहर आउ ओकर नुकशान ला एन.आर इस्पात हर करें है बिना अनुमति के भूमि में खंभा गाड. दे है। मैं पूर्ण रूप से एन.आर. इस्पात का विरोधी हूं।

581. अमृत लाल – मैं एन.आर. इस्पात का विरोध करता हूँ, विरोध का जल जंगल जमीन एन.आर इस्पात के संचालन से निःसंदेह जल, जंगल, जमीन का नुकशान हमें भरपाई करना पड़ेगा। हमारे ग्रामीणजन को करना पड़ेगा। सबसे पहला मुद्दा जल, जैसे कि हमारे ग्रामीणजन लगभग 90 प्रतिशत तालाब में निपटारा करते है। नहाते–धोते हैं तो उसमें क्या होगा कि एनआर संचालन जैसे और बहुत सारे जो प्लांट हैं, इनके संचालन से एक डस्ट उड़ता है जो पानी में जाकर एक तैलीय परत लेता है जिसके कारण तालाब में जाकर नहाना संभव नहीं है। इकी वजह से हमलोग पहले कुएं का पानी पीते थे, ओ कुएं का पानी आजकल पीने लायक नहीं रह गया। हमलोग नल जल में आश्रित हो गये हैं। दूसरा जमीन प्लांट से निकले हुए प्रदूषित पानी हमारे खेतों में जाकर खेंतों को बंजर कर देते है और यहां से निकलने वाले हैवी ट्रक जो हमारे सड़कों को नुकशान पहुंचाते हैं। सड़क लगभग 32–40 टन का बनते है लेकिन देखा जाता है कि 70–80 टन की गाड़ियां उसमें चलती है। जिसके उपर में कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। इनके प्लांट से निकले हुए पानी से जो उपजाऊं खेत हैं ओ बंजर होते जा रहें हैं। और जैसे कि आप सब को पता है कि हमारे ग्राम में प्रदेश में तेन्दू पत्ता तोड़ाई का कुछ आय अर्जित होता है तो तेन्दूपत्ता इनके डस्ट

से काले हो रहें है। तेन्दू के पेड़ कम हो रहे हैं, साल के जो बीज होते हैं अे भी काले हो रहें हैं, तो ये सब नहीं हो पा रहा है। इसी कारणों से मैं एन.आर इस्पात के पूर्ण विरोध करता हूं, कृपया इसको रिजेक्ट करें। जय हिन्द जय भारत।

582. कान्हा सिदार, शिवपुरी – विरोध है।

583. बाबूसिंह – विरोध है।

584. ठिलेश्वर – विरोध है।

585. विकास – विरोध है।

586. मैं ग्राम शिवपुरी से हूं हिन्दी बात करना नी आय तो छत्तीसगढ़ी में बात करत हो मैं। मैं जो भी बात करूंगा ओ हामर गांव बर ये, हामर शिवपुरी गांव के बर ये जहां जनसुनवाई होत है। मैं पूछना चाहता हो जो कंपनी आत है एन.आर. इस्पात वो हमर गांव ही क्यों और भी बड़े–बड़े जंगल है, जंगल के बीच में लेके जातिस, जब लोकल आदमी ला काम भी नी देत है ओ बाहर के ला देथे तो बाहर ले आए व्यों बाहर में रीही, कम्पनी में रीही दूर में तो हमर गांव ही काबर? जंगल में पानी तो मिले नी ओला, कोई बाहर भी जाही तो बाहर में भी पानी नी मिले ओला। हमर गांव में सबसे बड़े सुविधा ओला पानी के है। सबसे ज्यादा ये प्लांट ला का चाहिए खाली पानी। हमर गांव में जो नदी बहात है, छोटे–मोटे नी ये, कितना भी बरसात हो, धुप हो लेकिन हमेशा पानी बहत रथे। ओला का चाहिए पानी, जंगल भी काट दीसं। आदिवासी गांव ला जंगल से का नी मिले, हर एक सुविधा मिलथे आउ मिलत आत है लेकिन हामर गांव ला आज कम्पनी खोला दीस है। जोन चेक करे आथे ढंग से चेक भी नी करें कि कैसे हामर गांव ला चारो तरफ से घेरे है। डब्बा के जैसे है हामर गांव। गांव वाला ला पता नी ये कि आगे होने वाला का है, ये कम्पनी जब बैठ जाही का रिही गांव में केवल कोयला डस्ट रिही। हामर गांव में लाईट नी रहे ले सब आदमी नहाय जाथे, हांसथे, खेलथे, हम बचपन से वहीं नहाय हन, कितना मजा आए है और आज कम्पनी खुल गे ता कहां जाबो कहां ठी तराई कहां ठी नदी है। घुरवा में उनडलबों, राख ला चुपरबो, एन.आर. कम्पनी स्विमिंग पुल खोलही हामर गांव में, हामर जिन्दगी का रह जाही आने वाला पीढ़ी कही। अगर मोर बोले में खराब लागही तो मैं हाथ जोड़ के माफी मागत हो। कोई मोर उमर ज्यादा नी होय है, ज्यादा पढे लिखे नी ओ, जो हामर गांव में होत है जो बीतने वाला है, मैं आगे के ला सोचत हों। इसी समय कलेक्टर मैडम जी भी है, कुछ सोचें। सरकार ला भी सोचना चाहिए कि खाली एक गांव ला काबर। कोन सोचे आदमी के बारे में, एक उद्योगपति आत है पानी है कि नहीं हैं बने चेक कर तो ओ करा, ओ करा खोलना है मतलब खोलना है। पैसा होना चाहिए बस, सामने में कोई भी रहें। ले भैया गलती होही तो मांफ करिह, मोर वाणी ला विराम देत हो।

587. ननकुराम, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

Asaly

588. दिनेश सिदार, शिवपुरी – विरोध है।

589. सवितारथ, रायगढ़ – श्रीमान् पीठासीन अधिकारी माहेदय, क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायगढ़ उपस्थित जितने अधिकारी राजस्व के हैं, रक्षा क्षेत्र से हैं, यहां उपस्थित जो भी बहनें है जो मेरे से पहले बोल कर जा चुकी हैं और यहां के जो बुजुर्ग हैं उनका सादर अभिनंदन करते हुए मैं सविता रथ जनचेतना रायगढ़ से हूं और पर्यावरणीय मुद्दा पर मेरा काम रहा है। इस कंपनी से सीधे प्रभावित हूँ पहले रायगढ़ इस्पात के लिये बृहद बृहद आपत्तियां हमने की थी और उसी के पास जो आज जनसुनवाई में फिर से आपत्ति है। जो आज इकाइयों के जनसुनवाई करवा रहे हैं बहुत सारी कहां है अंगूर के गुच्छे की तरह हैं और इसकी ईआईए की जो बात है, ईआईए की बात थोड़ा मैं सेकेंडरी रख रही हूँ, उद्योग और उसका मुझे लगता है कि जिला प्रशासन को भारत का राजपत्र जो है जो नई दिल्ली 23 मार्च 2020 को आया है कम से कम आपको समझने और पढ़ने की आवश्यकता है ये मेरे घर में नहीं छपा है कि आपको जनसुनवाई कराने की किन शर्तों में है किन नियमों में है, तो आप नहीं शर्तों के उल्लंघन जो करते हुए ऐसे सुनवाईयों को लगातार कर रहे हैं यकीनन आप पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सूचना नई दिल्ली 23 मार्च 2020 के केंद्रीय सरकार पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1886 का धारा 29 के 3 में उपधारा एक और धारा 2 के खंड 5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपने जो उल्लंघन किया है उसको क्षमा मांगते हुए आप काम से कम ऐसे जनसुनवाईयों को तत्काल आपको स्थगित कर देना चाहिए, आपको कोई अधिकार नहीं है ऐसे जनसुनवाई करवाने का, कि आप खुद कानून को आप हाथ पर लेके बात कर रहे हैं, ये जनसुनवाई में जो कुछ महत्वपूर्ण जो मुझे समझ में आया कि अगर आपको जनसुनवाई करवानी थी तो क्या करना था ये प्रारूप को आप पढ़े होते यकीनन आप जो 400 किलो का ईआईए है उसको इसीलिए नहीं पढ़े होंगे क्योंकि वह टोटल इंग्लिश में है और उसके बाद यहां की स्थानीय लोग पढ़े होंगे या पंचायत के अनुमति मिली होगी तो इतनी तकनीकी रूप से अंग्रेजी में जो छपा हुआ है वह हिंदी में नहीं छपा है तो इंग्लिश की जो ईआईए है उसको समझा होगा और अपनी बात रखा होगा विशेष रूप से मुझे नहीं लगता कि आप जितने डाटा और कागज की क्वालिटी में खर्च किए हैं कम से कम पांच पेज हिंदी का भी लिख देते तो लोगो के समझ में आती, सही तथ्य खास कर महिलाओं तक बातें जाती, आदिवासी अनुसूचित जनजातीय, क्षेत्रो में हमारे लिए हमारे लिए सहज हो जाता, लेकिन आपको बता दूं कि आपने जिस तरीके से केंद्रीय सरकार पर्यावरण संरक्षण मंडल नियम का आपने जो उल्लंघन क्या है उसमें आपको इस अधिसूचना का संक्षिप्त पर्यावरण संघात विवरण 2020 के तहत आपको यह जनसुनवाई कराने का कोई हक अधिकार नहीं है इसीलिए नहीं है कि आपके यहां स्पष्ट रूप से लिया लिखा गया है कि नियमित क्षेत्र में आपको मूल्यांकन समिति का गठन कर के किसी भी सुनवाई को करवाने से पहले कमेटी का गठन करना था अगर कमेटी का गठन कर लिया होगा आप लोगों ने जिसमें आधार रेखा आंकड़ा जिसे इसके पश्चात

बी.ए.डी कहा जाता है, ईआईए बनाने वाले कर्मचारी जरूर जो कह रही हूं से पूर्व परियोजना या पूर्ण विस्तार पर्यावरण प्रदूषण को चित्रित करने वाले आंकड़े अभिप्रेत हैं उसमें स्थल को पावर अध्ययन क्षेत्र के प्रस्ताव वायु और जल वनस्पति भूमि जात, सामाजिक आर्थिक आदि के आंकड़े उसमें समाहित होने थे इस आकड़ा को शुरुआत करने से पहले ओ इनके एआईए में कहीं भी नहीं है, इन्होंने जो किया दिया है जबरदस्त नया आईडिया दिया है इन्होंने 1 से लेकर 5027 तक उनकी पूरी बाउंड्री वॉल में जो पेड़ लगे हैं, इसका एक–एक पेड़ का इन्होंने जीपीएस डाटा डाला है। उत्तरांश और दक्षिणांश, तो आप बैठ जाइये 5000 पौधे जो दिये हैं, बाकी जो 5 लाख पौधे दिये हैं उसका कही नहीं हैं इनकी बाउंड्री के अंदर इन्होने जी.पी.एस घुमाया है और उसका आक्षांश देशांश इन्होने डाला है अब उसको कैसे आप साबित करेंगे और उसको कौन सी टीम जांच करेगी, अगर आपके पास ऐसी कोई टीम है गठन है जो इस परियोजना क्षेत्र के लिये जांच करने के लिये जारी अधिनियम के पर्यावरण संरक्षण 1986 का अधिनियम 29 अभिप्रेत हैं उसमें ई. आई.ए. रिपोर्ट भी आता है और पर्यावरणीय आपत्ति प्रदान करने के लिए जो मूल्यांकन समिति द्वारा ल परामर्शो के परिणाम की विस्तृत समीक्षा का अभिप्रेत है ओ चीजें आप कौन है ओ बन्दा, कौन है ओ लोग जिसके साथ ये ई.आईए. बनाया गया और कमिटी आपको कब मौका मिला और कब आप एस.आई.ए सम्पर्क समाज में क्या प्रभाव पड़ेगा, जलवायु में क्या प्रभाव पड़ेगा, आर्थिक सामजिक क्या प्रभाव पड़ेगा, आपके केन्द्रिय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आपको 1974 की धारा 6 के अधीन जो गठित करना था ओ केन्द्रीय कमिटी में कौन है जो आपके इस परियोजनाओं को रोज जो जन सुनवाई करवा रहें हैं तो हमारा भू–गर्भ जल स्थिति क्या है हमारे वायु प्रदूषण का स्थिति क्या है, क्या हगें अन्य नये उद्योंगो को विस्तार देने या नये उद्योगों की स्थापना करने की स्थिति में क्या यह क्षेत्र है और अगर नहीं है तो यह जनसुनवाईयों बिना हरित भवन निर्माण प्रमाण पत्र, एकीकृत प्राकृतिवास निर्धारण, जिसको जी.आई.आर एच. ए के लिये हरित रेटिंग के कार्यक्रम भारतीय ऊर्जा और पर्यावरण डिजाईनर के रूप में नेतृतत्व ए.ई.ओ. बेहतर दक्षताओं के डिजाईन में उत्कृष्टता का समय–समय पर मंत्रालय द्वारा जारी किसी तृतीय पक्ष का हरित भवन रेटिंग प्रलाणी के अधीन जरी प्रमाण पत्र अभिप्रित है। ये जो पूरा क्षेत्र है औद्योगिक कलस्टर क्षेत्र है और इस अधिसूचना के तहत् पैरा 24 के उप पैरा 3 के लिए मानदण्ड अनुसार आपके यहां इस जनसुनवाई को कराने से पहले आपको प्रमाण पत्र हासिल करना था, यहां के स्थानीय कमिटी का गठन करना था, जो ला कलेक्टर के द्वारा किया जाता है कि क्या हमें और उद्योग की जरूरत है क्या हमें और हमारे भू–गर्भ जल में इतना पानी है कि हम नये उद्योग को सींच पायें या लोगों के यहां के जो पूर्व रहवासी परम्पराग निवासी है उनके खून से सींच कर की गई है कम्पनी को तो पानी कहां से लाओगे नहीं मालूम। ये पर्यावरणी संघात अधिनियमों में आपको बता दूं कि आपके जिला स्तरीय कमेटी में करने का अनुमति दिया कृपया करके पढ़कर बताइये मुझे। ओ कौन जब यहां के सारे जब अध्ययन हुआ ये ई.आई.ए

बनी तब उनकी भूमिका क्या थी, क्या उन्होने प्रतिवेदन आपके यहां जमा किया है कि हां इस क्षेत्र में और उद्योगों की जरूरत है, और अधिक ये पर्याप्त जल है जिसके कारण यहां और उद्योग पनप सकते हैं आप तो केवल हमारे लापरवाही नहीं है, उद्योग प्रबंधन के प्रति भी लापरवाह हैं कि बेचारे की आप तो पूंजी ही डुबा दोगे क्योंकि आप पढ़ के हि नहीं आये। आपकी कमेटी में राज्य प्रदूषण जो बोर्ड है इसके पश्चात यह जो जल प्रदूषण की बात है वायु प्रदूषण की बात है और इनकी योग्यता विशेष रूप से आपको बता दूं जो यह ऐसे वैसे लोग नहीं कर सकते है, जो संकटमय प्रदूषित है, जो पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र हो गया है केवल इंसानी जीवो के लिए नहीं पूरे जैव विविधता की बात कर रही हूं आपको बता दूं कि, इस प्रारूप के कार्यात्मक क्षेत्र विशेषज्ञों की इनकी जो योग्यता होनी चाहिए कम से कम मास्टर की डिग्री एमएससी होनी चाहिए थी, और आपकी कमेटी में कितने ऐसे विशेषज्ञ होंगे जो आपके अत्यंत प्रदूषित क्षेत्र के औद्योगिक क्लस्टर क्षेत्र के अभिप्रेत जिनकी जान पहचान समय पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अत्यंत प्रदूषण क्षेत्र के रूप में होती है उसमें गौण धातु वैज्ञानिक होंगे विस्तारण होंगे आपके अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति के लोग होंगे आपके जोखिम धारण और व्यावसायिक स्वास्थ्य से संबंधित जुड़े लोग होंगे। जीव विज्ञानी वनस्पति और जीव जंतु संबंधित प्रकरण पानी की या अन्य जीव अन्य समुद्री विज्ञान वाले जो जल की जानकार है जो पर्यावरण अर्थशास्त्र के साथ परियोजना के मूल्यांकन का अनुभव रखता हो, उस व्यक्ति के कमेटी से आपको जांच करवाने के बाद जनसुनवाई करवानी चाहिए थी, जो जनसुनवाई आप लोगों ने आनन फानन में कर दिया है हमारे सीएम साहब हैं बोल दिये, लोक प्रशासन और प्रबंधन पर्यावरण अर्थशास्त्र जिसके साथ परियोजना का अनुभव रखता हो ऐसे लोगों को आप लोगों ने रखा, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आया संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति का कोई अधिकारी डीआईएस के सचिव के रूप में कार्य करेगा वह कौन है, किस अधिकारी को अपने सचिव बनाया था इस जनसुनवाई को करने से पहले, अध्यक्ष है या सभापति ऐसा प्रतिष्ठित व्यक्ति होगा जो पर्यावरण नीति संबंधी विषयों में प्रबंधन के विभिन्न विकासात्मक सेक्टरो के संबंधित लोक प्रशासन के अनुभव रखता हो, आयु और अनुभव इस अधिसूचना के खंड 6 के उपखंड एक के मापदंड अनुसार होना चाहिए था क्या आपकी ईआईए इन मापदंडों में बनी थी, आपने यह जांच किया था कि आपके पास इतने प्रशासनिक अधिकारी हैं, कमेटी अपने गठन किया है तो किस आधार पर आपने यह जनसुनवाई क्या है, हैरान हूं कि मेरे को गैर सरकारी सदस्य जिसके अध्यक्ष या सभापति भी है उसका अधिकतम कार्यकाल मूल्यांकन समिति या प्राधिकरण के किसी एक समिति या प्राधिकरण के 3 वर्ष आया उसे दो पदाधिकारी के अध्यक्ष और सभापति और सदस्य सूचना के समिति गठित किए जाने चाहिए थे, आदरणीय आपको बता दूं कि अभी तो मैं ईआईए में केवल एनआर एंड प्राइवेट लिमिटेड हिंदी में इन्होंने जो कार्यपालक सार को लिखा है, इसमें इन्होने सोशल इंपैक्ट असीसमेंट रिपोर्ट नहीं है आपको बता दूं भूमि के जो प्रकार हैं जिसको ये 99 साल के लिए लीज में लेके जा रहे हैं,

आपको बता दूं कि कुल इनकी जो जमीन है इन्होंने औद्योगिक विकास सीएसआईडीसी द्वारा अबंटित सरकारी भूमि है, आप हमारे वन अधिकार पट्टा को नहीं देखेंगे सामुदायिक वन अधिकार नहीं देगें, सामुदायिक रिसोर्स राइट नहीं देंगे लेकिन आप किसी उद्योग के स्थापना के लिए समुदाय के जो निस्तार जमीन जरूर दे देंगे वह भी कितने साल के लिए 99 साल के लिए, आप ने जो कहा है कि झाड़झक्कड़ रहित भूमि राख भंडारण, राख तालाब 2.1 प्रतिशत ये इनका प्रस्तावित है फ्लाई ऐश डाईक अभी तक डाई नहीं हैं तो आप ये बताइये कि राष्ट्रीय उद्यान वन्य जीव अभ्यारण नहीं है 10 किलोमीटर की परिधि में तो राम झरना क्या है? केलो डेम क्या है? चिड़िया लोगों का नहीं है जल चारों का नहीं है? क्या जल चारों का तो है ना? कैसा ईआईए बनवाते हैं अच्छा खासा उद्योगपतियों को बेज्जती करवाते हैं, आप यह बताइए 13 जनवरी 2010 के पर्यावरणीय, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र है क्या ये पूछा गया था, इन्होंने लिखा कोई नहीं, गंभीर रूप से इन्होंने नहीं माना अब आप बताइए आपका डाटा क्या कहते हैं पर्यावरण अधिकारी साहब यह गंभीर प्रदूषण क्षेत्र है या नहीं आप सत्यनारायण बाबा थोड़ी हैं कि शांत होकर बैठे रहिएगा कोसमघाट वाला, तो आपको बता दूं कि इनके प्लांट मैं ये बोलते हैं की मां बंजारी मंदिर हवाई दूरी नाप रहे हैं राम झरना 7 किलोमीटर, अभी बोलते हैं कि 10 किलोमीटर के अंदर में इनका कोई नहीं है, दूसरे पेज में बोलते हैं 7 किलोमीटर में है, इनका किस में? जीपीएस सिस्टम में आप नाप के देखिए सेटेलाइट द्वारा, इतना बड़ा पर्यटक स्थल है कि दुनिया देखने आता है, आपका टीपाखोल बांध और आपका राम झरना, इसके साथ प्लांट क्षेत्र जो एनजीटी के दायरे में नहीं आते हैं, साहब आपके पास तो एनजीटी के आदेश आते होंगे न? क्या उन आदेशों को मानने के लिए हमारे पर्यावरण इतना सक्षम है इतने लोगों का वहां पे विशेषज्ञो का रखा है जो ये सारी चीजे देख ले इसका फायदा उठाते हैं नायडू साहब, नागार्जुन में मजे ले रहे है, जान रहे हैं कि हमारे पर्यावरण अधिकारी साहब अकेले केम्पा का एक गाड़ी मिल गया है वही बहुत है हो गया फुर्सत, इसके बाद क्या है इनका कहना है कि ये रक्षा प्रतिष्ठान बिल्कुल नहीं है, साहब आपका केलो परियोजना पूरे तरीके से गायब है, आप केलो बांध परियोजना को गायब कर दिए साथ ही साथ उर्दना पुलिस कैंप जो अभी–अभी 2 दिन पहले यह लोग पूजा कर रहे थे पुलिस शहीद दिवस के ओ में, दुनिया भर का हथियार निकाल कर पूजा किए हैं, नहीं किये होंगे तो केस कर सकते है मेरे नाम पर, कि वहां सबसे ज्यादा रक्षा प्रतिष्ठान के सामान उर्दना में है, 2 किमी है सर! दुनिया भर के वहां पे अलग–अलग तकनीकी रूप से वहां रायगढ़ के प्रशासनिक ला एंड आर्डर को संभालने के लिए तमाम चीजें है, जिसका ये पूजा किया है दशहरा में उसके बाद पुलिस शहादत दिवस में परेड के समयं भी उन हथियारों का उपयोग करके वही जमा भी कर दिये, अब आप बताइए रक्षा प्रतिष्ठान में उर्दना पुलिस कैंप नहीं आयेगा क्या? तो आपको बता दूं कि आरक्षित वन आपके जितने भी इन्होंने डेटा दिए हैं आप इंग्लिश अच्छा लिख लेते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि जो हिंदी

क्षेत्र के लोग हैं ओ आंख मूंद के मक्खी निगल लें, आपको बता दें जो जल निकाय मौजूद हैं इसका उपयोग जल भण्डारण के लिए जलाशय के रूप में किया जायेगा, ये बोल रहे हैं कि परियोजना स्थल के भीतर दो जलाशय मौजूद है वह कौन है क्या नाम है जलाशय का, किसका जलाशय है कम्यूनिटी का समाज का तालाब है, प्राकृतिक जलाशय है, जल का भंडारण के लिए किया ये अलग डैम बना रहे हैं, यह कहां का पानी का उपयोग करेंगे आप ये बताइए कि इनके जो हवाई अड्डा की बात पूर्व बोल दिए हैं हम जिंदल को ही अपना हवाई अड्डा मान चुके हैं क्योंकि आप तो अंबिकापुर ले गए, रायगढ़ वालों का कोड़ातराई को हटा के तो हम उसी को मानते है, तो आप बताइए उस आधार पर क्यों लिया गया औद्योगीकरण को बढ़ाने के लिए उसको महामाया एयरपोर्ट के रूप में बनाया गया, आदरणीय आपको बता दूं पुनर्वास और पुर्नस्थापना कृपया करके देखिए पूरा गांव अभी 9 से 10 फीट दीवाल के अंदर बंद हो गया है, बंधक है गांव वाला शिवपुरी ओ बच्चा जो मेरे से बोल के गया उनके लिये अभी रास्ता नहीं है चलिये दिखा देते हैं महिलाएं आज भी इनके पास जो शौचालय की बात है निस्तारण की बात है, रास्ता नहीं है। किस्मत से मुझे रास्ता नहीं मिला पीछे से पैदल आई किनारे–किनारे, दो दीवालों से घुसकर एक बुजुर्ग महिला नहा कर निकल रही थी। ये हालात हैं और हम आ गये हैं जनसुनवाई करवाने। आदणीय इनके गांव के विकास की ओर ये हरित पट्टी की रख रखाव करना बोले थे, पहले पूर्व के दो ई.आई.ए. में जनसुनवाई करवा दी कम से कम उसका तो मूल्यांकन कर लिजीए फिर नया उद्योग को स्थापना के लिये मौका दीजिए। इसके बाद ये बता दूं जितने भी सीमेंट और ट्रक ये कर रहें हैं आपको बता दूं कि इनका जितना भी कन्जरवेशन जीपीडीपी इसमें इनका सबसे जो महत्वपूर्ण है बीपीएल परिवार है, इनके लिये इनका कोई योजना ई.आई.ए में नहीं है कि कोई भी भूमिहीन महिला इनके पास नहीं है। आपको बाता दूं कि जिससे ये हेल्थ के लिये क्या करेंगे, उस हेल्थ में छोटे बच्चे से लेकर गर्भवती महिला तक, किशोरी बालिका, आंगनवाडी. केन्द्रों और ये तमाम चीजें हैं। इसके अलावा ये एजुकेशन में क्या करेंगे? बीलो पॉवर्टी लाईन में रहने वालों के लिए इनकी क्या भूमिका है? अगर ये उद्योग ले लिये तो उनके संसाधन के लिये तो क्या करेंगे? नेचुरल रिसोरसेस मेनेजमेंट इनका क्या होगा? लाईवलीहुड एण्ड अदर मेट्स ऑफ पूअर एण्ड वनरेबल ग्रुप का क्या करेंगे ये? आपको बता दूं यहां जो इनको स्कूल, आंगनवाड़ी, पी.एच.सी. बीईओ, पीडीएस इनका जो इनफॉर्मेशन डेटा नीड जो इनको चाहिए, कलेक्ट्रेट जो एनालिसिस करना था कुछ नहीं हुआ है। वहीं पर रोड्स लैंड एजुकेशन ऑफ ट्राईबल, एग्रीकल्चर प्रोडक्शन ह्यूमन डेवलपमेंट हेल्थ एंड वेल बीइंग सैनिटेशन यह तमाम चीज पे इन्होंने कुछ भी नहीं किया, कोई डेटा नहीं है कि कितने आंगनबाड़ी प्रभावित होगी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इसके अलावा इनका यहां जो सिचुएशन एनालिसिस गिफ्ट इनफॉरमेशन की क्वालिटी क्या होगी? कौन करेगा, ओनरशिप कौन करेगा? इसका जो ओनरशिप प्रक्रिया है कलेक्टिव मेकिंग डिजाइन प्रोसेस कौन करेगा इनका क्या है आगे इस क्षेत्र के लोगों के विकास के लिए

इनके पास जो सिचुएशन क्या होगा और उसे सिचुएशन का यह किस तरह से प्रिपेयर करेंगे? हुमन रिसोर्स इनके पास कितना लगेगा उसमें महिलाओं को कितना रोजगार मिलेगा क्योंकि महिलाएं जो हैं एक सम्मानित रोजगार कर रही हैं इनके रिसोर्सेस में जो चाहे वह मनरेगा हो कम्युनिटी का मामला हो सीएसआर हो लो कास्ट हो अन्य आदर्श रिसोर्सेस हो इसके अलावा इनका चाहे और आप गवर्नमेंट का एसबीएम हो एनआरएचएम हो सीएचएसएल हो ट्रिपलएसएस हो अंडर द कमांड ऑफ जीवी हो, इनका कोई रिपोर्ट इनके पे नहीं है, चाहे वैसे जी हो फेडरेशन के लिए क्या करेंगे पीपल आपके लिए क्या करेंगे यह उनके पास ऐसा कुछ स्पष्ट उत्तर नहीं है व्हाट इस रिसोर्स इन लॉ क्या करेंगे उनके सारे रिसोर्स लेने के बाद उनका और कौन सा रिसोर्स छोड़ेंगे? हाउ इज द जो चौलेंज है आप कैसे उस चौलेंज को ठीक कर पाएंगे सरकार के पास क्या योजना है शिवपुरी, देलारी गेरवानी लाखा के महिलाओं के लिए यहां के युवाओं के लिए आप क्या इनलोप्प तैयार किये है बताइये? जब छत्तीसगढ़ का जब ये आप इतना सारा जो पेपर है गाइडलाइन है, रूल्स है, ग्राम सभा का है, पंचायत का है, ये कहां हैं आपके ईआईए में, तमाम चीजों व्यक्तिगत रोजगार क्या देते हैं आप? क्या विकास के काम करेंगे उसकी जांच कौन करेगा और कब तक करेंगी कमेटी कहां है यहां के स्थानीय लेबल कमेटी बननी चाहिए, तो मुद्दा ये है जिले में कौन कमेटी है प्रभावित क्षेत्र कमेटी कौन है और जिले मैं कौन है केंद्र में कौन है और आपके राज्य में कौन है उसका सूची कब और कितना टाइम देंगे समाज के सामने आ तो गए हैं जनसुनवाई करवाने लेकिन मुद्दा यह है कि यहां के लोगों के लिए जो आप सिंपल मॉनिटरिंग सिस्टम क्या है बताइए, आप मॉनिटरिंग को कैसे करेंगे, कौन हैं आपके पास ओ कौन अधिकारी है और उनका क्या एजुकेशन है, अब वह अलग बात है कि आप नागार्जुन नायडू साहब के एक ही का फोटो कभी करवा दिए थे रायगढ़ वाले उसका आज भी करवाए हैं, कल भी करवायेंगे, एक लाईन भी इधर–उधर नहीं है, सभी वहीं लाईन है कसम से। मजाल है ये कि थोड़ा सा मेहनत कर देते तो आपको ये दिन नहीं देखना पड़ता। लंकिन आपको ड्राफ्ट प्लान, डीएसआ ग्राम सभा, ग्रापंचायत ये सारे चीजो के स्टेप पर प्रिपेरेशन को आप ड्राफ्ट प्लान तैयार कर लेना था, क्या है आपका डाक्यूमेन्ट्स प्लान तो कल भी से यही सब मिलेगा इसको नहीं पढूगीं। इसके बाद मैं आपको बता दूं कि मैं इसका ये जो है रायगढ़ इस्पात का भी ले आई थी, भला 10–20 उद्योग हैं सबका ई.आई.ए. मेरे हाथ में है और कुछ नया करतुत तो नहीं कर रहें हैं और इस तरीके से ऐसे जनसुनवाईयों को आपको नहीं करना चाहिये। इसके अलावा मेरा पूर्व का मांग था जो जनसुनवाई को करवाने आप बुलाते हैं सरकार के लोग चाहे ओ पुलिस विभाग के हो चाहे ओ राजस्व विभाग के हो चाहे पर्यावरण विभाग के हों चाहे यहां के कोटवार हों ये शुद्ध रूप से औद्योगिक कार्य है जिसके आवेदन में जन सुनवाई करवा रहें हैं ओ सरकार के जो अधिकारी हमारी सुविधाओं के लिये नियुक्त होते हैं आप उनको किसी भी हालत में निजी उद्योग के लिये नही ले जा सकते हैं वहीं पे आप जो बाउंसरों की बात हैं, ऐसे आइंदा कोई भी बाउंसर न दिखे नही

तो आंदोलन होगा जन सुनवाई नहीं होगा, बाउंसर लाने की और ज्यादा पैसा खर्च करने से लाख गुना हमारे जिले के एस.पी. साहब हैं उससे यहां के जो अलग-अलग विभाग के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी हैं उसमें महिला कर्मचारी शामिल हैं हिम्मत कैसे हुई आपका हमारे एस.पी. साहब के सुरक्षा व्यवस्था को दर किनार करके आपके निजी कम्पनियों के सुरक्षा व्यवस्था में करा लेते फिर जनसुनवाई, उनको किस आधार पे बुलाये हो, या तो आपको भरोसा नहीं हैं कि आप जनसुनवाई उनकी सुरक्षा के बिना अपने बाउंसरों के बिना करवा लोगे एक बात, दूसरी बात पैसा से निजी लाये हो तो पैसा से 5–7 बाउंसर लाये, बिना पैसे को पुलिस विभाग का सुरक्षा चाहिये तो तीन हजार रूपये इनकी सुरक्षा के लिये, ठीक है जी, क्योंकि फ्री में है। आपको बता दूँ पुलिस विभाग को उनके जो एस.पी साहब हैं पद अनुसार आप कम से कम जितने यहां अतिरिक्त अनावश्यक बेकार काम में जुटे हैं आपको तो अपने निजी सुरक्षा में है तो उन्ही से करा लो हममे कोई बहुत बड़ा अपराधी थोड़ी है हमलोग तो आपको बता दूं कि आपको पद अनुसार कम से कम एक दिन का उनका भत्ता उनके एकाउंट में डलवाना देना चाहिये, आप हर्षमंदर हो चाहे सिन्हा साहब हो चाहे स्वर्गीय राहुल साहब हो उनको याद कीजिये की रायगढ़ जो है संस्कारधानी रहा है। कल पेपर में मैं पढ़ रही थी कि उद्योग इस्पात नगरी, मैं बोल रही हूं ये संस्कारधानी था, है और रहेगा। मैं ई.आई.ए. से एक कदम आगे नहीं बोलुंगी न एक कदम पीछे नहीं बोलुंगी इसलिये क्या है ऐसे जनसुनवाईयों को आयोजन करने से पहले आपको इन नीतियों पर काम करना चाहिये, मुद्दा यहां विरोध या समर्थन का नहीं है, नीति नियमों में करेंगे तो आने वाली पीढ़ी आपको याद रखेगी और सम्मान रखेगी कि हां मेरे यहां इस तरह की अधिकारी कर्मचारी थे। आज मैं आपको बता दूं राधेश्याम राठिया जी जो हमारे सांसद महोदय है, उन महोदय का बहुत बड़ा दया है कि उन्होने अपने गांव में एकलव्य स्कूल खोला चुका है। आवासीय छात्रावास है लेकिन आपको बता दूं उस आवासीय छात्र उस छात्रावास में पढ़ने लायक हमारे क्षेत्र के बच्चे नहीं हैं और चले भी रहें हैं तो यहां औद्योगिक प्रदूषण में जितनी बीमार उनके अंदर है कि उनको लौटना पड़ रहा है, तो याद रखिये अच्छे नीति, नियम चाल-चलन, चेहरा मजबूत रखिये तभी हमारी आने वाली पीढी रहेगी और आपको ये पैसे तो दिलाना ही पड़ेगा चाहे पुलिस विभाग हो, चाहे राजस्व हो चाहे पर्यावरण विभाग हो, चाहे कोटवार हो चाहे हमारे यहां स्वास्थ्य विभाग हो, कल का जो भी इस जनसुनवाई में आया उसको उसके एक दिन का भत्ता दिलवाईये, नहीं दिलवायेंगे तो कल के लिये आपकी जनसुनवाई मुश्किल होगी। मंच के माध्यम से आपको बता रहीं हूं बताईये फिर देखिये दो सिपाहियों में जनसुनवाई नहीं हो गया तो सविता रथ का नाम बदल के कुछ-कुछ रख सकते हैं, तो मेरी बात इतनी थी कि मैं लिखित में भी अपनी आपत्ति दे रही हूं और इस जनसुनवाई के खिलाफ दे रहीं हूं, मैं उद्योग या उद्योगपतियों पे नहीं जा रही हूं क्यों? क्योंकि ओ बेचारे ई.आई.ए ही ऐसे बनने वाले से बनवाये हैं जिसका कोई ठिकाना नहीं हैं कोई रिसर्च नहीं है, बिना रिसर्च के बिना जानकारी के क्या फोटो कॉपी करे ई.आई.ए है उसपे जनसुनवाई कराना

वॉकई में निराशा, जनक और दुर्भाग्य जनक, हमारे अधिकारियों के लिये भी जांच का विषय हो सकता है। आप ने मुझे सुना और आगे भी कल हम इसको लिखित में दे रहे हैं। आप सभी का धन्यवाद जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ शुक्रिया।

590. धनमती सिदार, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

591. आलोक स्वर्णकार, रायगढ़ – मैं ज्यादा कुछ नहीं बोलूंगा सब ने अपने–अपने बात रख चुके हैं राजेश भाई अपनी बात रखनी है सविता दीदी अपनी बात रख दी जयंत भैया अपनी बात रख दिए सब की बात सेम है लगभग लगभग तो मैं आपका समय और मेरा समय भी बर्बाद नहीं करना चाहता मैं सिर्फ दो लाइन बोलूंगा की देलारी शिवपुरी गेरवानी की स्थापना से पहले लगभग छोटे–बड़े 73 स्पंज आयरन और पावर प्लांट स्थापित है जिसके कारण व्यापक पैमाने पर जल प्रदूषण वायु प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण के कारण जन जीवन व्यापक पैमाने पर प्रभावित है इसका प्रभाव पड़ा है इसलिए एनआर और पावर लिमिटेड देलारी शिवपुरी की जनसुनवाई को स्थापना ना देते हुए तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाना चाहिए या मेरी मांग है 3... तत्काल प्रभाव से इसको निरस्त करें केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय के अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के तहत किसी भी उद्योग के आवेदन जमा करने के 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन राज्य सरकार द्वारा करवाया जाना चाहिए अगर किसी परिस्थिति वश राज्य सरकार 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन नहीं कर पाती उन परिस्थितियों में केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय समिति का गठन करेगा जो संबंधित कंपनी की जनसुनवाई का आयोजन करेगा इस कंपनी के द्वारा जो आवेदन जमा किया गया है वह करीब 1 वर्ष पूर्व है जो की 365 दिवस से ज्यादा आवेदन जमा करने का समय हो चुका है इस कारण आज की जनसुनवाई केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के नियम का उल्लंघन है इसलिए इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त किया जाना चाहिए बस इतनी मैं अपनी बात रखना चाहता हूं और एक मैं अल्टीमेटम देने के लिए आया हूं नहीं तो आज नहीं आता जितनी भी जनसुनवाई आप लोग करवा रहे हैं मेरे को जनसुनवाई करने से प्लांट के विस्तार से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन हमारे गरीब लोग गरीब जनता इसका शिकार हो रही है इस प्लांट शासन प्रशासन इन सब लोगों ने नियम की धज्जियां उड़ा दी है जिसका शिकार आम जनता हो रहे हैं मैं भी हो रहा हूं आप भी हो रहे हैं आप लोग तो अपनी कर में घूमते हैं मैं अपनी मोटरसाइकिल में आया हूं की कितनी डस्ट है इतनी सारी गाड़ियां चल रही है आप लोग प्लांट का विस्तार कर रहे हैं इससे और कहीं ज्यादा कहीं हजार तक के बढ़ेगी आए दिन हजारों मोते होगी इसका जिम्मेदारी आप लोग लेंगे क्या यह उद्योगपति लेंगे बताइए मेरे को आप लोग कोई तो नहीं लगाना बस यह लिख दिया जाएगा कि आज ट्रक ने बाइक सवार को ठोकर मार कर गिरा दिया और उसकी मौके पर मौत हो गई यही होगा उससे ज्यादा तो कुछ नहीं होगा तो आज तक से नहीं हुआ है कि किसी उद्योगपति का रोड एक्सीडेंट में मौत हो गया किसी अधिकारी का मौत हो

गया प्लांट की गाड़ी ने किसी अधिकारी किसी उद्योगपति को नहीं ठोका सिर्फ आप जनता को ठोका है और वही उसका शिकार हो रहे हैं तो इन सब की भरपाई कौन करेगा मतलब गरीब का जान दो कौड़ी का अधिकारियों का करोड़ों रुपए का जान है हमारे जान की कोई वैल्यू नहीं है इन सब का जिम्मेदार कौन है आप ही लोग हैं हम लोग तो नहीं है और उद्योगपति मैं इस प्लांट के जनसुनवाई से तेरे को कोई दिक्कत भी नहीं है मेरे को कोई परेशानी भी नहीं है लेकिन अगर प्लांट सारे नियमों को ताक में रखकर अगर काम करती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है अगर थोड़ा भी नियम कानून को दिक्कत होगी प्लांट वालों को भी दिक्कत होगी फिर अगर कानून की धज्जियां उड़ाएंगे अपना मनमानी करेंगे तो उनको भी दिक्कत होगी मैं आज यह अल्टीमेटम देकर जाता हूं आप लोगों को की कराए सब कराए कोई दिक्कत नहीं है उनको भी स्वागत है आप लोगों का भी स्वागत है लेकिन रायगढ़ जिले के अंदर जितने भी उद्योगपति हैं उन सब को जनसुनवाई के माध्यम से बोलना चाहता हूं कि अपने नियम को जो जो उन्होंने ई.आई.ए. रिपोर्ट में दिया है और बताया है कि हम ये इसको हम पालन करेंगे पालन करिए मेरे को कोई शिकायत नहीं है किसी को कोई कुछ नहीं बोलेगा और अगर थोड़ा भी नियम का ऊपर नीचे अगर होता है तो फिर वह प्लांट समझे और अधिकारी समझे तो इससे ज्यादा मेरे को कुछ नहीं बोलना है मैं आज के इस जनसुनवाई का भरपूर विरोध करता हूं जय हिंद जय भारत।

592. फैजखान – इस जनसनुवाई का विरोध।
593. लिंगराज – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
594. अमृतलाल – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
595. राजीव पंडा – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है। समर्थन इसलिये करता हूं कि अग्रवाल जी बहुत अच्छे आदमी है। हॉस्पिटल में एक लडके को पूरा सहायता की।
596. पुनीराम – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
597. कुशल प्रसाद – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
598. दुकालू, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
599. चेतराम, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
600. भगत राम, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
601. जयसिंह, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
602. तुलाराम, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
603. तनुसिंह, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।
604. आंनदराम, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

605. राजेश गुप्ता, सरायपाली – जितने भी नियम कानून है सारे चीज तो हमारे साथियों ने कहा ही है लेकिन 14 सितंबर 2006 की जो अधिसूचना है उसके अनुसार 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन करना था लेकिन नहीं हुआ 365 दिन से अधिक हो चुके हैं तो इसके तहत इस कंपनी की जनसुनवाई आज नहीं होनी थी इसके लिए पूर्ण प्रक्रिया के बाद दोबारा जनसुनवाई होनी थी अभी कुछ देर पहले आप लोग गांव में घूम रहे थे तो गांव के बगल में ही हम लोगों ने देखा कि जो पेड़ है लाखों की तादाद में पेड़ है तो उनकी कटाई होगी अगर हम अपने घर बनाने के लिए जलाऊ लकड़ी के लिए भी जंगल जाते हैं तो उसे पर दबाव बनाया जाता है और एफ.आई.आर. तक भी हो जाता है तो क्या इस कंपनी को इस तरीके से कृत्य करने पर पेड़ों की कटाई पर एफ.आई.आर. नहीं होना चाहिए आप लोग सक्षम अधिकारी हैं इस पर आप कुछ कार्यवाही करें तत्काल ताकि पेड़ों को बचाया जा सके और जिस हिसाब से इस क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन के हिसाब से हो रहा है अगर इसी प्रकार से पेड़ों की कटाई होती रही तो आगामी दिनों में यहां पर 60 से 70 डिग्री तक टेंप्रेचर जाने के लिए हमको ज्यादा दिन इंतजार नहीं करना पड़ेगा अगले साल ही हमको यह देखने को मिल जाएगा एक्टिव और कहना चाहूंगा इस क्षेत्र में अगर जनसुनवाई होती है तो एक चीज फायदा होता है कि जिस रोड के लिए बच्चे हड़ताल करते हैं रातो रात रोड को बना दिया जाता है अगर ऐसा है तो प्रतिदिन यहा सुनवाई हो ताकि इस क्षेत्र में प्रदूषण भी ना हो और अच्छा रोड भी बने आज पूरा रोड भी खाली था गेरवानी रोड आप लोग आए हैं आप लोग को दिखाने के लिए स्वागत करने के लिए इसलिए किया गया था की क्या है भगवान भरोसे है लेकिन अगर ऐसा ही सुविधा मिले पर्यावरण प्रदूषण से बचा जाए तो प्रतिदिन जनसुनवाई किया जाए लोग आपस में बढ़िया आना–जाना करेंगे सुरक्षित रहेंगे। एक ई.आई.ए. रिपोर्ट जो बनाते हैं तो उसमें मैं एक चीज दिखा सिली कोशिश बीमारी इस क्षेत्र में 2005 से कंटिन्यू व्यापक पैमाने पर है और उसके लिए जो कंपनियां है उनके ऊपर कार्यवाहियां किसी प्रकार की नहीं होती है और ई.आई.ए. रिपोर्ट में इस गंभीर बीमारी का जिक्र ना होना यह साफ जाहिर करता है कि जो ई.आई.ए. बनाने वाली कंसल्टेंसी कंपनी वो फील्ड में जाकर किसी प्रकार का सर्व या जानकारी एकत्रित नहीं किया है दूसरा यार नदी नाले के बात की जा रही है लेकिन बाबाडेरा लक्ष्मण धारा के नाम से प्रसिद्ध है जहां बहुत बढ़िया पानी और वॉटरफॉल है इसका जिक्र नहीं किया गया है यही गांव के बगल में पानी कंटिन्यू बात रहता है कुछ ग्रामीणों ने बताया भी की यहां पानी के भरपूर मात्रा है उसका भी जिक्र ई.आई.ए. रिपोर्ट में नहीं किया गया है। स्कूल की बात की जाए तो सबसे ज्यादा स्कूल इस क्षेत्र में है लेकिन इस ई.आई.ए. रिपोर्ट में केवल एक दो स्कूल का ही जिक्र होता है और ज्यादा स्कूलों का भी जिक्र नहीं होता लेकिन इस स्कूलों का अगर आंकड़े डालते तो पता चला कि कितने बच्चे स्कूलों में पढ़ते हैं कितने छोटे–छोटे बच्चे हैं जो आंगनबाड़ियों में पढ़ते हैं और जो वायु प्रदूषण वायु के माध्यम से बच्चों के साथ में प्रदूषण जा रहा है उसका किस प्रकार से असर हो

रहा है इसका आंकड़ा हम लोगों को मिलता और कंपनी को भी इस पर कुछ कार्य करना चाहिए स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की अगर बात करें तो तराईमाल में जरूर एनआर इस्पात ने अस्पताल बनाया है लेकिन इतने प्रदूषण और इतने सड़क हादसों के बीच में इस क्षेत्र के लोग तराईमाल जाना पसंद ही नहीं करते हैं अगर इस क्षेत्र में गेरवानी में हॉस्पिटल होता तो शायद ज्यादा सुविधा होता पी.एम.10 की मात्रा बहुत ज्यादा मात्रा में बढ़ गई है और प्रदूषण के चलते आए दिन तरह–तरह के बीमारियां जैसे इस्नोफीलिया दवा कैंसर जैसी समस्या इस क्षेत्र में बढ़ रही है और इसका आकलन हम इस हिसाब से कर सकते हैं की सरायपाली गेरवानी और आसपास मैं पहले एक भी मेडिकल स्टोर नहीं थे आज प्रत्येक गांव में तीन से चार गेडिकल स्टोर है तो इससे हम साफ जाहिर लगा सकते हैं अंदाजा लगा सकते हैं कि किस प्रकार व्यापक परिवार पर इस क्षेत्र में प्रदूषण विद्यमान है बाकी सभी प्वाइंटों को इस क्षेत्र में साथियों ने कहा है एक चीज मैं कहना चाहूंगा जो कंपनी में काम करते हैं तो उनका हमेशा मेरे पास फोन आता है की सुरक्षा के लिए किसी प्रकार का कोई प्रावधान नहीं किया जाता है ना तो हेलमेट जूता जैसे किसी प्रकार का कोई सुविधा उन कंपनी के वर्करो के लिए नहीं किया जाता है। यह 70 प्रतिशत रोजगार की बात छत्तीसगढ़ में अगर कोई कंपनी संस्थान बैठाती है तो 70 प्रतिशत इस क्षेत्र वासियो को रोजगार देना रहता है क्या एनआर इस्पात कंपनी में तीन से 4 प्रतिशत भी लोग उपस्थित होंगे इसका कोई आंकड़ा नहीं है लोकल लोगों को रोजगार नहीं दिया जाता है किसी भी कंपनी में दिया भी जाता है तो योग्यता अनुसार रोजगार नहीं दिया जाता है साथ ही जो बाहर के लोग हैं उससे कम वेतन में यहां दिया जाता है सुरक्षा के मामले में अगर देखे तो एनआर इस्पात में अभी कुछ दिन पहले ही एक दुर्घटना से मौत हुई थी अगर उसके लिए सुरक्षा की व्यवस्था की जाती तो शायद एक परिवार अनाथ होने से बच जाता तो इस तरह की सैकड़ो समस्याएं इस क्षेत्र में है तो इन सभी समस्याओं को देखते हुए मैं इस कंपनी का विरोध करता हूं धन्यवाद।

606. प्रकाश गुप्ता, देलारी – ज्यादा कुछ तो बोलूंगा नहीं ई.आई.ए. के विषय में मेरे आदरणीय त्रिपाठी जी सविता दीदी जी बोल चुके हैं बहुत अच्छे ढंग से बोले हैं एन.आर. आयरन एंड प्राइवेट लिमिटेड के जो मालिक है संजय अग्रवाल जी बहुत अच्छे दिल के हैं उनका दिल बहुत बड़ा है और उनके जन्म सहयोग का वर्णन कर भी चुके हैं उन वर्णन में एक विषय में डालना चाहता हूं उन्हीं के उद्योग एनआर इस्पात गोरमुड़ी में एक लड़का काम कर रहा था सरायपाली का सरोज गुप्ता उसको एक गंभीर बीमारी हो गई तो मैं संजय अग्रवाल जी का ध्यान आकर्षण करना चाहता हूं उसे सरोज गुप्ता के और जो उनकी अथाह संपत्ति है सागर जैसे संपत्ति है उनकी अगर सहयोग मिल जाता है तो भगवान उनका बहुत भला करेगा और क्षेत्र की पर्यावरण की जो समस्या है वह तो बोल चुके हैं बहुत जाने बार–बार दोहराने और समय लेना उचित नहीं है समय बहुमूल्य है इसी शब्दों के साथ में एनआर आयरन एंड प्राइवेट लिमिटेड का विरोध करता हूं इस उद्योग को पूर्ण रूप से स्थापना को रोक दिया जाए शिवपुरी गांव विस्थापित होने के कगार

पर है ई.आई.ए.में लिखा है की पुनर स्थापना के अधिनियम में नहीं आता है यह जो स्थापना होने वाली है तो फिर उनको मुआवजा राशि शासन के निर्देशानुसार नहीं मिल पाएगा और विस्थापित होना निश्चित है अथह जंगल की कटाई होगी पर्यावरण पर नुकसान होगा इसी कारण से इस जनसुनवाई में या एक आकलन किया जाए की एन आर आयरन का स्थापना को निरस्त किया जाए।

607. प्रकाश त्रिपाठी, लाखा – मैं आज हमारे परम आदरणीय पीठासीन अधिकारी महोदया एवं हमारे पर्यावरण अधिकारी महोदय एवं स्वास्थ्य मीडिया बंधु एवं हमारे संरक्षक पुलिस विभाग सभी लोगों को मैं तहे दिल से धन्यवाद देता हूं कि आज हमारे इस जंगल में आप सब लोग अपने आलीशान चैंबरों को छोड़कर ऐसे विकट परिस्थितियों में हम सभी आम जनता की आवाज को सुनने के लिए उपस्थित हुए उसके लिए आपको पुनः बारंबार अभिनंदन और मेरा प्रणाम स्वीकार हो। आज यह जनसुनवाई किस कंपनी की है बोर्ड में कहीं लिखा भी नहीं है बोर्ड में जबकि बड़े अक्षरों से लिखवाना चाहिए था लेकिन मुझे व्यक्तिगत तरीके से मालूम है कि संजय अग्रवाल की कंपनी का आज स्थापना की जनसुनवाई हो रही है या बहुत ही अच्‍ बात है क्योंकि जब तक उद्योग स्थापित नहीं होंगे तब तक किसी भी क्षेत्र का यह देश का या राज्य का पूरे राष्ट्र का विकास होना संभव ही नहीं है इसलिए मैं अपनी जानकारी के अनुसार उद्योग को लगाना अति आवश्यक है और लगा ही चाहिए यही मेरी मनोकामना है और मेरा सहमति भी है क्योंकि कहां भी गया है उद्योगम दरिद्र नाश्ते जहां उद्योग होते हैं वह दरिद्रता का विनाश होता है यानी दरिद्रता नहीं रहती है लोगों ने यह कहा भी की उद्योग होने से विनाश होगा तो यह निश्चित है कि जहां विकास होगा उसका दूसरा पहलू विनाश है तो विनाश तो होगा ही लेकिन जिस तरह विकास होगा विकास करने के लिए कुछ काम किए जाते हैं कुछ कर्म किए जाते हैं इस तरह विनाश को रोकने के लिए भी कई तरह के उपाय किए जाते हैं जिनको मैं पीठासीन महोदय से निवेदन करूंगा जिस तरह कंपनी को विकास के लिए आप सहयोग कर रहे हैं इस तरह विनाश को रोकने के लिए भी उपाय को करने का सहायोग जरूर करेंगे इससे आम जन यहां की खुशहाली रहेगी और सदैव संपन्न रहेगी सबसे बड़ी बात संजय अग्रवाल की या एन आर ग्रुप की कहो तो सबसे बड़ी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उद्योग का एक भी खंभा शुरू नहीं किया और उन्होंने ईमानदारी पूर्वक सच्चाई पूर्वक जनसुनवाई का आयोजन किया नहीं तो मैं इस क्षेत्र का हूं काम से कम 60 जनसुनवाईयां देख चुका कर चुका जिसमें हिस्सेदारी ले चुका ऐसे बेईमान उद्योगपति यहां है की उद्योग तो चालू कर लेते हैं और उसके बाद जनता को चुतिया बनाने के लिए जनसुनवाई करवाते हैं और हमारे पीठासीन अधिकारी महोदय जो आते हैं आए हैं इसके पहले वह भी पता नहीं कहते हैं आई.ए.एस. बहुत बड़ी कठिनाई की परीक्षा है और देश का उच्च स्थान है लेकिन कितने लोगों को मैंने देखा उद्योग लगने के बाद जनसुनवाई करवाते थे वह क्या पढ़कर आए थे तो वह छलावा जो था कम से कम एन आर उद्योग ने ऐसा नहीं किया है क्योंकि इस जगह पर अभी कंपनी स्थापित होनी है और उन्होंने ईमानदारी के साथ

हमारे क्षेत्र में सब जगह सूचित करके इस जनसुनवाई को आयोजित किया जिससे कि हमारे क्षेत्रवासी अपनी समस्याओं को रख सके और उसके बाद उद्योग का विकास हो। हमारे एक वक्त ने यहां कहा था कि एन आर ग्रुप में इस जमीन को कैसे हड़प लिया और शायद वह कांग्रेस के कुछ थे तो उन्हें पता नहीं है कि यह जमीन बहुत उसको खेल के द्वारा ही मंजूर की गई थी तो वह कैसे कांग्रेस के व्यक्ति थे क्या उनका भूपेश बघेल चुतिया था जो कि इस जमीन को दिया है उतना बड़ा मुख्यमंत्री तुझे उनको पता होना चाहिए था कि यह मुख्यमंत्री के द्वारा पास होकर के प्रस्तावित आज से 2 साल पहले यह जमीन एन आर ग्रुप को उद्योग स्थापित करने के लिए दी थी। एक मैडम आई थी वह बोल रही थी की खाना चार प्रकार का लगा हुआ है मैं क्षेत्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति भी हूं क्योंकि मैं इस 30 गांव के में एक संघर्ष समिति बनी हुई है उसे संघर्ष समिति का मैं प्रवक्ता भी हूं मैं चारों जगह खाना जाकर देखा और मुझे खाना में कहीं भी विषमता नहीं दिखाई दी वह तो इस भीड़ की व्यवस्था को बांटने के लिए उन्होंने तीन चार जगह स्टॉल लगाया हुआ था खाना तो सभी में वही सब्जी वही चावल वही पूरी वही पनीर की सब्जी थी लेकिन पता नहीं कि मानसिकता से वह बहन जी आई थी कि उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति खाने में ही वह कर दिया है जबकि खाना सभी के लिए सामान्य था मैं एक ही तरह का चारों स्लॉट में घूम कर देखा हूं और चारों जगह एक ही समान खाना था सबसे बड़े बाद उनको यह पता नहीं था कि संजय अग्रवाल एन आर ग्रुप के जो मालिक हैं वह इतना बड़ा सामाजिक और धरतीपुत्र है इस क्षेत्र का धरतीपुत्र है क्योंकि रायगढ़ जिला से लगे हुए जन्म स्थान है उनका और कर्मभूमि रायगढ़ जिला है और इतने बड़े उद्योगपति होने के बाद भी एक साधारण ग्राम का कोई भी गांव का चरवाहा भी अगर उनसे मिलना चाहता है तो वह एक मालिक की तरह नहीं बल्कि उसे गांव के नागरिक के तरह उसे व्यक्ति से समानता के आधार पर मिलते हैं और उनकी बातों को सुनते हैं तो इस तरह से मेरा कहना था कि वह सामानता के प्रतीक है और वह हमारे ग्रामीण स्तर की बातों को जानते हैं और आज भले ही वह उद्योगपति हो गए हैं और भगवान से मैं प्रार्थना करूंगा लक्ष्मण चरण धाम से कि वह और हमारे भारतवर्ष के सबसे बड़े उद्योगपति बने जिस तरह रतन टाटा थे क्योंकि उनका लक्ष्मण जी हमारे लाखा रोड में लक्ष्मण चरण है वह भी उनका इंतजार कर रहे हैं की कब हमारी तरफ संजय भाई नजर डालेंगे और यह पर्यावरण बिंदु है यह तारीफ की बात नहीं है पर्यावरण बिंदु है आपके ई.आई.ए. में कहीं भी लक्ष्मण चरण जैसे स्थान का अगर उल्लेख है तो मुझे बताया जाए बताइए आप इतने बड़े स्थल को जो कि अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक अंकित वह स्थान है आपके इस रिपोर्ट में कहीं दर्ज है क्या बताइए मुझे और नहीं है तो क्या कर रही थी सो रही थी क्या मेरे पास बिंदु 3 दिन तक के लिए है मुझे छेड़िये मत जो मैं कह रहा हूं कृपा करके उसको सुनिए के लिए आए हैं डिसिजन करने का आपको अधिकार नहीं है अगर है तो इतने लोगों ने जो प्रश्न किया उसका उत्तर दिया है आपने दो–दो घंटा तीन–तीन घंटा जिन्होंने बोला उनके लिए अपने एक शब्द भी नहीं बोला और जो मैं

बोल रहा हूं सही बात है यह कह दिया लक्ष्मण चरण संजय जी का इंतजार कर रहा है तो कोई गलत कह दिया क्या अगर गलत कह दिया तो संजय जी बुलाए मेरे को मेरे को टोका क्यों जा रहा है जब मैं इस बात को बोल रहा हूं हमारे इस क्षेत्र में इतना बड़ा स्थल है और मैं उनसे निवेदन करता हूं संजय जी से कि उसे तरफ भी थोड़ा ध्यान देंगे अपनी प्रोजेक्ट के साथ–साथ तो इस क्षेत्र का कितना बड़ा नाम होगा। मैडम सर मेरी बातों का अन्यथा ना ले क्योंकि उसे स्थान का मैं पुजारी हूं और उसकी जीवन भर से मैं उसकी उम्मीद रखता हूं कि वह अच्छे स्थल में परिवर्तित होगा एक बहुत बड़ा मंदिर बनेगा इसलिए मेरी आस्था में आप आपकी बातों से थोड़ा ठेस लगी इसलिए मैं बोल दिया वरना मैं आप जैसे अधिकारी को बोलना पसंद नहीं करता धन्यवाद मेरी बातों को सुनने के लिए। दूसरी बात मैं यह बोलना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र के जितने भी उद्योगपति हैं वह इस मैच के माध्यम से कान खोलकर सुन ले या तो एन आर ग्रुप के संजय जैसे बने वरना उनको अपना तंबू उखाड़ कर अपने–अपने जगह जहां से आए हैं वहां जाना होगा इसका मतलब है संजय शिक्षा के क्षेत्र में विकास कर रहे हैं जो की सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा की शिक्षा के बिना सभी शून्य है तो मैं सुना हूं यहां से कुछ दूर सरायपाली के आगे एक अच्छा शिक्षा का स्कूल बनाने जा रहे हैं मैं उनसे निवेदन करूंगा कि हमारे गेरवानी या शिवपुरी में भी एक शिक्षा का स्थल बनाएं जिससे इस क्षेत्र के भी लोग इसका लाभ ले सके। दूसरी बात है स्वास्थ्य की स्वास्थ्य में तराईमाल में भी उन्होंने एक अस्पताल स्थापित किया है वह भी एक सराहनीय कार्य है लेकिन इस क्षेत्र के लिए वह भी दूर हो रहा है और उनके इस क्षेत्र में सबसे बड़ा प्लांट छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ा प्लांट लगने जा रहा है हो सकता है भारत का नंबर वन प्लांट एक दिन कहलाए तो उनसे निवेदन है की शिवपुरी, पाली या गेरवानी इन तीन जगह में जहां भी उनको जगह मिलती है कृपया वह एक अस्पताल की स्थापना अपने ग्रुप के आधार पर यहां करेंगे और जब तक वह स्थापित नहीं होता है इस क्षेत्र के लिए एक एंबुलेंस देंगे एंबुलेंस की बहुत ही आवश्यकता है क्योंकि यह भीड़ वाली जगह है आए दिन घटना दुर्घटना और ना को सही ता प्रसव पीड़ा से ग्रसित महिला को सहयोग देने के लिए काम आता है क्योंकि सरकारी व्यवस्था तो जानते हैं 112 में अगर नंबर लगाओ तो तीन दिन दो दिन बाद उसका नंबर सुनने को मिलता है इसलिए मैं एन आर ग्रुप से निवेदन करूंगा कि इस क्षेत्र में वह जल्द से जल्द एक एंबुलेंस की व्यवस्था जरूर करेंगे। उसके बाद आवा गमन की व्यवस्था जिस जगह में आवा गमन की व्यवस्था सही होती है उसे क्षेत्र का विकास होता है तो उद्योग का विकास तो होगा ही हमारे जो ग्रामीण लोग हैं जो रायगढ़ से कुछ सामान लाते हैं दो पैसे में बेचते हैं दो पैसा फायदा कमाते हैं अन्य तरह के आने–जाने का जो काम करते हैं तो जो सड़क की समस्या है तो आवागमन का साधन अगर सही रखेंगे तो उनके उद्योग का विकास तो होगा ही हमारे क्षेत्र के आम जनता में भी उद्योग धंधा छोटा–मोटा व्यापार दुकानदारी करते हैं उनको कोई सामान लाने ले जाने या आने जाने में सुविधा होगी इसलिए मैं उद्योग प्रबंधन से निवेदन करूंगा वह उसके लिए

भी सहयोग करेंगे सामाजिक विकास जों हमारे क्षेत्र की इस आम आदिवासी भाइयों की जो संस्कृति प्रचलन है उसमें वह आगे आकर के चले इस तरह से पर्यावरण का भी ध्यान देंगे उद्योग संचालन करते हुए चारों तरफ पर्यावरण का संतुलन करेंगे और सबसे बड़ी बात एक और मैं बोल करके हमारे भाई बांधों के द्वारा बोला जा रहा है जल्द से जल्द सीमित करो वरना एक घंटे का तो समय था ही मेरे पास फिर भी सबसे बड़ी बात मैं या रखना चाहूंगा पूरे संघर्ष समिति की तरफ से जो हमारे 30 गांव के प्रमुख लोग इसमें जुड़े हैं यह बात मेरे नहीं संघर्ष समिति की है क्योंकि मैं उसे समिति का प्रवक्ता भी हूं इसलिए मैं यह बोलना चाहता हूं हमारे एन आर ग्रुप से के क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार देने की विशेष प्राथमिकता दी जाए और मैं यह जानता हूं कि हमारा यह क्षेत्र बहुत कम पढ़ा लिखा टेक्निकल रूप से कमजोर है इसलिए एनआर ग्रुप से मेरा निवेदन है कि वह ऐसी शैक्षणिक संस्था खोलें जिससे कि हमारा क्षेत्र ट्रेड के अनुसार उस जाब की ट्रेनिंग ले सके और कहीं पर भी कम करें।

608. पंचराम मालाकार, तराईमाल – मैं एनआर इस्पात का भरपूर समर्थन करता हूं विजय अग्रवाल संजय अग्रवाल हमारे ग्राम तराईमाल में अनेक प्रकार का विकास किए हैं एवं पर्यावरण के लिए हमारे क्षेत्र हमारे गांव में करीबन 300 पौधा लगाए गए हैं उनके द्वारा मैं उनका भरपूर समर्थन करता हूं शिवपुरी ग्राम में स्थापना दिवस आज जनसुनवाई हो रहा है उसका मैं भरपूर समर्थन करता हूं वह अच्छा से लगा है और हमारे क्षेत्र का विकास करते रहे।

609. भोजकुमार – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

610. चमारसिंह – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है। गांव का विकास हो लोगों को रोजगार।

611. गंगाधर – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

612. छबिलाल प्रधान, पाली – महोदया और पर्यावरण अधिकारी से निवेदन करता हूं कि मेरे गांव से गेरवानी 3 किलोमीटर पड़ता है मेरे गांव से चिरई पानी 3 किलोमीटर पड़ता है तो जो रोड वहां पर है मेरे बच्चे प्रतिदिन पढ़ने लिखने जाते हैं उनको जो तकलीफे आती है बरसात में गड्ढा में पानी भरा रहता है उबड़ खाबड़ पड़ा है और वह अग्रोहा कंपनी स्थित है एसएस कंपनी स्थित है सिंघल भी स्थित है पहले सालासर था सालासर तो गेरवानी से रोड पक्की बनवा दिया था उसके बाद दो कंपनियों को रोड बनाने के लिए हमने कई बार निवेदन किया और यहां तक के हम लोग डिप्टी कलेक्टर कुरूवंशी साहब थे वहां तक भी गए थे मैं खुद भी गया था और शिकायत भी गए थे कि रोड को ध्यान दें लेकिन उसके बाद भी नहीं किया गया तो मेरे बच्चे लोग गेरवानी पढ़ने जाते हैं जब बरसात में अभी भी पूछ लीजिए जितने भी लड़के लड़कियां पढ़ने जाते हैं कर झूठ बात हो तो यहां जितने भी है पूछ लीजिए शिवपुरी से घूमते हुए गेरवानी पढ़ने जाते हैं जबकि 3 किलोमीटर मेरे गांव से गेरवानी पड़ता है तो क्या इतनी बड़ी कंपनी के मालिक

होते हुए दोनों कंपनियों ने मिलकर एक–एक किलोमीटर तक नहीं बना सकते क्या मैं पैसे के लिए बात नहीं कर रहा हूं उसे मेरा कोई लेन–देन नहीं है मैं जनता के दुख की बात करता हूं और आप लोग कलेक्टर अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी महोदय आपके माता–पिता ने आपको उच्च शिक्षा पढ़ा लिखा कर यहां पदस्थ किया है भगवान से मेरी प्रार्थना है कि आप उच्च पद पर आसीन होते हुए इस जनता के दुख सुख को देखते हुए कदापि उसे पर विचार नहीं करते यह मेरा दुख है और जो मैं बोल रहा हूं उसकी विधि पूर्वक नोट कीजिए और अगल–बगल आप समीक्षा कीजिए गलत बोल रहा हूं तो मेरे को अरेस्ट करवाइए कई बार हमने आवेदन कर दिया लेकिन सारे वैसे के वैसे हैं। जो शिवपुरी में एनआर ग्रुप का जो भी जनसुनवाई हो रहा है मेरे को संजय अग्रवाल विजय अग्रवाल से कोई नहीं है वह बहुत अच्छे आदमी है पहले से भी जान रहा हूं उनसे मेरा उतना परिचय भी नहीं है जानते भी नहीं है मेरे को लेकिन उनका जो व्यवहार जितने भी उद्योगपति अगल–बगल है सबसे अच्छे आदमी है संजय अग्रवाल जी मैं मानता हूं कि एनआर ग्रुप इस क्षेत्र में जिंदल के बाद सबसे बड़ा ग्रुप रहेगा इसे मेरा मानसिकता है और जो मैं बात रहा हूं संजय अग्रवाल भी उसे सहमत होंगे कानून में जोलागू है उसे बात को कंपनी वाले ध्यान दें और जनता के सुख–दुख में भागीदारी बने हमें फुल समर्थन है और अधिकारी महोदय से प्रार्थना करता हूं कि जनता आपके सामने दुख सुख के लिए पहुंच जाते हैं उसको जरूर सुने आप समीक्षा कर लीजिए कि मैं झूठ बोल रहा हूं या सही बोल रहा हूं मैं एन आर ग्रुप का समर्थन करता हूं।

613. उद्धव प्रसाद, गौरमुड़ी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है। जब से एन आर बसा है तब से मैं जान रहा हूं। उद्योग के द्वारा लोगों के समस्या का निराकरण किया जाता है। दूसरे उद्योगों की तरह नहीं है। ये अच्छे आदमी है। जैसे हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी है एक गरीब घर है वह भी ऐसे गरीब घर के हैं। आज उद्योग के चलते आज हमारे पास सबचीज आ रहे हैं। हम शराब पी के नहीं आये हैं। ऐसे धनी आदमी हमारे छ.ग. को चाहिये।

614. लखन सिदार, शिवपुरी – मेसर्स एन.आर. आयरन एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन है।

615. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आज यह जो जनसुनवाई हो रही है बहुत सारे साथियों ने बिंदुवार उसमें तकनीकी चीजों को कानूनी चीजों को रखा है पर बड़ा दुर्भाग्य यह है यहां जो पीठासीन अधिकारी महोदय हैं पर्यावरण अधिकारी महोदय हैं इसमें जो प्रश्न जो आपत्ति करता है या सहमति करता है अगर वह प्रश्न करता है तो उसको बोलते हैं आपको आखरी में उत्तर दिया जाएगा आखरी में कौन उत्तर देगा कंसलटेंट कंपनी, कंसल्टेंट कंपनी कैसे उत्तर दे सकता है अभी मैं यह पूछना चाहूंगा पीठासीन अधिकारी महोदय पर्यावरण अधिकारी महोदय से कि ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाने का जो मूल आधार है वह क्या है किस क्षेत्र क्या है अध्ययन क्षेत्र जिसको बोलते हैं तो अध्ययन क्षेत्र में अध्ययन होता है तो वह 10 किलोमीटर का परीक्षेत्र है एयर डिस्टेंस चारों दिशाओं में तो वह जो 10 किलोमीटर का एयर डिस्टेंस है वह अध्ययन क्षेत्र है तो क्या

उसे अध्ययन क्षेत्र में अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम पंचायत का अध्ययन किया जाता है अगर नहीं किया जाता है तो क्यों नहीं किया जाता है अगर वह प्रभावित गांव है पंचायत है तो उसके अनिवार्यता क्यों नहीं है और यह तो साधारण सी बात है कि वह प्रभावित क्षेत्र है तो वहां ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाने वाली कंसलटेंट कंपनियां सभी ग्राम पंचायत का अध्ययन करना चाहिए वहां जो सैंपल है जिसको लिया जाता है वह सभी गांव में लेना चाहिए तो क्या यह जो कंपनी है अभी जो कंपनियां छत्तीसगढ़ में कंसल्टेंट कंपनियां काम कर रहे हैं पैटर्न पर वह टेबल वर्क कर रहे हैं वहां पर, वह टेबल वर्क करके खाली एक आंकड़ा बैठा दे रही है और उसी के आधार पर जनसुनवाईयां हो रही है तो जो प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों गें अध्ययन नहीं है आप वहां के पानी को हवा को ध्वनि को मिट्टी को लिए ही नहीं है तो आप उसे ग्राम पंचायत में क्या प्रभाव है पूर्व में वहां की क्या स्थिति है उसको कैसे दर्शाएंगे मैं पीठासीन अधिकारी महोदय से कहना चाहूंगा क्योंकि मैं जो उसको बोल रहा हूं उसकी सिर्फ वीडियोग्राफी जाएगी और वहां केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय में किसी को मेरी बात को सुनने का समय नहीं है वह एक सिस्टम है कि आप खिड़की में लिए आपका जो प्रक्रिया है उसको करिए और आप एनओसी को ले जाइए यह एक सामान्य प्रक्रिया है इसको एन आर कंपनी कर रहा है कि वह कंपनी कर रहा है की अडानी कर रहा है सारी कंपनी के लिए एक दुकान खुला हुआ है केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय वहां दुकानदार बैठा है कि आप आ जाओ अगर कहीं 10000 आदमी गए 10000 आदमी ने विरोध दर्ज किया फिर भी एनओसी उसको मिलेगा वह रुक नहीं जाएगा रुकेगा तभी जब उसका काउंटर में भुगतान है वह सही नहीं हो पाएगा यह केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की इस देश में स्थिति है तो देश में जब केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय में जो नियंत्रक बॉडी है जो संतुलित करेगी पृथ्वी को पूरे भारत देश को हम उनको जो बोल रहे हैं उसको छोड़ दीजिए आप हम अपनी जगह के बारे में बात करें कि आप कितने पढ़े–लिखी करके इस बने हैं पर्यावरण अधिकारी महोदय भी बहुत संघर्ष किए होंगे बहुत त्याग और तपस्या किए होंगे और उनके मां–बाप ने इनको अच्छे से पढ़ाया है तो आज जी अध्ययन के आधार पर आप जिस पद में है आज आप दोनों अपने–अपने जिस पथ पर हैं तो क्या आप अपने दोनों अधिकारी लोग अपने कर्तव्यों का और अपने दायित्वों का निर्माण कर रहे हैं आप अपने दिल में हाथ रखकर अपने आप को पूछे आप क्योंकि 10 किलोमीटर परिक्षेत्र में जितने ग्राम पंचायत है बताइए आप आप लोग तो कहीं तो जनसुनवाई कर रहे हैं मैं आता हूं हम अपनी आपत्ति दर्ज करते हैं आप स्थल निरीक्षण के लिए भी आई है महोदय पर्यावरण अधिकारी महोदय भी आए हैं तो क्या आप उसे या यह रिपोर्ट का कभी अवलोकन किए हैं कि इसके अध्ययन क्षेत्र में जितने ग्राम पंचायत हैं वहां पहुंचा कि नहीं मैं आप सभी को प्रश्न कर रहा हूं इसके 10 किलोमीटर क्षेत्र में जितने भी ग्राम पंचायत है उसमें कितनो में आपने भिजवाया है आप गिन लीजिए ज्यादा से ज्यादा 8, 9, 10 होगा तो क्या यहां एक कंपनी है यह बात नहीं कि आपने खाली NR कंपनी का ऐसे किया आपके जैसे पूरे अधिकारी छत्तीसगढ़ में ऐसे ही काम कर रहे हैं क्यों ऐसी

क्या बात है जो आप ऐसे काम करने में बाध्य भी हो जा रहे हैं कौन आपके माथे पर बंदूक लगा दिया है कौन आपके बाल बच्चों को किडनैप कर लिया है जो आपकी इतनी भी अवस्था है देश में जो संविधान है और राष्ट्रीय ग्रंथ है उसे राष्ट्रीय ग्रंथ के आधार पर कानून बना है तो आपको कानून पालन करवाना है आप कल भी आ जाएंगे जनसुनवाई में आप किस किस आधार पर आज जनसुनवाई करवा रहे हैं क्या है आपके पास आधार 10 किलोमीटर क्षेत्र में जितने ग्राम पंचायत है उसमें वहां के लोगों को मालूम ही नहीं है कि कहां क्या हो रहा है आपने उनको EIA रिपोर्ट नहीं भिजवा आप टोपोशीट उठा कर देख लीजिए कितने ग्राम पंचायत है जिस कंसलटेंट कंपनी ने जो यह रिपोर्ट बनाया है मूल्यांकन रिपोर्ट जो बनाया है उसमें पंचायत का नाम दर्ज नहीं है जिसको आपने भिजवाया है जो आपने मूल्यांकन के लिए भेजा है उसी ग्राम को वहां चिन्हांकित किया गया है क्यों क्या ऐसा प्रावधान है कौन से प्रावधान के तहत आप लोग ने 810 गांव में ऐसा किया और कल की भी जनसुनवाई में ऐसा करना है आने वाले सालों में आप कई जनसुनवाईयां करवा चुके हैं और जहां भी रहेंगे वह काम करेंगे क्योंकि आप लोग एक्सपर्ट हो गए हैं सर्जन है बोलते हैं कुशल बीमारी का सर्जन है बोलते हैं किसी भी बीमारी का चिड फाड़ करके ठीक कर देते हैं आप लोग जनसुनवाई मास्टर हो गए हैं इस मास्टरी के लिए आपको सरकार अलग से बोनस देती है अलग से वेतन देती है कौन कौन देता है और क्यों देता है हमारे जैसा आम नागरिक अगर हम नीतिगत बातों को रखें तो आपको लगता है कि यह तो ऐसे ही रख रहे हैं चलिए बस बहुत हो गया तो क्यों बहुत हो जाएगा मैं अगर कोई चीज विधि सम्मत बातें नहीं रख पा रहा हूं कानून के दायरे में नहीं रख पा रहा हूं तो बात अलग है वह कितने सब पेज का है या यह रिपोर्ट उसको कौन पड़ेगा आप बताओ तो आप मैडम पढ़ कर बता दो आप चलो मैं जीवन में फिर किसी जनसुनवाई में नहीं जाऊंगा आप मेरे को समझा दो आप आप अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी हैं एडिशनल कलेक्टर अपर कलेक्टर के पद पर हैं आप चलिए बताइए मैं नहीं जानता हूं मैं पढ़ना नहीं जानता और अगर आप पढ़ दी तो मैं सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि पर्यावरण के खिलाफ जो मेरा मुहिम है उसे खत्म कर दूंगा यह तो आपकी बात है इस देश का पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी से पढ़ाई जाकर के अंग्रेजी पढ़ा है इस है वह भी बहुत बुद्धिमान है अपने समय के के बुद्धिमान है टॉपर हैं जब वह पार्टी ज्वाइन किया तो हमको लगा कि ओपी चौधरी ने पार्टी ज्वाइन किया है मैंने उनको तत्काल सचेत किया कि आप पार्टी ज्वाइन किया है तो आप जनहित की सेवा कलेक्ट्री छोड़ने के बाद ऐसे ही कर सकते थे आप अब किसी राजनीतिक दल का पट्टा बांध देंगे गले में आप नहीं कर पाएंगे यह सोशल मीडिया में है वह चार दिन बाद ज्वाइन कर लिया तो मेरा कहना यह है कि ऑफिस चौधरी इस में इतना विद्वान आदमी है पढ़े-लिखे आदमी हैं 5 साल तक प्रदेश में रहे पर्यावरण का मुद्दा उनका नहीं दिखा पर्यावरण का पर भी अगर कहीं पर हो बोले हो तो मैं जो सर आप लोग बोलेंगे मैं उसको भुगतने के लिए तैयार हूं तो एक व्यक्ति सार्वजनिक जीवन की करके 420 करके विधायक बन जाए

मंत्री बन जाए और वह मंत्री बना करके पर्यावरण विभाग में क्या किया है एक बार उसको मैंने सार्वजनिक स्थल पर उसको गाली दिया की उद्योगपतियों का पालतू कुत्ता है बोल तो उसने सारे पर्यावरण अधिकारियों का मीटिंग लिया छत्तीसगढ़ में उसकी मजबूरी हो गई तो राधेश्याम शर्मा तेरे को तो गाली देगा ही वह तो तेरा मालिक है तू दो कौड़ी का नौकर है प्रशासनिक सेवा में तो तेरी इज्जत थी अब तो तू जनता का नौकर है तू अब इतना ज्ञानी और धनी नहीं हो गया कि बिना जनता से पूछे कम करें तेरा जिला बर्बाद हो गया कैमरा बड़ी में तो अकेला लग रहा है तो आप लोग जितने दोषी हैं हमारे जनप्रतिनिधि जो चुनकर भेजे हैं वह भी दोषी हैं मैं आप चौधरी को छत्तीसगढ़ में ढूंढ रहा हूं मिल नहीं रहा है क्योंकि मेरे जैसे मलिक मिलेगा तो पहले तो उसको 25 गाली दूंगा और मारूंगा मैं मारूंगा उसको करने का सजा मैं जानता हूं मेरे को जेल ले जाएंगे एक समय में मेरा कैसे चलेगा जमानत करवाऊंगा बाहर आ जाऊंगा पर मारूंगा जरूर यह मेरी चेतावनी है वह जिस दिन मेरे नजर में आएगा उसको चप्पल से मारूंगा क्योंकि वह गद्दार है इस प्रदेश का इस मिट्टी का किसान का बेटा है तो यहां का पर्यावरण सुरक्षित करता बोलते हैं बहुत बढ़िया काम कर रहा है पैसा बांट रहे हैं जितना बड़ा फंड है होता उसको तो बनता है और बांट क्या है उसको खराब कर रहा है क्या कमीशन ले रहा है वह किसी मन में जाते हैं बोलता है मैं पैसा कमाने नहीं आया हूं मैं मेच्योर नहीं हूं पहले वह बोलते हैं अपनी सफाई देते हैं तेरे को क्या जरूरत है ऐसा बोलने का तू एक नंबर का चोर है इसलिए ऐसा बोलता है कि मैं पैसा कमाने नहीं आया हूं कौन बोल रहा है तेरे को पैसा कमाने आया बोलकर काम भी तो नहीं कर रहा है अगर पर्यावरण मंत्रालय संभालना है तो हसदेव काट रहा है क्यों कट रहा है बीजेपी वाले कटवा रहे हैं कांग्रेस वाले कटवा रहे हैं इस देश का न्यायपालिका जब मौन बैठा है छत्तीसगढ़ के न्यायपालिका में कितने न्यायाधीश बैठे हैं वह उद्योगपतियो का पिट्ठू है दलाल हैं तो फिर छत्तीसगढ़ को कौन बचाएगा और क्यों बचाएगा जो नियंत्रक संस्था है जो संस्थान है कानून का पालन करवाता है कोई एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बोल दे मैं इस पर सब जान लिया अरे किसको मोड़ को डायरेक्ट क्यों नाटक कर रहे हो वह गरिमा में पद है एक आदमी हमारे देश में सही ढंग से न्यायपालिका में न्यायिक में जनहित में काम कर नहीं कर पा रहे हैं हमारे मुख्यमंत्री आदिवासी हैं इस क्षेत्र के कितने का पेसा में आते हैं तो क्या जहां उद्योग लगेगा वहीं के लिए नियम है की और अन्य जो पैसा क्षेत्र में ग्राम पंचायत है उनसे भी एनओसी लेना पड़ेगा ग्राम पंचायत का अनुमोदन लेना पड़ेगा क्या कानून हम नहीं जानते आप बताइए हम तो पढ़े-लिखे नहीं हैं आप तो इतने बड़े पद में हैं आप हमको बताइए की क्या है कानून कानून क्या बोलता है आप हमारा मार्गदर्शन करिए यह जनता सुन रही है उनको भी पता लगेगा की क्या है तो जो नीति निर्धारण बना है उसमें स्पष्ट नहीं है तो सुधार की जरूरत है यह 500, 600, 700, 800 पेज का जो ईआईए रिपोर्ट बनाए हैं जिसको आप खुद नहीं पढ़ पाएंगे और हमको समझ नहीं पाएंगे उसको यह आम जनता जिनका शैक्षणिक स्तर क्या है अब उनको समझाइए तो उसे स्थिति में

इस ईआईए रिपोर्ट का क्या उचित रह जाता है मेरे इस बिंदु पर इस बिंदु को नोट किया जाए विशेष रूप से की यह रिपोर्ट बनाने के लिए अधिनियम में सुधार होना चाहिए संशोधन होना चाहिए की पूरी कंप्लीट रिपोर्ट हो वह उसे राज्य की उसे क्षेत्र की भाषा में होना चाहिए ताकि उसे क्षेत्र के लोग उसको पढ़ सके और जो पढ़ना नहीं जानते हैं वह सुनकर समझ सके कि उसमें क्या लिखा है कितने लाभ है कितने आदमी हैं वर्तमान में कितने क्या स्थिति है और यह जो सिंपल टेस्टिंग के लिए यह कंसलटेंट कंपनी ने जो नमूने लिए हैं वह किस गांव से लिए हैं बताइए पर्यावरण अधिकारी महोदय कैसे प्रमाणित करेंगे कि ले आए कि नहीं वह बोलेगा कि मैं केलो नदी से लिया हूं कौन से डेम से लिया है वह बोले कि हम ग्राउंड लेवल वाटर को इस गांव से लिए हैं कौन से बोर्ड से लिए हैं तो आप किसके गांव में घुस गए ग्राम पंचायत की सरकार अपनी स्वयं की सरकार है वहां आपके अधिकार नहीं है घुसने का कलेक्टर महोदय को भी अधिकार नहीं है घुसने का आप वहां नहीं जा सकते उनको अनुमति लेना पड़ेगा उनके कैबिनेट है उनके मंत्रिमंडल है राष्ट्रपति नहीं हो सकता इस देश का उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश उसको डायरेक्ट निर्देश कर सकता है, गाइडलाइन नहीं कर सकता उसको सर्वोच्च शक्ति है खाली पैसा के तहत ग्राम पंचायत को अधिकार मिलाया ऐसा नहीं है ग्राम पंचायत स्वयं सरकार है उसे गांव का तो यह कंसलटेंट कंपनी वाले किस–किस गांव में अनुमति लिए हैं कितने आदमी से पहुंचने में बनवाया कि हमने मिट्टी लिया है पानी लिया है यहां से धूल लिया यहां से हवा लिया कहां से बनवाया है अगर नहीं है तो यह रिपोर्ट पूर्ण रूप से फर्जी है यह रचित दस्तावेज है आंकड़े हैं इसको जनता में चलने वितरित करने प्रयोग करने सरकार को शासन को प्रशासन को देने के जो अपराध हैं कि गलत दस्तावेज तैयार करना उसको प्रचलन मिलना जनता को गुमराह करना शासन को गुमराह करना और ठगी करना ठगी इसलिए बोल रहा हूं कि मेरे को गलत ढंग से समझाया गया तो मैं अभी मत भी गलत दे डालूंगा इसलिए मेरे साथ आगे हो गई जिसको 420 बोलते हैं दिमाग लगाकर आप किसी की अभी मत को अपने पक्ष में कर लिए ऐसी स्थिति जो जनसुनवाई है वह पूर्ण रूप से अवैध है पूरे प्रदेश में अवैध हैं हसदेव में 4 साल पुराना अदानी के ईआईए रिपोर्ट के आधार पर जनसुनवाई हुआ अब हमारे मुख्यमंत्री जी बहुत भोले हैं आदिवासी हैं उनको समझ नहीं आता कम पढ़े लिखे आदमी है लेकिन सीधे हैं सज्जन है ओपी चौधरी जैसे तिकड़म क्रूर आदमी नहीं है उसके जैसे 420 आदमी नहीं है और उसके जैसे आदमी भी नहीं है लेकिन अब उनको कौन बताया उनको बताना पड़ेगा छत्तीसगढ़ की जनता को बताना पड़ेगा मैं बताऊंगा मैं जरूर बताऊंगा और कल की तारीख में मेरा अल्टीमेट जाएगा उनको अगर सुनवाई मैं जिंदा रहा में जिंदा रहा तो मैं बताऊंगा कि ऐसे भ्रष्ट मंत्री को मंत्रिमंडल में रखेंगे तो फिर मुख्यमंत्री समझे कि उनके साथ हम क्या करेंगे नौकर मुख्यमंत्री भी है ओपी चौधरी भी है उसको भी वेतन देते हैं हम मलिक का मालिक है मालिक से ऐसे यह लोग दादागिरी करेंगे या उनको मूर्ख समझेंगे तो हम ऐसा नहीं है हम पागल हैं कम पढ़े लिखे हैं पर मूर्ख नहीं

है कि आप चौधरी जैसे मूर्ख व्यक्ति हमको बताएं सब ठीक हो रहा है कुछ ठीक नहीं हो रहा है उसको त्यागपत्र देना चाहिए और नहीं देगा तो छत्तीसगढ़ में मेरे से कभी ना कभी मिलेगा इस रायगढ़ का विधायक है उसको मैं ढूंढ लूंगा और जिस दिन ढूंढ लूंगा वह अपनी दुर्गति के लिए तैयार रहे हो रायगढ़ की जनता से पर्यावरण के बारे में बात करें क्यों मंत्री के रहते हैं अभी तक छत्तीसगढ़ में पर्यावरण के संबंध में क्या किया हसदेव में जंगल कट रहा है एक पेड़ मां के नाम कौन–कौन आप के नाम दादा के नाम लगा लो लेकिन पेड़ तो गुडगांव मेरे को सेंट्रल गवर्नमेंट में हूं या फिर स्टेट गवर्नमेंट में हो नाटक सब लोग कर रहे हैं तुम लाखों करोड़ों पेड़ कटवाने वाले एक पेड़ कौन लगाएगा उसको खड़ा कौन करेगा उसको जिंदा कौन रखेगा और कब तक रखेगा यह नीतिगत बातें हैं उद्योग को अपने ढंग से अपना काम कर रही है उद्योगों का कर गलत कर रही है तो हमारे कलेक्टर साहब मंत्री महोदय विधायक महोदय जनप्रतिनिधि उसको कंट्रोल नहीं कर रहे हो उसकी बात नहीं रहे हैं कि तुम गलत कर रहे हो कि सही कर रहे हो वह अपने हिसाब से कर रहा है उसको दो पैसा है ज्यादा फायदा दिखा दो चलो दो पैसा बचा लूं हर उद्योगपति का ऐसा नहीं है इस देश में प्रेम अजीम जी भी है जिनका काम पूरे देश में जाना जाता है रतन टाटा जी का स्वर्गवास हो गया वह पूरा दुनिया में नंबर एक पर है क्यों है उन्होंने सीएसआर के फंड का सही उपयोग किया इनके जैसे नहीं है नवीन जिंदल से जैसे नहीं है आज जो सांसद है और पहले भी सांसद रहा है सीएसआर मत से उसने अस्पताल बनाया कॉलेज बनाया स्कूल बनाया उसमें भी वह व्यापार कर रहा है इस समस्या जो तुमने जो बनाया है उसको सरकार को हेंडओवर कर दो उसको जनता को सौंप दो वहां तुम क्यों व्यापार करोगे तो जनता के साथ भी धोखाधड़ी कर रहा है लेकिन शासन प्रशासन मौन है कलेक्टर महोदय अगर इनका वास्तव में अपने अंतर्भुत शक्तियों का जानकारी होता तो तत्काल सब ज्ञान में लेती और नवीन जिंदल को हथकड़ी पहना देते और उस इंजीनियरिंग कॉलेज को अस्पताल को स्कूल को सबको अपने क्षेत्र में लेती और जनता की हित में काम करती लेकिन मैडम जी आपकी क्या मजबूरी है मैं आज तक समझ नहीं पाया इतने सालों से आपको देख रहा हूं आप जनसुनवाई करवा रही हैं मौन होकर सुनती हैं कोई दूसरा बोलता है उसको बोलते हैं चलिए आगे बढ़िया मैं नहीं बोलूंगा कैसे करेंगे आप बताओ चलो क्या करोगे आप मैं पर्यावरण के संबंध में बोलने आया हूं मैं इस रिपोर्ट फर्जी रिपोर्ट के संबंध में बोलने नहीं आया हूं क्यों बोलूं आप मेरे को गुलाम समझते हैं आप हर आदमी को बोलते हैं आईआई बोलिए क्यों बोलेगा वह आपको पढ़ना नहीं आता है वह बेचारा पढ़ा नहीं हो क्या बोलेगा तो ऐसा मजाक बंद करिए और कल बिल्कुल मत लिए इस क्षेत्र में बिल्कुल आना ही नहीं आपको आज मैं पारिवारिक व्यवस्था के चलते नहीं आया और बहुत देर से आया और कोई भी आदमी आ रहा है समर्थन है क्या चीज का समर्थन है कोई आदमी अब विरोध है सिर्फ बोल रहा है क्यों बोल रहा है अरे विरोध है तेरा विरोध किस बात पर है और समर्थन है तो क्यों समर्थन करना चाहता है एक वोट पहले बैलेट पेपर का था

जिसमें अगर शील का निशान थोड़ा सा ऊपर नीचे हो जाता था तो रिजेक्ट हो जाता था यह भी अभी म संग्रह की प्रक्रिया है जनता से अभी मत प्राप्त करना लेकिन अभी मत का मतलब कुछ नहीं है देश में प्रधानमंत्री से लेकर सब चोर लोग भी बैठे हैं वह चाहे कांग्रेस का बैठ जाए या फिर भाजपा का बैठ जाए तो चोरों का साम्राज्य तो हम चोरों को लिए क्यों जानते हैं अकेला एनआर कंपनी का गाड़ी चल रहा है क्या सड़क पर जिस पर मर रहा है आदमी किसी का चिमनी धुआं कर रहा है यह पर्यावरण अधिकारी महोदय के पास 10 स्टाफ नहीं है कैसे पूरे जिले को कंट्रोल कर लेंगे कैसे करेंगे बताओ मेरे को अभी एक नया नाटक चला कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के लिए हमारे मोदी जी गए थे तो उनको बताया कि आपका देश का स्थिति खराब है तो मोदी जी तेज दिमाग का आदमी उन्होंने तत्काल पर्यावरण मंत्रालय में परिषद का गठन कर दिया उसका एक अध्यक्ष होगा एक सचिव होगा उनको तनखा मिलेगा गाड़ी मिलेगा राज्य में भी होगा डिस्ट्रिक्ट लेवल में भी होगा लेकिन करेगा क्या यहां कलेक्टर कुछ नहीं कर पा रहे हैं पर्यावरण मंत्री कुछ नहीं कर पा रहे हैं मुख्यमंत्री कुछ नहीं कर पा रहे हैं तो देश को नरकी जीवन वाले आपको प्रकृति सजा देगी इस बात को आप ध्यान में रखना अगर मैं ताकतवर होता और मेरे पास मसल्स पावर होती मेरे पास हथियार होते तो आप जिस अधिकारी नेताओं को तत्काल उड़ा देता गोली से उसको नोट कर लीजिए आप अगर मेरे बयान राष्ट्रद्रोही है तो मेरे को गिरफ्तार कर लीजिए जेल में भेजिए अब मुझे घुटन हो रही है इस बाहर में अब मैं नहीं रहना चाहता और उसे सीधे भोले भाले आदिवासी मुख्यमंत्री को जागना चाहता हूं कि तू कहे आदिवासियों का हत्यारा बनते फिर रहा है इतना सीधा आदमी समझ नहीं है तो ट्यूशन पढ़ने मुख्यमंत्री का कि मैं मुख्यमंत्री हूं कुछ नहीं समझ रहा हूं समझ नहीं रहा है तो सलाहकार रख ले तो यह सब फर्जी जनसुनवाया आप लोग बंद करिए इसके लिए मैं पुलिस विभाग में मैंने रिपोर्ट दर्ज करवा रखा है आप पुलिस विभाग पर मेरा विश्वास है मैं हमारे एसपी साहब और यहां के जो जांच अधिकारी है वह बड़े अच्छे से जांच करेंगे वह अच्छा करेंगे मैं जानता हूं अब रही बात की आ लोग मुनादी कितने बार किस गांव में करवाए हैं उसके लिए क्या नियम है आप चुप बैठ जाएंगे तो कैसे बनेगा मैं तो रात भर अभी बैठा दूंगा आपको कल दिन भर बैठा दूंगा आपको हल नहीं पाएंगे यहां से क्योंकि मैं पब्लिक हूं आपको नीतिगत कानूनी बातें पूछ रहा हूं आप जवाब नहीं दे रहे हो तो आप लोग सब नकल मार के पास हुए हैं क्या कि पैसा देकर इस पद में आए हैं ऐसे पद का दुरुपयोग मत करिए यह अधिकार आपको किसने दे दिया अपने पदों का दुरुपयोग करने का और यहां के कलेक्टर गोयल क्या कर रहा है उसको पता नहीं है इतने साल में इतने समय में 1 साल से ऊपर हो गया कितनी फर्जी जनसुनवाई करवा रहा है वह क्यों ऐसा करवा रहा है वह तो कांग्रेस के कार्यकाल में भी था और भाजपा के भी कार्यकाल में में भी है रायगढ़ में अभी क्यों ऐसा हो रहा है हम जान देने के लिए तैयार नहीं है हम विकास चाहते हैं उद्योग भी लगना चाहिए विकास भी लगना चाहिए कृषि भी लेना चाहिए और लोगों का जीवन भी

सुरक्षित रहना चाहिए हमारे संविधान में हमको स्वतंत्रता पूर्वक निर्भरता से स्वस्थ रहते हुए जीवन यापन करने का अधिकार दिया है वह हमारा मौलिक अधिकार किधर है कौन हनन कर रहा है आपके जैसे कलेक्टर को पुलिस लाकर खड़े कर दिए 500–1000 हम लोग आतंकवादी है हमको डंडा मरवाओगे आप क्यों मरवाओगे यह सरकारी थक गई बीजेपी और कांग्रेस की जेल में डालकर डालते कान पकड़ लिए आज के बाद से इस आदमी को जेल में नहीं डालना है और अगर ओपी चौधरी के मॉ का दूध पिया है अपने बाप का औलाद है तो करें मेरे खिलाफ मानहानि का दवा मेरे को जेल में डालकर दिखाएं मैं उसकी चुनौती देता हूं कि उसके में कितनी मर्दानगी है वह भ्रष्ट है करप्ट है चोर है बेईमान है और सारे उद्योगपतियों का दलाल है आप तत्काल इस जनसुनवाई को यही बंद करिए और इसको घोषणा करिए जब आप मेरी बात की जवाब नहीं दे रहे हैं कि आप अध्ययन क्षेत्र में या यह रिपोर्ट क्यों नहीं पहुंचा है यह यह आपकी जवाबदारी थी 07, 08, 09, 10 गांव अरे यहां तो 02 दर्जन गांव है ग्राम पंचायत हैं टोपोशीट उठा कर देख लीजिए और यह कंसलटेंट कंपनी कैसे बनाया है ऐसा टोपोशीट बनता है इस गूगल में तो छोटा सा बच्चा निकाल कर दे देगा कि कितने ग्राम पंचायत है तो ऐसे फर्जी ईआईए रिपोर्ट आधार पर आप जो जनसुनवाई करवा रहे हैं इस क्षेत्र में 10 किलोमीटर के अंदर कितने कंपनियां हैं देख लीजिए कितने नगर पंचायत हैं क्या उनको सबको आपका आया रिपोर्ट पहुंचा है जहां वास्तविकता में पहुंचना चाहिए यहां दो–दो सांसद हैं संसद को क्यों नहीं देते वह तो पूरे संसदीय क्षेत्र के लोग उसको चुने हैं और उसे सदन में भेजे हैं केंद्रीय सदन में यहां दो सांसद है इस क्षेत्र में एक राज्यसभा में एक लोकसभा में वह क्यों वंचित किया गया है सारे या यह रिपोर्ट किसी भी कंपनी का मैं एनआर कंपनी का नहीं बोल रहा हूं कल की भी कंपनी का पहुंचा है क्या आप विधायक को आप पहुंचा है क्या और क्यों नहीं पहुंचा हैं वह तो उसे विधानसभा का प्रतिनिधित्व करता है वह जनता का प्रतिनिधित्व करता है वह कैसे अनभिज्ञ है मैं जान रहा हूं वह अनभिज्ञ नहीं रहता है नेता कर अनभिज्ञ होगा तो नेता कैसे बनेगा सबको जो बेवकूफ बना सकता है वही नेता बनेगा तो आप इस जनसुनवाईयों की प्रक्रिया को आप यहीं पर तत्काल स्थगन में और अगर आप नहीं देते हैं तो क्या मैंने जो यह फर्जी कागजात तैयार करने आंकड़े तैयार करने उसको चलाने इन सारे अपराधों में आप भी शामिल हो आज आपकी जनसुवाई हो गई तो हो गई जनसुनवाई से पहले अगर स्थगन होता है तो इसे शून्य घोषित करने के लिए बाद में भी न्यायालय जाया जा सकता है लोगों को भ्रम था प्रदेश में देश में की हाई कोर्ट पर्यावरण के मामले को सुनता है 2004 में जिंदल के खिलाफ मैंने अपने हाथ में चार लाइन लिख कर स्थगन लिया था और एक नहीं कई आपके हमारे त्रिपाठी जी है रमेश अग्रवाल जी हैं उनका बढ़िया से काम बना और अपना ढंग से उनका फिर चलने लगा सारा काम तो आप इस पर ऐसा मत सोचिए कि जो जनसुनवाई की प्रक्रिया पर नल एण्ड वॉडड करने के लिए शून्य घोषित किया जा सकता है लगाया जा सकता है लेकिन एक आदमी की क्षमता होता है मैं एक सामान्य आदमी हूं

मैं पूरे प्रदेश में जाता हूं इस प्रदेश को छोड़ दूसरे प्रदेश में जाता हूं मैं कहां–कहां किसका स्थगन लगाते फिरूंगा और मेरे पास क्या उतनी क्षमता है और नहीं है तो क्या सरकार मेरे को लोन दे देगी की अच्छा काम कर रहा है करके आपके बैंक से हम फाइनेंस कर दे रहे हैं तो माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय समय हो रहा है अपने निर्णय नहीं ले पा रहे हैं जवाब नहीं दे पा रहे हैं अगर कल जिसको आपका करवाने जा रहे हैं जनसुनवाई में 10 किलोमीटर रेडियस के अंदर उसमें नहीं पहुंचा है तो आप आज की तारीख में निरस्त कर दीजिए और इस जनसुनवाई को भी निरस्त कर दीजिए रात भर बोलूंगा तो भी आपको फर्क नहीं पढ़ना है क्योंकि आपको ट्रेनिंग उसी का मिला है लेकिन मेरे जैसे आदमी अगर ठान लेगा ना 3 दिन 3 रात बिना सोए जागे यहां खड़े रखे ऐसे बोल सकता हूं यह मेरी क्षमता है इस बुढ़ापे में इस 64 साल की उम्र में तुम मुझे ललकारिये मत मुझे चिढाईये मत आप लोग कानून का पालन करिए उसे संविधान को उठाकर देखिए वो क्या बोलता है वहां क्या लिखा है क्या कानून बनाया है मैं आप लोगों से प्रार्थना करता हूं कि आप जिन संबंधित पदों पर हैं उसमें आपकी जवाब दे ही आम नागरिक पेड़ पौधे जंगल की रक्षा के लिए है अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें मैं जो बातें रखा हूं तथा तथ्य रखा हूं अगर जो इसके आधार पर मेरी बातों को नहीं सुन रहे हैं तो आप जितने मैंने आपको बताया जिन धाराओं को जिन में ओ.पी. चौधरी भी जिम्मेदार हैं मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय वह जो बैठे हुए हैं वहां के मंत्री वह भी उतने ही दोषी हैं मैं अपनी बात को यही विराम देता हूं और कल के लिए आप दोनों को चेतावनी देता हूं कि इधर मत आएगा कल मैं फिर इतना जल्दी आपको नहीं छोडूंगा जय हिंद जय भारत जय छत्तीसगढ़।

616. सुरेश पटनायक – माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय पर्यावरण अधिकारी वैसे तो आज के उद्योग के पर्यावरणीय जनसंख्या में बहुत तैयारी करके आया था लेकिन इतने बड़े–बड़े प्रवक्ता आदरणीय और राधेश्याम महाराज जी राजेश पाठक जी सविता रथ जी के सामने में सारा चीज भूल गया मैं बहुत कम शब्दों में आप सबका ध्यान आकर्षण करना चाहूंगा सबसे पहले मैं स्वयं का परिचय दे देता हूं मैं सुनील पटनायक रायगढ़ जिले के केंद्रीय श्रमिक संगठन का कार्य अध्यक्ष हूं जिसका नाम है मैं भी 10 वर्षों से रायगढ़ श्रमिकों के लिए मैं लड़ रहा हूं और लड़ा भी हूं चाहे वह जिंदल हो या फिर अदानी हो और बहुत सारी समस्याएं आती है हमने उसको फेस भी किया है आप सबको औकात भी याद कराया है लेकिन जब बात आती है एन.आर कंपनी की संजय अग्रवाल कंपनी से संबंधित तो हमें शिकायत नहीं करना पड़ता है माननीय राधे श्याम जी ने इतना संबोधन किया है ई.आई.ए. में यह सब बातें कही है ऐसा बातों पर मैं नहीं जाऊंगा इतना पढ़ा लिखा भी नहीं हूं और हम वक्त भी नहीं है और बोलना भी नहीं जानते हैं क्योंकि संगठन से हूं तो जिले के जितने श्रमिक हैं इनकी बात आती है तो मैं समर्थन देता हूं एनआर कंपनी के संजय अग्रवाल जी के फर्म को एक बात बोलना चाहूंगा कि आज के बाद रायगढ़ जिले में यदि किसकी कंपनी की विस्तार पर्यावरणीय जनसुनवाई होता है यह जो मापदंड आप लोग तय करते हैं जो एक कंपनी

ने पेश किया है आपको मैंने देखा है यदि किसी भी कंपनी का इससे कम आकलन होता है तो आप वहीं से खारिज कर दीजिए हम श्रमिकों के हित के लिए है मैं कंपनी की क्षमता विस्तार को समर्थन करता हूं बहुत–बहुत धन्यवाद।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 05.45 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी कंसलटेंट श्री महेश्वर रेड्डी, पायनियर लेबोरेट्री हैदराबाद द्वारा बताया गया कि अभी इस जनसुनवाई में जो मुद्दा आया वायु प्रदूषण जल प्रदूषण के बारे में प्रस्तावित परियोजना में हम लोग इलेक्ट्रोस्टेटिक बैक फिल्टर फ्यूम एक्सट्रेक्शन सिस्टग डस्ट सेपरेशन सिस्टम कन्वेयर पूरा कर होगी इंटरनल और पक्कीकरण किया जाएगा यह सब करेंगे यह सब करने से वायु प्रदूषण के कारण वातावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जो इस प्रस्तावित परियोजना के लिए पानी खिरखिरी नाला से लिया जाएगा कोई ग्राउंडवाटर का उपयोग नहीं होगा इसमें हम लोग इरीगेशन डिपार्टमेंट से परमिशन लेने के बाद ही चालू होगा हम लोग यह रिपोर्ट में 10 किलोमीटर में कितने इंडस्ट्री हैं सेकंड चेप्टर 15 नंबर पेज में दिया गया है छत्तीसगढ़ स्टेट डेवलपमेंट और कॉरपोरेशन सेक्टर से 177 हेक्टर भूमि लीज पर लिया है इसमें कोई वन भूमि नहीं है इसलिए सीएसआईडीसी ने भूमि अलॉट किया है इसमें जो पेड़ काटने का बात है हम लोग मिनिस्ट्री आफ एनवायरमेंट फॉरेस्ट को बताया कि एक भी पेड़ को नहीं काटेंगे हम ट्रांसफरगेट करेंगे यहां से सिफ्ट करके बाउंड्री में शिफ्ट करेंगे इसको कोई भी पेड़ को काटेंगे नहीं हम लोग वन भूमि के हिसाब से जो फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में लेटर भी दिया है प्रस्तावित योजना स्थल में कोई वन भूमि नहीं है हम लोग यह रिपोर्ट में जिंदल को 10 किलोमीटर के अंदर आया है बोलकर हमने लिखा है ग्राम पंचायत अनापत्ति कंपनी को मिल गया है लेकिन ईआईए नोटिफिकेशन के हिसाब से ग्राम पंचायत को यूनिवर्सिटी का जरूरत भी लेकिन कंपनी ले लिया है हाथियों का मुद्दा है हमने रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से बताया है कि 10 किलोमीटर की परिधि में हाथी प्रवाहित क्षेत्र है बोलकर हम लोग कंजर्वेशन प्लान प्रिपेयर करके प्रिंसिपल के कंजर्वेशन फॉरेस्ट को सबमिट किया है जो बजट अलॉट होगा उसके हिसाब से यह अच्छा भी किया जाएगा इसमें लाइव स्कोर हम भारत सरकार पर्यावरण मंत्रालय के नियम अनुसार उपयोग किया जाएगा इसमें ब्रिक प्लांट की स्थापित किया जाएगा और सीमेंट प्लांट को भी प्लेयर दिया जाएगा इसमें में पावर 5000 लोगों को नौकरी मिलेगा और लोकल 7500 लोगों को नौकरी मिलेगा और इसमें स्थानीय लोगों को भी प्राथमिकता दिया जाएगा इसमें जो एनवायरमेंटल मॉनिटरिंग के लिए और विलेज डेवलपमेंट एक्टिविटी के लिए एक कमेटी कंपनी की तरफ

से बनाया जाएगा जिसमें एनवायरमेंटल क्लीयरेंस में भी इसका विस्तार होगा उसके बाद यह फॉर्म किया जाएगा इसमें एक मुद्दे था कि एंबुलेंस सुविधा दिलाने के लिए कंपनी एक एंबुलेंस देगा हेल्थ चेक अभी नियमित रूप से करवाया जाएगा अभी तो ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट है जब प्लांट लग जाएगा तब और चालू करने से पहले सभी सभी आश्रित ग्रामों में मेडिकल चेकअप करवाया जाएगा।

सुनवाई के दौरान 06 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 04 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। लोक सुनवाई में लगभग 700 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 172 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ (छ.ग.)

(संतन देवी जांगड़े)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)